Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 22 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-203

बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

मेरिट पर मिलेगी नौकरी, आरक्षण पर नहीं

बांग्लादेश में आरक्षण सिस्टम खत्म, केवल 5% शेष

देश का विकास करना है तो योग्यता को तरजीह दें

भारत में आरक्षण के हिमायतियों पर करारा तमाचा

ढाका, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इस्लामिक राष्ट्र बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने न्यायप्रियता की मिसाल कायम की है और प्रगतिशीलता का चोंगा पहन कर समाज में रूढ़िवाद, जातिवाद और संप्रदायवाद का जहर बोने वाले तत्वों को अपने फैसले से करारा तमाचा रसीद किया है। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भारत के सुप्रीम कोर्ट को भी सीख लेनी चाहिए। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि देश को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ना है तो आरक्षण के बजाय योग्यता को तरजीह देनी होगी। बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की व्यवस्था को बेसाख्ता खारिज करते हुए कहा कि सरकारी नौकरियों में 95 फीसदी मेरिट के आधार पर मेधावी यानी योग्य लोगों को ही नियुक्त किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 1971 युद्ध के शहीदों के परिवारों का आरक्षण 30 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है।

अहम बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को भी अवैध करार दिया है। 2018 में शेख हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन फिर मामला हाईकोर्ट गया और इसी साल पिछले महीने हाईकोर्ट के आदेश पर आरक्षण व्यवस्था फिर से लागू हो गई। इसका विरोध किए जाने पर पूरे बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए। कई यूनिवर्सिटी बंद चल रही हैं, इंटरनेट सस्पेंड किया जा चुका है और पूरे देश में कर्फ्यू लगा है। हिंसा में बांग्लादेश के विरोधी और पाकिस्तान समर्थक तत्व शामिल हो गए, इस वजह से हिंसा नियंत्रण के बाहर चली गई। करीब 150 लोगों के मारे जाने की खबर है। खूबी यह है कि बांग्लादेश के अधिकांश छात्र आरक्षण के पक्ष में नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद उन छात्रों की नाराजगी दूर होगी जो आरक्षण व्यवस्था लागू किए जाने के खिलाफ थे। सुप्रीम कोर्ट ने उसी दिशा में अपना फैसला सुनाया है।

बांग्लादेश सरकार जब हिंसा की जांच कर रही है तो पता चल रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन अब छात्रों से ज्यादा देश विरोधी ताकतों के हाथ में आ चुका है। ऐसे इनपुट मिल रहे हैं कि बांग्लादेश में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को और ज्यादा हवा देने का काम जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश कर रहा है। इस संगठन को लेकर लंबे समय से ही पाकिस्तान और चीन का बड़ा समर्थन माना गया है। उसका फिर ताकतवर होना भारत के लिए भी अच्छी बात नहीं है।

हिंसा के कारण बांग्लादेशियों की भारत में आमद बढ़ी

ढाका, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के क्रांतिकारी फैसले का कोई असर भारत पर नहीं पड़ने वाला, लेकिन बांग्लादेश में हो रही हिंसा का असर भारत पर पड़ सकता है। इस समय बांग्लादेश से जो पलायन हो रहा है, उसका एपीसेंटर भी भारत ही बना हुआ है। असल में बांग्लादेश से बड़ी संख्या में नेपाली और भूटानी लोग भारत के मेघालय पहुंच गए हैं। उस वजह से राज्य में शरण लेने वालों की संख्या 670 से भी ज्यादा बताई जा रही है। गृह विभाग का एक आंकड़ा बताता है कि बांग्लादेश से 204 भारतीय, 158 नेपाली और एक भूटानी नागरिक मेघालय पहुंच चुके हैं। यह आंकड़ा आने वाले दिनों में और ज्यादा बढ़ सकता है। ऐसे में अस्थिर बांग्लादेश की वजह से भारत में अवैध तरह से घुसने की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

बजट सत्र के पहले सर्वदलीय बैठक की औपचारिकता पूरी

संसद सत्र में फिर ध्वनि प्रदूषण फैलाएगा विपक्ष

आंध्र प्रदेश, बिहार व ओड़ीशा के विशेष राज्य का मसला उठा

सत्र शांति से चले, इस पर न खास चर्चा हुई न सहमति बनी

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बजट सत्र शुरू होने के पहले आज संसद के मुख्य समिति कक्ष संसदीय सौध में सर्वदलीय बैठक हुई। यह बैठक संसद की कार्यवाही के लिए सहमति बनाने के मुद्दे पर हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने की और संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस बैठक का आयोजन किया। केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई इस बैठक में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी शामिल नहीं हुई। पार्टी के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू को चिट्ठी लिखकर बताया था कि उनकी पार्टी का कोलकाता में कार्यक्रम है, इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हमने बहुत उपयोगी चर्चा की। मैं सभी पार्टियों के फ्लोर लीडर्स को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने अच्छे सुझाव दिए। हमने संसद के सभी सदनों के नेताओं से सुचारु रूप से सुझाव लिए हैं, यह सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। साथ ही अपील की है कि हम लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार निर्धारित नियमों का पालन करते हुए संसद में किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। सर्वदलीय बैठक मानसून सत्र के दौरान संसद अच्छे से चलाने के लिए बुलाई जाती है। विपक्ष और सरकार के बीच कुछ मुद्दों को लेकर हमेशा टकराव की स्थिति बनी रहती है, ▶10पर

संसद की कार्यवाही पर हर मिनट का खर्च 2.5 लाख

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जिस संसदीय सत्र को विपक्ष के सदस्य बेमानी शोर-शराबे और अराजकता का माहौल फैला कर बाधित कर देते हैं, उस पर आम जनता का पैसा फुंकता है। आप हैरत करेंगे कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर करीब ढाई लाख रुपए खर्च होते हैं। यानी हर घंटे के हिसाब से यह रकम 1.5 करोड़ रुपए होती है। ▶10पर

गृह मंत्रालय का नया आदेश, संघ पर लगी रोक हटी

सरकारी कर्मचारी भी संघ में हो सकेंगे शामिल

कांग्रेस की सरकारों ने सरकारी कर्मियों पर लगा रखी थी रोक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सरकार के आदेश का स्वागत किया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है। इस आदेश में केंद्र सरकारों के द्वारा 1966, 1970 और 1980 के उन आदेशों में संशोधन किया गया है, जिनमें कुछ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ आरएसएस की शाखाओं और अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर सरकारी कर्मचारियों पर कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस आदेश का स्वागत किया है।

पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था, जिस पर अदालत ने केंद्र सरकार से सफाई मांगी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने नौ जुलाई को एक ऑर्डर जारी करते हुए उक्त प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा कर दी। ▶10पर

कई बार लग चुका है आरएसएस पर बैन

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर एक बार नहीं बल्कि तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है। लेकिन आरएसएस के हौसले इससे पस्त नहीं पड़े। संघ लगातार अपने आपको आगे बढ़ाता रहा और आज विश्व के सबसे बड़े कैडर वाले संगठनों में अग्रणी बन चुका है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना केशव बलराम हेडगेवार ने की थी। ▶10पर

झारखंड में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

लव जेहाद और लैंड जेहाद को बढ़ावा दे रहे सोरेन

रांची, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भूमि जेहाद और लव जेहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए उन पर तीखा हमला किया। अमित शाह ने कहा कि भूमि जेहाद और लव जेहाद राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तन ला रहे हैं। अमित शाह ने रांची में भारतीय जनता पार्टी की बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मैं आदिवासी भाइयों और बहनों से अपील करना चाहता हूं ▶10पर

जनसंख्या का बदलाव सोची समझी रणनीति का नतीजा

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल भाजपा के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने असम और झारखंड में डेमोग्राफी में बदलाव की बात कही थी। मजूमदार ने कहा कि असम और झारखंड में बायोलॉजिकल तरीके से डेमोग्राफी बदलाव नहीं हुआ है। यह बदलाव घुसपैठ का नतीजा है। उन्होंने बंगाल को भी इस समस्या से पीड़ित बताया। सुकांत मजूमदार ने कहा कि बंगाल में भी इसी तरह अवैध घुसपैठ कराकर डेमोग्राफी को बदला गया है। ऐसा सिर्फ असम, झारखंड और बंगाल में ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत हुआ है, खासकर सीमा से सटे राज्यों में स्वतंत्रता के 70 से 75 सालों में बड़ा डेमोग्राफिक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि यह सबके लिए चिंता का विषय है। ▶10पर

हरियाणा की तरह उत्तराखंड में भी अग्निवीरों के मिलेगा आरक्षण

देहरादून, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में भी अग्निवीरों को सरकार आरक्षण देगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। सीएम धामी ने कहा कि सरकार ने पहले ही निर्णय लिया था कि प्रदेश के अग्निवीरों को सरकारी विभागों में नियुक्तियां दी जाएंगी। सरकार उन्हें आरक्षण भी देगी। अगर जरूरी होगा तो इसके लिए एक्ट भी बनाया जाएगा।

सीएम धामी ने कहा कि चार साल सेना की नौकरी के बाद वापस आने वाले अग्निवीर अपने सुरक्षित भविष्य को लेकर आशंकित न रहें। इसके लिए ठोस योजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। धामी ने कहा कि उत्तराखंड सैनिक बाहुल्य प्रदेश है। यहां के युवा बड़े पैमाने पर भारतीय सेना में भर्ती होते हैं। लिहाजा, सेना में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद रिटायर्ड जवानों को नियोजित करने में राज्य सरकार अपनी तरफ से कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। सैनिक कल्याण विभाग इस सम्बंध में प्रस्ताव तैयार करने में जुट गया है। कहा कि इस दिशा में हमारी सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 23^0

दुकानदार का नेमप्लेट लगाने पर मचे विवाद पर बोले बाबा रामदेव

रामदेव को पहचान बताने में दिक्कत नहीं तो रहमान को क्यों?

हरिद्वार, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले होटल, ढाबों एवं दुकानों पर उसके मालिकों के नाम लिखने के आदेश का योगगुरु स्वामी रामदेव ने समर्थन किया है। स्वामी रामदेव ने कहा कि जब स्वामी रामदेव को अपना नाम छुपाने की कोई जरूरत नहीं है, अपना परिचय देने में कोई दिक्कत नहीं है तो फिर रहमान को अपना परिचय बताने में क्यों दिक्कत है। अपने नाम पर तो सबको गौरव होता है।

स्वामी रामदेव ने कहा कि अपने कार्यों को शुद्धता और प्रमाणिकता से करने की आवश्यकता है। कार्यों में अगर शुद्धता और प्रमाणिकता है तो हमारा नाम चाहे हिंदू है चाहे मुसलमान है, चाहे हम किसी वर्ग के हैं हम सब भारतीय हैं, हम सबको भारतीय होने पर और हमें अपने नाम, धर्म और जाति पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के कांवड़ यात्रा मार्ग में दुकान और ढाबों के मालिकों की नेम प्लेट लगाने के निर्णय का स्वागत किया।

कांवड़ मेले को लेकर उन्होंने कहा कि कांवड़ के यात्री शिवत्व धारण कर ऐसा आचरण करें कि सबको लगे कि यह कांवड़िया नहीं अपितु साक्षात शिव-पार्वती का साक्षात विग्रह जा रहा है। दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाने को लेकर विवाद पर उन्होंने कहा कि जो हमारे देव स्थान या बड़े तीर्थ हैं, उनका कोई विकल्प नहीं हो सकता। जो भगवान के द्वारा बनाए गए धाम हैं, उन्हें कोई इन्सान नहीं बना सकता। धामी सरकार ने जो चारों धामों को पेटेंट करने का निर्णय लिया है, वह प्रशंसनीय है।

नेमप्लेट लगाने का मामला सुप्रीम कोर्ट गया

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग में पड़ने वाले होटल-ढाबों और ठेलों पर नेम प्लेट लगाने की अनिवार्यता वाले निर्देश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम की एनजीओ ने यूपी सरकार के आदेश के खिलाफ याचिका दी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच सोमवार 22 जुलाई को सुनवाई करेगी। ▶10पर

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

प्रधानमंत्री ओली के विश्वास मत की परीक्षा तीन पार्टियां विरोध में करेंगी मतदान

काठमांडू , 21 जुलई (एजेंसियां) ।

नेपाल में हाल ही में पीएम पद की शपथ लेने वाले केपी शर्मा ओली संसद में विश्वास मत पेश करेंगे। उनके विरुद्ध तीन पार्टियां मतदान करेंगी। इनमें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड सोशलिस्ट शामिल हैं। हालांकि प्रचंड की पार्टी से नाता तोड़कर ओली ने नेपाली कांग्रेस से हाथ मिलाया है जिसके साथवह पूर्ण बहुमत में हैं, अत: उनकी जीत तय है। प्रचंड की पार्टी से समर्थन वापस लेकर नेपाली कांग्रेस से मिलाया हाथ पिछले सप्ताह नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर से ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) ने समर्थन वापस ले लिया था। इसके बाद ओली ने नेपाली संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया। इसके चलते प्रचंड संसद में विश्वास मत हार गए थे। इसके बाद कम्युनिस्ट नेता केपी शर्मा ओली ने चौथी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उनको भी संसद में विश्वास मत हासिल करना है। सुप्रीम कोर्ट में भी होगी सुनवाई एक ओर जहां ओली संसद में शक्ति परीक्षण करा रहे होंगे तो दूसरी ओर उनकी नियुक्ति को लेकर दायर की गई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। कोर्ट में डाली गई याचिका में ओली की नियुक्ति को असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने की मांग की गई थी। वहीं मामले में तीन अधिवक्ताओं ने रिट दायर कर कहा था कि अगर गठित सरकार शक्ति परीक्षण में विफल रहती है तो राष्ट्रपति को नई सरकार के गठन के लिए दूसरे गठबंधन को बुलाना चाहिए। मामले में कोर्ट 21 जुलाई को सुनवाई करेगी। ओली के विश्वास मत जीतने की संभावना नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली संसद में विश्वास मत जीत सकते हैं। उन्होंने 21 मंत्रिमंडल सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। नेपाल संविधान के मुताबिक ओली को प्रधानमंत्री बनने के 30 दिन में संसद में विश्वास मत हासिल करना है। जिसे वह आसानी से हासिल कर लेंगे। 275 सदस्यों वाली नेपाल की संसद में सरकार बनाने के लिए 138 सदस्यों का बहुमत चाहिए। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल के पास 167 सदस्य हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप पर गोली चलाने वाले शूटर के स्कूल ने किए कई खुलासे, कहा- उसके साथ कभी कोई दुर्व्यवहार नहीं हुआ

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप गोली चलाने वाले 10वीं के छात्र थॉमस मैथ्यू क्रुक्स की मौत के बाद कई चौंकाने वाले दावे सामने आ रहे हैं। उनके स्कूल ने उनके राइफल टीम में शामिल होने समेत कई दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने पिछली सारी रिपोर्टों का खंडन कर दिया है। 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की रैली के दौरान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने ट्रंप पर जानलेवा हमला किया था, लेकिन इस हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। बाद में सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की जवाबी कार्रवाई में हमलावर क्रुक्स को मौके पर ही ढेर कर दिया गया था। ट्रंप पर हमले के बाद जब पुलिस ने थॉमस क्रुक्स के घर के घर छापा मारा तो उन्हें तलाशी में क्रुक्स की कार से विस्फोटक डिवाइस भी प्राप्त हुई। साथ ही उसके घर पर दर्जनभर हथियार भी बरामद हुए। जांच में ये भी पता चला है कि हमले से पहले हमलावर ने डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बारे में ऑनलाइन सर्च किया था। हमलावर ने पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली की तारीख भी सर्च की थी। साथ ही अगस्त में होने वाले डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के बारे में भी सर्च किया था। जांच में ये भी पता चला है कि हमलावर ने हमले से कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। सोशल मीडिया मंच स्टीम पर साझा पोस्ट में हमलावर ने लिखा था कि 13 जुलाई को उसका भी प्रीमियर है और देखते हैं कि क्या होता है। हाईस्कूल में पढ़ने वाले शूटर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने पेंसिल्वेनिया रैली शूटिंग के बाद चौंकाने वाले दावे किए गए। लेकिन बेथेल पार्क हाईस्कूल ने उन दावों से इंकार किया कि क्रूक्स ने स्कल की राइफल टीम के लिए प्रयास किया था, उसे धमकाया गया था। स्कूल ने दावा किया कि उसके पास क्रूक्स के राइफल टीम के लिए प्रयास करने का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। यहां तक कि कोच को तक याद नहीं है, कि वे कभी उससे मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह हो सकता है कि क्रूक्स अनौपचारिक रूप से अभ्यास में शामिल हुआ हो, शॉट लिया हो और फिर कभी वापस नहीं लौटा। स्कूल ने बताया कि हमारे पास उसके यहां आने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। स्कूल ने यह भी दावा किया कि उसके साथ स्कूल में किसी प्रकार की कोई घटना नहीं हुई।

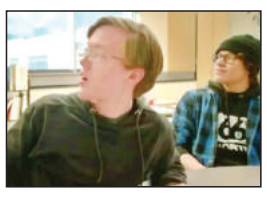

ताइवान पर चीनी हमले का खतरा बढ़ा, 60 प्रतिशत ताइवानी हैं ड्रैगन से खौफजदा

ताइपे । मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकेडेमिया सिनिका के यूरोपीय और अमेरिकी अध्ययन संस्थान के सहायक अनुसंधान फेलो जेम्स ली ने कहा, सर्वेक्षण में इस बात पर चर्चा की गई कि संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्वसनीयता और समय के साथ इसमें किस तरह का बदलाव आया है और चीन का खतरा कितना बढ़ा है। एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि ताइवान पर चीन के हमले का खतरा बढ़ गया है। ताइवान के लोगों ने खुद ये बात स्वीकार की है। ताइवान स्थित एकेडेमिया सिनिका द्वारा किए गए सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि ताइवान के लगभग 60 प्रतिशत निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में ताइवान के विरुद्ध चीन का खतरा बढ़ गया है। 80 फीसदी लोग ताइवान और चीन को एक देश नहीं मानते मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकेडेमिया सिनिका के यूरोपीय और अमेरिकी अध्ययन संस्थान के सहायक अनुसंधान फेलो जेम्स ली ने कहा, सर्वेक्षण में इस बात पर चर्चा की गई कि संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्वसनीयता और समय के साथ इसमें किस तरह का बदलाव आया है और चीन का खतरा कितना बढ़ा है, साथ ही ताइवान के लोग अमेरिकी और चीनी संकेतों को किस तरह देखते हैं। खास बात ये है कि 80 फीसदी ताइवान के लोग मानते हैं कि चीन और ताइवान एक देश नहीं हैं। वहीं 13 फीसदी लोगों का मानना है कि चीन और ताइवान एक ही देश हैं। ताइवान में अमेरिका की विश्वसनीयता बढ़ी सर्वेक्षण रिपोर्ट में अमेरिकी विश्वसनीयता में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि देखी गई है, जो साल 2023 के 34 प्रतिशत से बढ़कर इस साल 41 प्रतिशत हो गई है। ताइवान के लोग इस बात पर भी एकमत नहीं हैं कि अगर ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो फिर अमेरिका ताइवान का बचाव करेगा या नहीं। यह सर्वेक्षण ऐसे समय हुआ है, जब चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ रहा है। हाल ही में भी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 22 पीएलए विमानों और 8 पीएलएएन जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान की सेना भी वार्षिक हान कुआंग सैन्य अभ्यास कर रही है। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हाल के वर्षों में ताइवान के लिए सैन्य खतरा बढ़ा है।

बाइडेन ने की राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा

वाशिंगटन, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है और कहा है कि देश हित मैं चुनाव से बाहर हो रहा हूं।

श्री बाइडेन ने रविवार को सोशल मीडिया में चिट्ठी लिखकर राष्ट्रपति पद के चुनाव की की दौड़ से हटने का ऐलान किया। उन्होंने अपनी चिट्ठी में अमेरिकी जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही इस चिट्ठी में उन्होंने अपने कार्यकाल में लिए गए हर बड़े फैसलों का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा, साढ़े तीन साल में हमने एक देश के तौर पर महान तरक्की की है। आज अमेरिका दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था है। हमने देश को बनाने के लिए ऐतिहासिक निवेश किए हैं। उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा, मैंने यह फैसला पार्टी और देश की हित में लिया है। मैंने फैसला लिया है कि अब में राष्ट्रपति पद के चुनाव दावेदारी से पीछे हट जाऊं और बस अपना कार्यकाल पूरा करूं।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में अमेरिकियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम अफोर्डेबल हेल्थ केयर को लेकर आए हैं। हमने पिछले 30 साल में पहली बार गन सेफ्टी लॉ पास किया है। दुनिया के इतिहास में पहली बार हम पर्यावरण के बचाने के लिए कानून लेकर आए। अमेरिका इतनी बेहतर स्थिति में कभी नहीं रहा, जितना आज है।

गौरतलब है कि अमेरिका में 28 जून को हुई प्रेसिडेंशियल डिबेट के बाद श्री बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता यह मांग कर रहे थे कि वे राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी छोड़ दें।

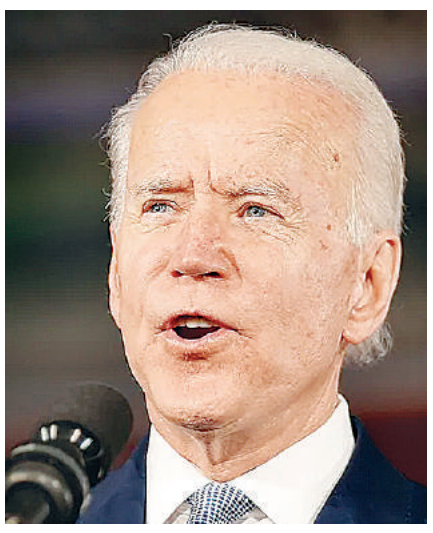

टेक्सास से सांसद लॉयड डॉगेट डेमोक्रेटिक पार्टी के ऐसे पहले नेता हैं, जिन्होंने सार्वजनिक तौर पर इसकी मांग की थी। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बाइडेन को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने को कहा था। इसके बाद बाइडेन ने कहा था कि अगर डॉक्टर मुझे अयोग्य या किसी बीमारी से ग्रसित पाते हैं, तो मैं राष्ट्रपति की रेस से बाहर हो जाऊंगा। बाइडेन (81) 18 जुलाई को कोरोना से संक्रमित पाए पाए गए थे। व्हाइट हाउस ने बताया था कि वे आइसोलेशन में रहकर काम करेंगे। श्री बाइडेन तीसरी बार कोरोना से ग्रसित हुए हैं। इससे एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि अगर डॉक्टर उन्हें अनफिट घोषित करते हैं तो वे राष्ट्रपति चुनाव की रेस से बाहर हो जाएंगे।

बाइडेन के हटने पर आश्चर्य नहीं, डेमोक्रेट किसी को उतारें, उसे धूल चटाऊंगा: ट्रंप

वाशिंगटन, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के चुनाव मैदान से हटाने की घोषणा पर कहा है कि उन्हें श्री बाइडेन के इस फैसले पर कोई आश्चर्य नहीं है। श्री ट्रंप ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अब डेमोक्रेटिक पार्टी उनके खिलाफ चाहे सुश्री कमला हैरिस (उपराष्ट्रपति), हिलेरी क्लिंटन (पूर्व विदेश मंत्री) या मिशेल ओबामा (पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी), किसी को भी उतारे, उसे वह धूल चटा देंगे। श्री ट्रम्प ने कहा, वाह! श्री बाइडेन बाहर हो गए। वह विमान की सीढ़िया से चलकर उतर तो सकते नहीं, तो उनसे अगले चार महीने (श्री बाइडेन के कार्यकाल के बाकी के चार महीने) देश क्या चलाया जाएगा। इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं की श्री बाइडेन मैदान से हट गए हैं। वर्ष 2024 का राष्ट्रपति पद का अगला उम्मीदवार चाहे सुश्री कमला हैरिस हो, हिलेरी क्लिंटन हो या मिशेल ओबामा, मैं उन्हें धूल चटा दूंगा।

बांग्लादेश से 5000 से ज्यादा विदेशी छात्र भारत पहुंचे, इनमें साढ़े चार हजार भारतीय

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के कारण अब तक करीब साढ़े चार हज़ार भारतीय छात्र स्वदेश लौट आए हैं तथा नेपाल, भूटान और मालदीव के लगभग साढ़े पांच सौ अन्य छात्र भी भारत आये हैं। विदेश मंत्रालय ने रविवार को यहां एक बयान में बताया कि पिछले दो दिनों से ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग बंगलादेश में हालिया घटनाक्रम के बाद भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों के लिए भूमि-सीमा पारगमन केंद्रों और हवाई अड्डों पर सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है।चयनित भूमि सीमा पारगमन केंद्रों के माध्यम से स्वदेश वापसी के दौरान सड़क मार्ग से उनकी यात्रा के लिए, जहां आवश्यक है, सुरक्षा एस्कॉर्ट की भी व्यवस्था की गई है। ढाका में उच्चायोग भारत और बंगलादेश के बीच उड़ान सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बंगलादेश के नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों और वाणिज्यिक एयरलाइनों के साथ भी समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार अब तक 4500 से अधिक भारतीय छात्र भारत लौट चुके हैं। नेपाल के 500, भूटान के 38 और मालदीव का एक छात्र भी भारत पहुंचे हैं। भारतीय उच्चायोग और सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में बने हुए हैं। वे बंगलादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शेष छात्रों और उनके कल्याण और सहायता के लिए भारतीय नागरिकों के साथ भी नियमित संपर्क में हैं। बयान के मुताबिक ढाका में भारतीय उच्चायोग और बंगलादेश में भारत के सहायक उच्चायोग नीचे सूचीबद्ध आपातकालीन संपर्क नंबरों के माध्यम से भारतीय नागरिकों द्वारा आवश्यक किसी भी सहायता के लिए उपलब्ध हैं। भारतीय उच्चायोग, ढाका +880-1937400591, भारतीय सहायक उच्चायोग, चटगांव +880-1814654797 / +880-1814654799, भारतीय सहायक उच्चायोग, राजशाही +880-1788148696, भारतीय सहायक उच्चायोग, सिलहट +880-1313076411/ +880-1313076417 भारतीय सहायक उच्चायोग, खुलना +880-1812817799.

पाकिस्तान ने इजराइली प्रधानमंत्री को बताया आतंकवादी यहूदी देश के उत्पादों पर भी लगाया प्रतिबंध

इस्लामाबाद, 21 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की सरकार ने कहा है कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को आतंकवादी मानती है। पाकिस्तान ने मांग की कि फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध के लिए नेतन्याहू को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीति और सार्वजनिक मामलों पर सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि नेतन्याहू एक आतंकवादी हैं और युद्ध अपराध के दोषी हैं।

तहरीक ए लब्बैक पार्टी के हजारों समर्थकों ने किया विरोध प्रदर्शन

राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसी कंपनियों और उत्पादों की पहचान के लिए एक समिति भी गठित की गई है, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इजराइल या फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध करने वाली ताकतों को बढ़ावा दे रही हैं। पाकिस्तान की धार्मिक और राजनीतिक पार्टी तहरीक ए लब्बैक पाकिस्तान के हजारों समर्थकों ने इस्लामाबाद में गाजा युद्ध के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध कार्यक्रम में राणा सनाउल्लाह

भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम की मांग की और पाकिस्तानी सरकार से इजराइली प्रधानमंत्री को आतंकवादी घोषित करने की अपील की।

गाजा में राहत सामग्री भेजेगी पाकिस्तान सरकार

पाकिस्तान और इजराइल के बीच सीधा कोई व्यापारिक संबंध नहीं है, लेकिन कई पश्चिमी ब्रांड इजराइली उत्पाद पाकिस्तान में बेचते हैं। राणा सनाउल्लाह ने कहा कि हम न केवल इजराइल का बहिष्कार करेंगे बल्कि इससे संबंधित सभी उत्पादों और उन कंपनियों का भी बहिष्कार करेंगे, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्रूर ताकतों की मदद कर रही हैं।

सॉफ्टवेयर ने 85 लाख कंप्यूटर प्रभावित किए, भारत में हवाईअड्डों पर विमानन प्रणालियां हुईं सामान्य

वाशिंगटन डीसी, 21 जुलई (एजेंसियां) ।

वैश्विक आईटी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि साइबर सिक्यूरिटी फर्म क्राउडस्ट्राइक की ओर से दोषपूर्ण सॉफ्टवेयर अपडेट किए जाने से उसके 85 लाख कंप्यूटर प्रभावित हुए। माइक्रोसॉफ्ट ने एक ब्लॉग में कहा, वर्तमान में हमारा अनुमान है कि क्राउडस्ट्राइक के अपडेट ने 85 लाख विंडोज उपकरणों या सभी विंडोज मशीनों के एक प्रतिशत से भी कम को प्रभावित किया है। कंपनी ने कहा कि क्राउडस्ट्राइक ने एक मापनीय समाधान विकसित करने में मदद की है जो माइक्रोसॉफ्ट के एज्योर इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से ठीक करने में मदद करेगा। भारत के हवाईअड्डों पर परिचालन सामान्य माइक्रोसॉफ्ट के कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के अपडेट में तकनीकी खामी से आए वैश्विक आईटी व्यवधान से प्रभावित हुए हवाई अड्डों पर विमानन कंपनियों का परिचालन सामान्य हो गया। टिकट बुकिंग से लेकर आरक्षण और बोर्डिंग पास जारी करने तक की सभी सेवाएं पूरी तरह से ऑनलाइन हो गईं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने यह जानकारी दी। नायडू ने कहा, देश के सभी हवाई

अड्डों पर विमानना प्रणालियां सामान्य ढंग से काम कर रही हैं। उड़ानों का संचालन भी बिना व्यवधान के हो रहा है। मंत्रालय लगातार नजर रख रहा है ताकि यात्रा समायोजन और रिफंड का ध्यान रखा जा सके। एक विमानन कंपनी के कार्यकारी ने बताया कि सभी काम सामान्य हो गए हैं। बुकिंग और आरक्षण सहित हमारी सभी सेवाएं ऑनलाइन हैं। सिस्टम बहाल हो गया है और हमारी सेवाओं में कोई व्यवधान नहीं है। 50 हजार से ज्यादा उड़ानें प्रभावित गड़बड़ी की वजह से पूरी दुनिया में 45,648 उड़ानों में देरी हुई, जबकि 5,167 उड़ानें रद्द हुईं। सबसे ज्यादा असर अमेरिका पर पड़ा, जहां 4,000 उड़ानें रद्द हुईं। दुनिया ठप कर देनेवाली क्राउडस्ट्राइक के भरोसे 29,000 कंपनियां दुनिया में अब तक की सबसे बड़ी आईटी सिस्टम नाकामी के लिए जिम्मेदार साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक के ग्राहकों में आधी से ज्यादा फॉर्च्यून 500 कंपनियों समेत 29,000 से ज्यादा वैश्विक कंपनियां शामिल हैं। लेकिन, कंपनी की तरफ से विंडोज सिस्टम में किए गए एक दोषपूर्ण सॉफ्टवेयर अपडेट की वजह से दुनियाभर के कंप्यूटर सिस्टम ठप हो गए। यह पूरी समस्या क्राउडस्ट्राइक की ओर से माइक्रोसॉफ्ट एज्यूर के लिए किए गए एक सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण हुई। इससे लाखों कंप्यूटर पर ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ (बीएसओडी) आ गई। माइक्रोसॉफ्ट व क्राउडस्ट्राइक दोनों ने स्थिति काबू करने के लिए कड़ी मेहनत की। 8,304 करोड़ डॉलर बाजार मूल्य कैनालिस की रिपोर्ट के मुताबिक क्राउडस्ट्राइक 2023 की दूसरी तिमाही में 18.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ एंडपॉइंट सुरक्षा में विश्व की अग्रणी कंपनियों में शामिल है।

पहले लाया घर, फिर की हत्या, मन नहीं भरा तो शव के किए टुकड़े-टुकड़े

नैरोबी, 21 जुलई (एजेंसियां) ।

केन्या की राजधानी नैरोबी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी समेत 42 महिलाओं की हत्या करने, इनमें से कई के शव को क्षत-विक्षत करने, शरीर के अंगों को बोरिया में भरने और उन्हें एक स्क्रैपयार्ड में फेंकने की बात कबूल की है। जब इसके घर पर तलाशी ली गई तो पुलिस को अन्य चीजों के अलावा चाकू, औद्योगिक रबर के दस्ताने, सेलोटेप के रोल और नायलॉन की बोरियां मिलीं।

वैंपायर और मनोरोगी सीरियल किलर

33 साल के कोलिन्स जुमैसी खलूशा को एक वैंपायर और मनोरोगी सीरियल किलर बताया गया है, जिसका मानव जीवन के प्रति कोई खास लगाव नहीं है। देश में राजनीतिक उथल-पुथल और लिंग आधारित हिंसा की बढ़ती लहर के बीच खलूशा की भयावह हरकतें सामने आई हैं।

कैसे आया सामने मामला

यह डरावना मामला तब सामने आया, जब नैरोबी के मुकुरु झुग्गियों के पास कूड़े के ढेर के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली एक जगह पर नौ महिलाओं के क्षत-विक्षत शव पाए गए। जांच करने पर सामने आया कि एक पास के जर्जर

कमरे में रहने वाला शख्स पीड़ितों को बहला-फुसलाकर घर लाता था, फिर उनकी हत्या करता और जमीन पर दफना देता। मामले की जांच के कुछ दिनों बाद केन्याई पुलिस ने खालूशा को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजकों ने बताया कि खालूशा ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। पीड़ितों की हत्या 2022 से लेकर उसकी गिरफ्तारी के बीच तक की गई थी।

खलूशा के घर से जासूसों को कई मोबाइल फोन, पहचान पत्र और नायलॉन की बोरियां मिलीं, जो पीड़ितों के शवों को लपेटने के लिए इस्तेमाल की गई थीं। यह सबूत हत्याओं की एक व्यवस्थित और पूर्वनियोजित श्रृंखला की ओर इशारा करता है, जिसके कारण कुछ लोग उसे केन्याई टेड बंडी कहने लगे हैं।

कटे-फटे अवशेषों से भरी बोरियां मिलीं

दरअसल, 26 साल की हेयर ब्रेडर जोसेफिन ओविनो भी पीड़ितों में शामिल थी। एक सुबह वह अचानक गायब हो गई। इसपर उसकी बहन ने उसे ढूंढना शुरू किया। तलाश करती हुई आखिरकार वह डंपिंग ग्राउंड तक पहुंचीं। उन्होंने स्थानीय लोगों को तलाशने के लिए राजी किया। ढूंढने पर वहां से कटे-फटे अवशेषों से भरी बोरियां मिलीं।

इस पर पुलिस तो जानकारी दी। पुलिस ने शवों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। एक सरकारी रोगविज्ञानी डॉ जोहानसेन ओडुओर ने बताया कि अधिकांश बोरियों में कटे हुए अंग और धड़ थे। केवल एक शव सही हालत में मिला था। किसी को भी गोली नहीं मारी गई थी। एक का गला घोंटा गया था। डीएनए से अबतक दो शवों की पहचान हो गई है।

मामले का दूसरा पहलू ये

हालांकि अब इस पूरे मामले को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, जिस जगह लाशें फेंकी गई हैं वो जगह पुलिस स्टेशन के पास ही है। ऐसे में पुलिस की निगरानी और क्षमता के बारे में सवाल उठता है। हालांकि, कुछ लोग इसे चाल बता रहे हैं। दरअसल, कर वृद्धि और सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में पहले से ही विरोध हो रहा है। ऐसे में कुछ का कहना है कि इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए खलूशा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस संदेह को खलूशा के वकील जॉन मैना नेडेगवा ने हवा दी है। उनका दावा है कि उनके मुवक्किल को अधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार कर जबरन अपराध कबूल करने के लिए मजबूर किया गया। पहली बार अदालत में पेशी के दौरान वकील ने पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए खालूशा को चिकित्सा सुविधा देने की मांग की। वहीं, अदालत ने खलूशा की हिरासत अवधि बढ़ा दी है, जिससे जांचकर्ताओं को अपना मामला बनाने के लिए और समय मिल जाएगा।

पुणे में भाजपा नेताओं को अमित शाह ने संबोधित किया

देश में भ्रष्टाचार के सरगना हैं शरद पवार

औरंगजेब फैन्स क्लब के अध्यक्ष हैं उद्धव ठाकरे

पुणे, 21 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के पुणे में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने दावा किया कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत हासिल करेगी। शाह ने कहा, मैं आज कहने आया हूं कि 60 वर्ष के बाद पहली बार देश में किसी नेता को तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेने का यश मिला है, तो वे नरेंद्र मोदी हैं। हमने 2024 में महाराष्ट्र में बड़ी जीत हासिल करनी है। विपक्ष ने देश में भ्रांति फैलाने का काम किया है। अमित शाह ने उद्धव ठाकरे को लेकर भी कटाक्ष किया कि उद्धव ठाकरे औरंगजेब फैन्स क्लब के अध्यक्ष हैं।

अमित शाह ने कहा, मैंने राजनीतिक जीवन में कई जय-पराजय देखे। परंतु, मैंने यह भी देखा कि कई लोग जीतने के बाद अहंकारी हो जाते हैं। जीतने के बाद अंहकार आने के सैकड़ों उदाहरण आपको दुनियाभर की राजनीति में मिल जाएंगे। लेकिन एक अनूठा उदाहरण राहुल गांधी दुनिया को दे रहे हैं। वो हारने के बाद अहंकारी हो गए हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 300 सीटें मिलीं और विपक्षी गठबंधन इंडिया को एकजुट होकर भी 240 सीटें नहीं मिलीं हैं। इस

चुनाव में देश की जनता ने नरेंद्र मोदी के 10 वर्ष के शासन पर मुहर लगाई है।

इस दौरान अमित शाह ने कहा, हमारे कार्यकर्ताओं ने जोर शोर से काम किया लेकिन मन में एक कसक रह गई है। कसक रह गई है तो सिर पकड़कर नहीं बैठते हैं। नए लक्ष्य तय करते हैं और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर इस कसक को पूरा करने का काम करेंगे। ये याद रखें कि लोकसभा चुनाव में तीसरी बार हमारा गठबंधन पूर्ण बहुमत लेकर निकला है। कार्यकर्ता को हताश होने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम सुनिश्चित है। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी विजय हासिल करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आज हमें संकल्प लेना होगा कि हम किस पार्टी के कार्यकर्ता हैं। हम सत्ता प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए निकले हुए लोग नहीं हैं। हम एक विचारधारा को लेकर राजनीति के मैदान में आए हैं। बीते दस वर्षों में विचारधारा के क्षेत्र में हमने क्या प्राप्त किया? हमारी विच-ारधारा थी कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे। कई लोग कहते थे कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 नहीं होनी चाहिए। भारजा ने दस वर्षों के शासन में यह कर दिखाया और कश्मीर को हमेशा के लिए भारत में जोड़ दिया। कोई नहीं मानता था कि रामजन्म भूमि में भव्य मंदिर बनेगा। इन दस वर्षों में हमने धड़ल्ले के साथ रामलला को प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर में स्थापित किया।

कांग्रेस पार्टी के नेता देश में भ्रम फैला रहे हैं कि वे दलितों, गरीबों का कल्याण करेंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि 58 वर्ष तक आपने गरीबों के लिए क्या किया? बीते दस वर्षों में हमने गरीबों का कल्याण किया। विपक्षी नेताओं ने भ्रम फैलाया कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण समाप्त कर देगी। हम जवाब देने में कहीं कहीं संकोच करने लगे तो लोगों के मन में भ्रांति पैदा हुई मैं कहना चाहता हूं पूर्ण बहुमत होने के बाद भी पीएम मोदी ने आरक्षण को बल देने का काम किया है। विपक्षी नेताओं ने संविधान को लेकर भी भ्रांति फैलाई।

अमित शाह ने इस दौरान इंडी गठबंधन के नेता शरद पवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, अब महाराष्ट्र में चुनाव है और विपक्षी नेता शरद पवार नए नए प्रकार की भ्रांतियां फैला रहे हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि जब जब भाजपा महाराष्ट्र में आती है, तो मराठा समुदाय को आरक्षण दिया जाता है। जब शरद पवार की सरकार आती है तो मराठा आरक्षण गायब हो जाता है। 2014 में महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आया और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया। तब राज्य में भाजपा सरकार थी और देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री थे। इसके बाद शरद पवार की सरकार आई और मराठा आरक्षण गायब हो गया। हम फिर से आए और आरक्षण देने का काम किया। अगर शरद पवार की सरकार आएगी तो आरक्षण फिर से हटा दिया जाएगा। भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा सरगना अगर कोई है, तो वे शरद पवार हैं। मैं शरद पवार से कहना चाहता हूं कि दस वर्ष तक महाराष्ट्र और केंद्र में आपकी सरकार थी तो आपने क्या किया?

अमित शाह ने शिवसेना-यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने खुद को तुष्टीकरण की राजनीति से दूर रखा। देश की सुरक्षा को औरंगजेब फैन क्लब नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी सुनिश्चित करेगी। उद्धव ठाकरे औरंगजेब फैन क्लब के नेता हैं। खुद को बाला साहेब का वारिस बताने वाले उद्धव ठाकरे, कसाब को बिरयानी खिलाने वाले लोगों के साथ बैठे हैं। वे याकूब को छोड़ने की गुहार लगाने वाले के साथ बैठे, जाकिर नाइक को शांतिदूत बताने वालों के साथ आप बैठे और संभाजीनगर का विरोध करने वाले की गोदी में आप बैठे हो। ये औरंगजेब फैन क्लब महाराष्ट्र की सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकता है क्या? ये भारतीय जनता पार्टी है, जो महाराष्ट्र और देश की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी।

उपचुनाव जीते निर्दलीय विधायक मिलेंगे सीएम नीतीश से

बिहार विधानसभा में एनडीए सरकार का समर्थन बढ़ेगा

पटना, 21 जुलाई (एजेंसियां)। रूपौली विधानसभा उपचुनाव में जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी को हरा कर निर्दलीय विधायक बने शंकर सिंह आज फिर से सुर्खियों में हैं। चर्चा है कि शंकर सिंह नीतीश सरकार को अपना समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, इस मामले में अब तक शंकर सिंह ने स्पष्ट नहीं किया है। इधर, पटना में सीएम नीतीश कुमार के करीबी विधान परिषद सदस्य संजय सिंह के आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान शंकर सिंह ने सीएम नीतीश कुमार की नीतियों की खूब तारीफ की। उन्होंने ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कामकाज से वह काफी प्रभावित हैं। बिहार के विकास के लिए उन्होंने अच्छा काम किया है। उनकी नीतियों का समर्थन करता हूं। विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान किस ओर बैठेंगे इस सवाल पर शंकर सिंह ने कहा कि कुर्सी बहुत लगी हुई है। सारी कुर्सी विधायकों के लिए ही है। मैं सर्वदलीय जीता हूं और सर्वदलीय ही रहूंगा। सीएम नीतीश के विकास पर सवाल पर उन्होंने 2005 से पहले बिहार में अपराध चरम पर था। सीएम नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री बने तो अपराध पर अंकुश लगा और विकास भी हुआ। इसे आप झुठला नहीं सकते हैं।

एक समय में नॉर्थ बिहार लिबरेशन आर्मी के अध्यक्ष रह चुके शंकर सिंह जदयू के संजय सिंह और पूर्व सांसद आनंद मोहन के काफी करीबी हैं। इसलिए कयास लगाया जा रहा है कि अपने करीबी वरीय नेताओं के कहने पर शंकर सिंह नीतीश सरकार को अपना समर्थन दें। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी के बागी शंकर सिंह ने 19 साल बाद जीत का स्वाद चखा है। शंकर सिंह ने जदयू के कलाधर मंडल को 8211 वोटों से हराया था। उन्हें 67779 वोट मिले थे।

शहीदी दिवस पर हुई टीएमसी की रैली में बोलीं ममता

महिलाओं को आरक्षण देने में टीएमसी अव्वल

जल्द गिर जाएगी एनडीए सरकार : अखिलेश

कोलकाता, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की शहीद दिवस पर चल रही रैली में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसकी 38 फीसदी महिलाएं सांसद हैं। चुनाव से पहले भाजपा ने महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का दावा किया था, लेकिन ऐसा नहीं कर सके। धर्मतला में चल रही रैली में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखि-लेश यादव ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जल्द ही गिर जाएगी।

ममता बनर्जी ने कहा कि अखिलेश यादव मेरे निमंत्रण पर कार्यक्रम में शामिल होने आए, मैं उनका धन्यवाद देती हूं। मैं चाहती हूं कि पूरे देश के साथ बंगाल के रिश्ते बेहतर हों। यूपी में अखिलेश यादव ने जो खेल दिखाया, उसके बाद भाजपा को इस्तीफा दे देना

चाहिए था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भारत को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की साजिश रचने वाली ताकतों को अस्थायी सफलता मिल सकती है, लेकिन अंततः उनकी पराजय होगी। केंद्र में भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी, यह जल्द ही गिर जाएगी।

रैली में टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा ने बंगाल के सभी फंड रोक दिए हैं। भाजपा बंगाल को बदनाम कर रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने फर्जी कहानी बनाकर संदेशखली को हथियार बनाकर बंगाल को बदनाम करने की साजिश की। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा अबकी बार 400 पार का नारा दिया, लेकिन 240 पर रुक गए। टीएमसी के खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया मगर जीत नहीं मिली। पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 21 जुलाई 2022 को ईडी ने पार्थ चटर्जी के घर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। हम गलती करने वाले किसी व्यक्ति को नहीं बचाते। हम अन्याय करने की अनुमति भी नहीं देते हैं। अगर एसएससी-टीईटी घोटाले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया जा सकता है, नीट घोटाले में धर्मेंद्र प्रधान को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है?

21 जुलाई 1993 को ममता बनर्जी के नेतृत्व में राइटर्स अभियान के दौरान 13 लोगों की जान चली गई थी। उस दौरान ममता बनर्जी युवा कांग्रेस अध्यक्ष थीं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद ममता बनर्जी हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती रही हैं।

जम्मू संभाग में आतंकवाद खत्म करने के मॉडल पर उठे सवाल

आखिर आतंकवाद पनपने ही क्यों दिया?

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 जुलाई। जम्मू संभाग में आतंकवाद के खात्मे को कश्मीर-मॉडल अपनाने की जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा की घोषणा से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इसमें यक्ष प्रश्न यह सामने आ रहा है कि आखिर जम्मू संभाग में आतंकवाद को फिर से पनपने ही क्यों दिया गया? क्यों जम्मू की सुरक्षा को दांव पर लगाते हुए सैनिकों को हटाया गया? और सबसे बड़ा सवाल आखिर आतंकवाद को कुचने का कश्मीर मॉडल है क्या?

जम्मू संभाग के लगभग प्रत्येक जिले को तीन सालों से निशाना बना रहे आतंकियों से निपटने को अब आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने की जो तैयारियां की गई हैं उनमें सबसे प्रमुख कश्मीर मॉडल है। यह सबसे बड़ा सीक्रेट है जिसके प्रति किसी को कोई जानकारी नहीं है कि आखिर यह

मॉडल क्या है। यह शब्द उप राज्यपाल ने पहली बार इस्तेमाल कर सबको चौंकाया है। हालांकि केंद्र सरकार के निर्देशों पर सभी सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से अब जम्मू संभाग में आतंकवादियों पर प्रहार करने को हजारों जवान, खासकर स्पेशल फोर्स के गुरिल्ला वार में निपुण सैनिकों को तैनात करना आरंभ किया है लेकिन इन जवानों की तैनाती उस संख्या को पूरा नहीं कर पाएगी जो जून 2021 के उपरांत जम्मू संभाग से हटा कर चीन से निपटने को लद्दाख सेक्टर में भेज दिए गए थे।

रक्षा अधिकारियों ने इसे माना है कि पाकिस्तान ने इसी परिस्थिति का लाभ उठाया है और उसने अपने जहां ताजा प्रशिक्षित आतंकियों को जम्मू संभाग को निशाना बनाने के निर्देश देते हुए उन्हें भारी संख्या में इस ओर धकेला है।

स्थिति तो यह है कि पिछले तीन सालों में कितने आतंकी जम्मू संभाग में घुस आए सब एजेंसियों के अपने अपने आंकड़े हैं। अगर इन सबको सच मान लिया जाए तो जम्मू संभाग में आतंकियों की संख्या 300 को भी पार कर जाती है।

अब जबकि सरकार ने जम्मू संभाग को एक बार फिर आतंकवाद मुक्त करने के लिए कड़े कदम उठाने के साथ ही बड़ी संख्या में फौज तैनात कर आतंकियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन आरंभ करने की घोषणा की है पर आम जम्मूवासी प्रशासन की लापरवाही से नाराज है। जम्मूवासियों का कहना था कि आखिर जम्मू संभाग की कीमत पर सैनिकों को हटा अन्य स्थान पर तैनात कर जम्मू में आतंकवाद को फिर से क्यों पनपने दिया गया। जानकारी के लिए तीन साल के अरसे में आतंकी जम्मू संभाग में 52 सुरक्षाकर्मियों की जानें ले चुके हैं। राजनीतिक पंडितों के बकौल, प्रशासन और सुरक्षा अधिकारी पाकिस्तान की रणनीति को समझ पाने में नाकाम रहे थे जिस कारण जम्मू संभाग में शांति लौट आने के उनके दावे झूठे साबित हुए हैं।

रिकार्ड तोड़ रही है अमरनाथ के श्रद्धालुओं की संख्या

22 दिनों में 4 लाख, 8 लाख पार होने की उम्मीद

जम्मू, 21 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा के 22वें दिन गुफा के दर्शन करने वालों की संख्या 4 लाख को छूने लगी थी। यह अब पिछले साल के रिकार्ड को पार करने जा रही है जब 62 दिनों की यात्रा में लाख श्रद्धालु इसमें शामिल हुए थे। श्रद्धालुओं की रफ्तार को देखते हुए अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड को उम्मीद है कि इस बार यह आंकड़ा 8 लाख को पार कर सकता है। हालांकि सरकारी रिकार्ड 2011 की यात्रा में 6.35 लाख के शिरकत करने का है।

2007 से लेकर 2019 तक के आंकड़ों में इस साल के 22 दिनों के आंकड़े ने पिछले चार साल का रिकार्ड जरूर तोड़ दिया है। जबकि अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को उम्मीद थी कि अगर सब सकुशलता से चलता रहा तो इस बार यात्रा एक नया रिकार्ड बनाएगी। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2007 से 2018 के बीच क्रमशः 2.63, 5.50, 3.75, 4.59, 6.35, 6.20, 3.53, 3.72, 2.20, 2.60 तथा 2.85 लाख श्रद्धालुओं ने शिरकत की थी।

अमरनाथ यात्रा में शिरकत करने वाले श्रद्धालु अब राहत महसूस कर रहे हैं, जिन्हें स्वास्थ्य समस्याएं आ रही हैं क्योंकि स्वाथ्य विभाग ने यात्रा मार्ग पर पोनी अर्थात खच्चरों पर एम्बुलेंस स्थापित किए हैं जो कुछ ही देर में पीड़ितों के पास पहुंच कर उन्हें राहत दे रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यात्रा के दौरान करीब 6000 तीर्थयात्रियों को सांस लेने में तकलीफ हुई थी जिन्हें चिकित्सा सहायता दी गई है। तीर्थ यात्रियों को यात्रा के दौरान कोई समस्या न आए इसलिए जिन हजारों जवानों को यात्रा मार्ग में

तैनात किया गया है उन्हें इस बार विशेष तौर पर बेसिक पैरा मेडिकल की ट्रेनिंग भी दी गई है। इस तरह की ट्रेनिंग देने का मुख्य उद्देश्य यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की मदद करना हैं।

वैसे अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग यात्रा के पहले ही सप्ताह में ही पूरी तरह से पिघल गया था पर बावजूद इसके इसमें शामिल होने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। 30 जून को हिमलिंग की ऊंचाई 18 से 20 फीट के बीच थी। श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग हिमलिंग को प्रभावित कर रही है। वे इससे इंकार करते हैं कि गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

वर्ष 1996 के अमरनाथ हादसे के बाद नीतिन सेन गुप्ता कमेटी की सिफारिश थी कि 75 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल न होने दिया जाए। पर ऐसा कभी नहीं हो पाया। इस बार 22 दिनों में चार लाख श्रद्धालु गुफा में पहुंचे हैं। इस पर पर्यावरणविद खफा हैं। वे कहते हैं कि यात्रियों की संख्या में बेतह-ाशा वृद्धि न सिर्फ हिमलिंग को पिघलाने में अहम भूमिका निभा रही है, यात्रा मार्ग के पहाड़ों के पर्यावरण को भी जबरदस्त क्षति पहुंचा रही है।

साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे। साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरूआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे। जबकि साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार साल 2013 में हिमलिंग के तेजी से पिघलने का कारण तापमान में वृद्धि था। उस वक्त पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था।

देश की नामचीन 8 कंपनियां युवाओं को देंगी रोजगार

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिशन रोजगार के तहत प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरी के साथ स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश भर में मिशन रोजगार के तहत समय-समय पर युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत राजधानी लखनऊ स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में सोमवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आठ कंपनियां भाग ले रहीं हैं, जो 857 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन करेंगी।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप संस्थान के परिसर में समय-समय पर मिशन रोजगार के तहत रोज-गार मेले का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत सोमवार को संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आठ कंपनियां द्वारा हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईआईटी, डिप्लोमा या स्नातकधारक अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इन सभी अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष होनी चाहिये। कंपनियों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से लेकर 22 हजार रुपये प्रति माह वेतन के साथ अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एमए खां ने बताया कि मेले में महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसके लिए सभी अभ्यर्थियों को सुबह 10 बजे बायोडाटा और सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्लेसमेंट हॉल में उप-स्थित होना होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। कोई पौधा लगाएँ। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उनसे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। अगर आज आप किसी को सलाह देते हैं, तो ख़ुद लेने के लिए भी तैयार रहें। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक़्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर जाते समय ज़िंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। अपने क़रीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें उदास कर सकती हैं। कोई पौधा लगाएँ। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो अनुभवी हों। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज के समय में अपने लिए वक़्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। नये यार-दोस्त आज का दिन ख़ास बनाएंगे। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम-काज पर भी पड़ सकता है ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज़्यादा मददगार साबित होंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। वक़्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। दोस्तों की परेशानियों और तनाव के चलते आप अच्छा महसूस नहीं करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से यह थोड़ा मुश्किल वक़्त है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 22 जुलाई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 01:13 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 10:21 तक
योग : प्रीति सायं 05:57 तक
करण : कौलव दोपहर 01:13 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- अशून्य शयन व्रत आरंभ , चातुर्मास व्रती को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम सैनी ने सिकंदरपुर में किया एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

सिरसा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पर्यावरण की शुद्धता के लिए यह जरूरी है कि हम सभी को एक-एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। श्री सैनी ने रविवार को राधा स्वामी सतसंग (व्यास) सिकंदरपुर में गुरु पूर्णिमा के दिन आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण से बचाव के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री के साथ राधा स्वामी सत्संग (व्यास) सिकंदरपुर के सेवादारों ने एक साथ 20 हजार पौधे लगाकर वातावरण प्रदूषण रोकने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बड़ा हर्ष का विषय है कि राधा स्वामी सत्संग व्यास का मानवता की भलाई के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यक्रमों में भाग ले रहा है, सेवादारों का यह प्रयास सराहनीय है।

श्री सैनी ने कहा कि मानवता की सेवा के साथ-साथ हमें पर्यावरण शुद्धता की ओर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि के लिए जमीन को उपजाऊ रखने में पेड-पौधों और वनों का बड़ा योगदान होता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाकर वनों का विकास करना होगा और पेड़-पौधों की रक्षा करनी होगी। जितने ज्यादा पेड़-पौधे होंगे, उतना ही हमारा पर्यावरण स्वच्छ होगा। आज तापमान में लगातार बढ़ौतरी हो रही है। इसका एक कारण पेड़ों की कटाई ज्यादा होना है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण में असंतुलन चिंता का विषय है। उन्होंने पौधारोपण अभियान एक महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि पर्यावरण शुद्ध होगा तो व्यक्ति स्वस्थ होगा। जब व्यक्ति स्वस्थ होगा तो वह राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान दे पायेगा। श्री सैनी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार प्रदेश में 50 हजार वन मित्र बनाएगी।वन मित्र गड्ढे खोदकर पेड़ लगाने के साथ-साथ उसका संरक्षण भी करेंगे। इस कार्य के लिए उन्हें प्रति पेड़ के हिसाब से सरकार द्वारा 20 रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह 'एक पेड़ मां के नाम' योजना के तहत लगये गये पौधे के रखरखाव के लिए भी वन मित्रों को 10 रुपये प्रति पेड़ दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि गत पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में एक पेड़ मां के नाम से एक अनूठे अभियान की शुरूआत की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि जितना सम्मान हम अपनी जन्म देने वाली मां को देते हैं, उतना ही सम्मान हमें हमारा पालन पोषण करने वाली धरती मां को भी देना होगा। अपनी मां के नाम पौधा लगाने से मां का तो सम्मान होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार भी प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश को हरा-भरा बनाकर प्रदूषण मुक्त करने के लिए कृत संकल्प है। इसी के तहत एक पेड़ मां के नाम योजना का हरियाणा में भी अभियान चलाया जा रहा है।

श्री सैनी ने कहा कि वर्तमान दौर में दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण चिंता का विषय है। इस वर्ष हरियाणा में भी कई जिलों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस रहा, जो चिंता का विषय है। उन्होंने अपील की है कि हर परिवार कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए।

इसके साथ-साथ यह संकल्प भी लें कि अपने बच्चे के जन्म दिवस पर, विवाह की वर्षगांठ के अवसर पर या किसी भी खुशी के अवसर पर पेड़ लगाकर अपनी खुशी को यादगार बनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने बताया कि हर साल प्रदेश सरकार हर घर हरियाली, पौधगिरी जैसे आयोजन करके नागरिकों की भागीदारी से पौधारोपण अभियान चलाती है। इस वर्ष लगभग डेढ़ करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसमें आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। पेड़ पौधों के ग्रोथ पर नजर रखी जाएगी ताकि हरियाणा में वन क्षेत्र को बढ़ाया जा सके। इस मौके पर प्रदेश के परिवहन मंत्री असीम गोयल ने पौधारोपण अभियान को सामाजिक आंदोलन बताते हुए कहा कि डेरा ने जिस प्रकार से मानवता की भलाई के लिए अनेक काम कर रहा है। उनमें पर्यावरण सरंक्षण के लिये पौधारोपण अभियान भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम गुरु जी के आशीर्वाद से एक साथ इस अभियान का हिस्सा बन रहे है। गुरु जी के विचारों से हमे प्रेरणा मिलती है और हम भलाई के लिए काम कर रहे है। परिवहन मंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि वे एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत वे कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं और प्रदेश को हरा-भरा बनाने व प्रदूषण मुक्त करने की सरकार की मुहिम में अपना अहम योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्या का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री के साथ ऊर्जा मंत्री चौ. रणजीत सिंह, परिवहन मंत्री असीम गोयल, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर, उपायुक्त आर.के. सिंह, एसपी डबवाली दीप्ति गर्ग ने भी पौधारोपण किया।

इस अवसर पर ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल, महामंत्री सुरेंद्र पूनिया,ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह,पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर, पूर्व विधायक बलकोर सिंह, उपायुक्त आर.के. सिंह, एसपी डबवाली दीप्ति गर्ग, राधा स्वामी सत्संग घर के जॉनल सेक्रेट्री सरदार गुरमिंद्र सिंह, क्षेत्रीय सचिव धर्मेंद्र गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में साध संगत मौजूद रही।

सुरेंद्र पंवार की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित : रणदीप सुरजेवाला

सोनीपत, 21 जुलाई (एजेंसियां)। ईडी ने शनिवार को यमुनानगर और राज्य के कुछ अन्य क्षेत्रों में अवैध खनन से जुड़े धन शोधन मामले में सोनीपत के कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को गिरफ्तार कर लिया। पंवार की गिरफ्तारी को लेकर राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि सुरेंद्र पंवार की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। पंवार एक समाजसेवी विधायक हैं। उन्होंने सोनीपत में लोगों की सेवा की है। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी के विधायक बने हैं।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि पंवार को इस प्रकार से गिरफ्तार करना गलत है। ये भाजपा सरकार की बौखलाहट को दिखाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। इनके पास न बहुमत है न विधायक हैं। ये सरकार आखिरी पायदान पर खड़ी है। भाजपा सरकार सत्ता से जा रही है, तभी वह इस तरह के हथकंडे अपना रही है। जनवरी में ईडी ने सोनीपत में पंवार और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों, करनाल में भाजपा नेता मनोज वाधवा के आवासों और यमुनानगर जिले में इनेलो विधायक दिलबाग सिंह और उनके सहयोगियों के आवासों की तलाशी ली थी। बाद में सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

हुड्डा हजारों एकड़ भूमि घोटाला का हिसाब दें : अभय

सिरसा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा दूसरों से हिसाब मांगने की बजाय प्रदेश की जनता को स्वयं इस बात का हिसाब दें कि 72 हजार एकड़ भूमि को बिल्डर्स को कौड़ियों के भाव बेचकर जुटाया गया धन कहां है?

श्री चौटाला रविवार को अपने चार दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत ऐलनाबाद हलके के नाथूसरी कलां, तरकांवाली, गिगोरानी, जसानिया, कुम्हारिया, खेड़ी, गुसाईआना, राजपुरा साहनी, रामपुरा ढिल्लों व हंजीरा आदि गावों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। गांव जोगीवाला में मनरेगा मजदूर श्री चौटाला से मिले ओर एक ज्ञापन देकर उन्हें काम न देकर अन्य कृषि उपकरणों से कार्य करवाने का गांव के सरपंच व प्रशासन पर आरोप लगाए। मजदूरों ने उन्हें बकाया राशि न मिलने की भी बात कही।

श्री चौटाला ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि भूपेंद्र हुड्डा ने स्पेशल इकॉनामिक जोन के नाम पर किसानों से 72 हजार एकड़ भूमि कम दामों पर खरीदकर बड़े बिल्डर्स को सौंप दी थी जो बहुत बड़ा घोटाला है। इनेलो ने इस मामले में 400 पेजों की चार्जशीट बनाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व व राज्यपाल को सौंपी थी, मगर आज तक उसकी कोई जांच नहीं करवाई गई। इनेलो नेता ने कहा कि श्री हुड्डा ने जिन किसानों की जमीन हासिल की थी, उन्हें आश्वस्त किया गया था कि उनके बच्चों को स्पेशल इकॉनामिक जोन में बनने वाली औद्योगिक इकाइयों में नौकरियां दी जाएंगी मगर आज तक उन जोन का कोई अता पता नहीं है। श्री चौटाला ने कहा कि सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली भाजपा ने ऐलनाबाद से सदैव राजनीतिक द्वेष किया है और यही कारण है कि आज हलके के अधिकांश गांवों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति नहीं है जिससे आमजन के साथ-साथ मवेशियों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र में स्कूली भवन जर्जर हैं और वहां पर्याप्त संख्या में शिक्षक भी नहीं हैं, ऐसे में बच्चों की शिक्षा का आंकलन आसानी से किया जा सकता है। क्षेत्र की सड़कें भी पूर्णत: जीर्ण शीर्ण हैं जिन्हें निर्मित करवाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा सका है। उन्होंने कहा कि इन सब विपरीत परिस्थितियों को बदलने के लिए जरूरी है कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में इनेलो-बसपा गठबंधन को मजबूत करें। इस अवसर पर उनके साथ इनेलो जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला,बसपा नेता रविंद्र सिंह,राजेंद्र झोरड़,राजेंद्र बरासरी,महेंद्र बाना,रविल सींवर,जगतपाल कासनियां व देवेंद्र कृपालपट्टी सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत, 10 बीमार

उदयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले की गिर्वा तहसील में आदिवासी बहुल पोपल्टी गांव में दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत एवं 10 से अधिक के बीमार होने का मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पोपल्टी गांव में नाले में बनाई गई खुले कुंड में से लोग पीने के पानी का उपयोग करते है। अभी मानसून की बारिश के बाद नाले का पानी खुले कुंड में घुस गया जिससे यह पानी दुषित हो गया था। क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण इसी कुंड के पानी का उपयोग कर रह थे। बताया गया है कि इसके कारण से पिछले तीन दिनों में दो बच्चों एवं एक महिला की उल्टी दस्त से मौत हो गयी तथा 11 लोगों को समीप के नाई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उपचार किया जा रहा है। इसमें गंभीर रूप से बीमार दो लोगों को शनिवार को उदयपुर के एम बी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा शंकर लाल बामनिया ने बताया कि सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव का दौरा घर.घर सर्वे किया गया। चिकित्सा विभाग की टीम ने सभी को दवाईयां सुलभ कराई तथा लोगों के स्वास्थ्य की अन्य तरह की जांच की जा रही है।

पिकअप व बस भिंडत में एक की मौत, 11 घायल

श्रीगंगानगर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-62 पर लूणकरणसर शहर में रविवार दोपहर पिकअप एवं रोडवेज बस की भिड़ंत हो गई, जिसमें पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई तथा बस के 11 यात्री घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लूणकरणसर के इंडेन गैस गोदाम के पास हुई घटना में मृतक की पहचान विशाल बोहरा निवासी सुजानगढ़ जिला चूरू के रूप में हुई है। घटना में गंभीर रूप से घायल एक महिला को लूणकरणसर के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद बीकानेर रेफर कर दिया गया।

हादसे का पता चलते ही मौके पर पहुंची टाइगर फोर्स की एंबुलेंस में लगे कटर से आधे घंटे तक अथक प्रयास कर पिकअप की बॉडी को काटा तथा ट्रैक्टर से टोचन कर पिकअप में फंसे चालक के शव को बाहर निकाला। बस में सवार यात्रियों में 11 घायल हुए, जिसमें छ महिला, तीन पुरुष एवं दो बच्चे शामिल हैं।

मालगाडी के तीन पहिए पटरी से उतरे, रेल यातायात प्रभावित

अलवर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर शहर के मथुरा ट्रैक पर अलवर से रेवाड़ी जाने वाली खाली मालगाड़ी के तीन पहिए गत रात्रि को मथुरा ट्रैक पर पटरी से उतर गए। जिससे मथुरा अलवर ट्रैक पर चलने वाली गाड़ियां प्रभावित हुईं।

जयपुर के एडीआरएम मनीष गोयल ने बताया कि यह घटना रात करीब ढाई बजे की है। युद्ध स्तर पर राहत कार्य किए गए। 6 हाइड्रोलिक मशीन जेसीबी और क्रेन की सहायता से ट्रेक को दुरुस्त किया गया। इसमें करीब ढ़ाई सो कर्मचारी राहत कार्य में जुटे रहे तथा आज सुबह साढे दस बजे ट्रेक दुरस्त कर दिया गया। अब टेन आवाजाही के लिए ट्रेक बिल्कुल ठीक है। उन्होंने बताया कि अलवर स्टेशन पर अलवर से मथुरा और मथुरा से बाया अलवर जयपुर जाने वाली ट्रेनों को सबसे पहले निकाला गया। ये दोनो ट्रेन अलवर स्टेशन पर काफी देर खड़ी रही। ट्रेक को दुरुस्त करने में करीब चार घंटे का समय लगा। इस हादसे में पटरी, और ट्रेन के पहिए डेमेज हुए हैं। ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। फिर भी उसका आंकलन किया जा रहा है। श्री गोयल ने बताया कि इस घटना के जांच के आदेश दिए गए हैं कि आखिर में यह मालगाड़ी पटरी से कैसे उतरी। इसके लिए एक कमेटी गठित की गई है जो कमेटी यहां का इस मामले की जांच करेगी।

उपसरपंच सहित एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

भीलवाड़ा, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में उपसरपंच सहित एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मरने वालों में पति, पत्नी और नौजवान बेटा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि बड़लियास में बड़े मंदिर के पास सोनियों की गली में रहने वाले और बड़लियास के उप सरपंच सत्यनारायण सोनी की शनिवार को मौत हो गई थी। मृतक के भाई सुरेश सोनी, जो इन्हीं के साथ रहता था, उसने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि सत्यनारायण सोनी खेत पर मक्का की फसल की खुदाई कर रहे थे, तभी उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। बड़लियास अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सत्यनारायण के शव का परिजनों ने दाह-संस्कार भी करवा दिया।

इसके बाद दोपहर में पुलिस को सूचना मिली कि सत्यनारायण सोनी की वार्डपंच पत्नी ममता और बेटे आशुतोष 19 की तबीयत बिगड़ गई, जो जिला अस्पताल में भर्ती है। दोनों का आईसीयू में उपचार किया जा रहा था। इस बीच, शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे पुनः सूचना मिली कि ममता और आशुतोष ने भी दम तोड़ दिया। सूचना पर थाना प्रभारी प्रजापत जिला अस्पताल पहुंचे, जहां मां-बेटे के शवों का भी पोस्टमार्टम करवाया। इस दौरान मृतक सत्यनारायण के भतीजे सुनील सोनी ने जिला अस्पताल में पुलिस को रिपोर्ट दी कि सत्यनारायण की मौत से उनकी पत्नी ममता व बेटे आशुतोष को सदमा लगा, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इन दोनों ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने इन रिपोर्टस के आधार पर जांच शुरु कर दी है।

साक्षात देवलोक है उज्जैन

जब सृष्टि में कुछ भी नहीं था तब भी महाकाल विद्यमान थे। स्कंद पुराण के अवंती खण्ड में महाकाल की कथा विस्तार से दी गई है।

पुरा त्वेकार्णवे प्राप्ते नष्टे स्थावरजंगमे।
नाग्निर्न वायुरादित्यो न भूमिर्न दिशो नमः।।
न नक्षत्राणि न ज्योतिर्न धौर्नेन्दुग्रहास्तथा।
न देवासुरगन्धर्वाः पिशाचोरगराक्षसाः।।
सरांसि नैव गिरयो नापगा नाब्धयस्तथा।
सर्वमेव तवोभूतं न प्राज्ञायत किञ्चन।।
तकैको हि महाकालो लोणनुग्रहकारणात्।
तस्थौ स्थानान्यशेषाणि काष्ठास्वालोकयन्प्रभु।।

प्रलय के समय स्थावर जंगम जगत में जब कुछ भी नहीं था। न अग्नि थी, न वायु था, न सूर्य, न पृथ्वी, न दिशाएँ, न क्षत्र, न प्रकाश, न आकाश, न चन्द्र और न ग्रह ही थे। देव, असुर, गंधर्व, पिशाच, नाग तथा राक्षसगण भी नहीं थे। सरोवर, पर्वत, नदी एवं समुद्र भी नहीं थे। सब ओर घोर अंधकार था। ऐसे समय में लोकानुग्रह के कारण केवल महाकाल ही विद्यमान थे, जो सभी दिशाओं को देख रहे थे।

ब्रह्मा जी द्वारा की गई तपस्या एवं आराधना से प्रसन्न होकर उन्होंने महाकाल वन में निवास करना स्वीकार किया। शिवपुराण के अनुसार बारह ज्योर्तिलिंगों में तृतीय श्री महाकाल उज्जयिनी में विराजित हैं। एक बार दूषण नामक असुर जो वेद एवं ब्राह्मणों का घोर विरोधी था, के अत्याचार से सभी संतप्त हो उठे। एक भक्त ब्राह्मण द्वारा की गई तपस्या से प्रसन्न होकर शिवजी प्रकट हुए एवं उन्होंने अपनी हंकार से असुर को भस्म कर दिया। भक्तों एवं देवताओं के आग्रह पर भक्त वत्सल भगवान शिवजी महाकाल ज्योतिर्लिंग स्वरूप में यहीं स्थापित हो गए।

एक जगह विवरण आता है कि एक गोपी ने भक्ति भाव से महाकाल ज्योतिर्लिंग पर मंदिर का निर्माण कराया था। इस गोपी की आठवीं पीढ़ी में नंद हुए, जिनके आँगन में भगवान श्रीकृष्ण ने लीला रची।

महाभारत, मत्स्य पुराण, देवी भागवत, अग्नि पुराण, वराह पुराण, भागवत पुराण, विष्णु पुराण, ब्रह्मवैवर्त पुराण, लिंग पुराण, हरिवंश पुराण आदि में भी उज्जयिनी स्थित महाकाल की महिमा गायी गई है।

काल का अर्थ समय और मृत्यु दोनों लियाजाता है। भूतभावन भगवान महाकाल समय और मृत्यु दोनों के अधिपति के रूप में पूजित हैं। ब्रह्माण्ड के तीन लोकों में तीन शिवलिंगों को पूज्य माना गया है, उनमें भूलोग पृथ्वी पर महाकाल की प्रधानता है।

आकाशे तारकं लिंगं, पाताले हाटकेश्वरम्।
भूलोके च महाकालो लिंगत्रय नमास्तुते।।

अर्थात आकाश में तारक लिंग, पाताल में हाटकेश्वर एवं भूलोक में महाकाल के रूप में विराजित हैं लिंगत्रय, आपको नमस्कार है।

बारह ज्योतिर्लिंगों में महाकाल का विशेष महत्व है। स्कन्द पुराण के अनुसार महाकाल वन संचित पाप नष्ट होने से क्षेत्र, मातृदेवियों का स्थान होने से पीठ, मृत्यु के उपरान्त पुनः जन्म न होने से गुह्य तथा भूतों का प्रिय स्थान होने से श्मसान कहलाता है। यह पांच वैशिष्ट्य केवल यहीं पाए जाते हैं। इसलिए यहां की गई साधना एवं उपासना विशेष फलदायी कही गई है। इसी वैशिष्ट्य के फलस्वरूप उज्जयिनी में शैव मत के अलावा वैष्णव, शाक्त, तांत्रिक, मांत्रिक, बौद्ध, जैन आदि सभी सम्प्रदायों के साधन स्थल विकसित हुए और यह वैभवशाली नगर दिव्य नगर भी कहलाया।

प्राप्त संदर्भों का अवलोकन करें तो ई.पू. छठी सदी में उज्जयिनी के राजा चन्डप्रद्योत द्वारा मंदिर की व्यवस्था के लिए अपने पुत्र को नियुक्त करने संबंधी जानकारी मिलती है। 11वीं-12वीं सदी में महाकाल मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ। इस समय उदयादित्य एवं नरवर्मा यहां के शासक थे। सन् 1325 में सुल्तान इल्तुतमिश ने मंदिर को नुकसान पहुंचाया। लेकिन महाकाल के धार्मिक महत्व को कम न कर सका। वर्तमान मंदिर मराठा कालीन है। इसे मराठा शासक राणोजी शिन्दे के दीवान रामचंद्र बाबा शैणवी द्वारा बनवाया गया। बारह ज्योतिर्लिंगों में सबसे विस्तृत परिसर कदाचित महाकाल मंदिर की है जिसमें 40 से अधिक ऐसे मंदिर हैं जो पुराण काल से लगकर 300-400 वर्ष पहले तक के हैं। पाठकों एवं श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में स्थित प्रमुख देवस्थानों की संक्षिप्त जानकारी देना उपयोगी होगा।

मुख्य मंदिर तीन भागों में है...

गर्भ गृह- गर्भगृह में भूतभावन भगवान महाकाल स्वयं विराजित हैं। तीन आलों में देवी पार्वती, श्री गणेश एवं श्री कार्तिकेय की रजत प्रतिमाएं विराजित हैं। गर्भ गृह में ही दो अखंड दीप प्रज्वलित हैं। कहा जाता है कि औरंगजेब ने इन दीपों को अखंड प्रज्वलित रखने के लिए राज्य की ओर से घी दिए जाने की सनद लिखी थी। महाकाल ज्योतिर्लिंग के सामने उनके प्रमुख गण नंदी की विशाल रजत प्रतिमा स्थापित है।

ओंकारेश्वर महादेव- प्रथम तल पर ओंकारेश्वर महादेव विराजेत हैं। इन्हें ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग का प्रतिरूप माना जाता है।

नागचन्द्रेश्वर महादेव- मंदिर के तृतीय तल पर नागचंद्रेश्वर महादेव विराजे हैं। यहां पर शिव-पार्वती की परमारकालीन सुन्दर प्रतिमा स्थापित है जिसके ऊपर नागफन छत्र के रूप में फैला हुआ है। इस मंदिर के दर्शन वर्ष में एक बार केवल नागपंचमी को ही होते हैं।

साक्षी गोपाल- कहते हैं कि भूतभावन भगवान महाकाल तो अखंड समाधि में रहते हैं। ऐसे में साक्षी गोपाल ही महाकाल के दर्शनार्थियों को साक्षी देते हैं। अतः महाकाल दर्शन के उपरांत श्रद्धालुओं को साक्षी गोपाल के दर्शन अवश्य करना चाहिए।

सिद्धदास हनुमान मंदिर- मंदिर परिसर में उत्तर दिशा में स्थित इस प्राचीन मंदिर में समर्थ गुरु रामदास जी ने हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की थी, ऐसा कहा जाता है। मंदिर को संकट मोचक सिद्धदास हनुमान मंदिर भी कहा जाता है।

ऋषि-सिद्धि विनायक मंदिर - मंदिर में विराजित प्रतिमाएं अत्यंत प्राचीन हैं। यह मंदिर ओंकारेश्वर मंदिर के सामने विशाल वट वृक्ष के नीचे स्थित है।

लक्ष्मी नृसिंह मंदिर- महाकाल मंदिर के गलियारे में स्थित इस मंदिर में नृसिंह दरबार स्थापित है। भगवान नृसिंह के साथ-साथ देवी लक्ष्मी एवं प्रहलाद की प्रतिमाएं भी मंदिर में स्थापित हैं। स्कंद पुराण की कथा के अनुसार हिरण्यकश्यप के वध के पश्चात भगवान नृसिंह को क्रोध इसी स्थान पर शांत हुआ था।

श्री राम दरबार- प्रसिद्ध संत श्री ब्रह्मचैतन्य गोंदवलेकर जी ने परिसर के गलियारे में इस मंदिर की स्थापना की थी। मंदिर में राम दरबार की सुंदर प्रतिमाएं विराजित हैं।

अवंतिका देवी - श्री राम मंदिर के पीछे अवंतिका देवी का मंदिर है। अवंतिका देवी को उज्जयिनी की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। इसी कारण उज्जयिनी का एक नाम अवंतिकापुरी भी है।

चंद्रादित्येश्वर- महाकाल वन में स्थित 84 महादेवों में इनकी गणना होती है। इसी मंदिर में आद्य शंकराचार्य जी की प्रतिमा भी स्थापित है।

अन्नपूर्णा देवी- इस मंदिर में देवी अन्नपूर्णा के साथ-साथ गोरे भैरव तथा काले भैरव भी स्थापित हैं। गुप्त नवरात्र में यहां विशेष पूजन होती है।

वाच्छायन गणपति- चाँदी द्वार के पास वाच्छायन गणपति विराजित हैं, जिनकी आराधना से मनोवांछित इच्छाओं की पूर्ति होती है।

स्वप्नेश्वर महादेव- 84 महादेवों में वर्णित स्वप्नेश्वर महादेव सिद्धदास हनुमान मंदिर के सामने स्थापित हैं। इनके दर्शन से दुःस्वप्नों के कुप्रभावों से मुक्ति मिलती है।

त्रिविशिष्टपेश्वर महादेव- 84 महादेवों में वर्णित त्रिविष्टपेश्वर महादेव मंदिर महाकाल मंदिर के पीछे स्थित है।

बृहस्पतेश्वर महादेव- स्वप्नेश्वर महादेव के समीप बृहस्पति (गुरु) शिवलिंग के रूप में विराजित हैं।

भद्रकाली मंदिर- ओंकारेश्वर मंदिर के उत्तरी कक्ष में माँ भद्रकाली का सुन्दर स्वरूप मंदिर में स्थापित है।

नवगृह मंदिर- महाकाल मंदिर के निर्गम द्वार के समीप नवगृह मंदिर स्थित है। मंदिर में नौ गृह शिवलिंग के रूप में स्थापित है।

नीलकंठेश्वर महादेव- महाकाल मंदिर के पीछे नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर है। संसार के ताप से मुक्ति के लिए इनकी पूजा की जाती है।

स्वर्णजालेश्वर मंदिर- 84 महादेवों में वर्णित स्वर्णजालेश्वर की पूजन-अर्चना से समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

शनि मंदिर- कोटि तीर्थ कुण्ड के समीप प्राचीन शनि मंदिर स्थित है।

अनादिकल्पेश्वर महादेव- अनादिकल्पेश्वर की गणना 84 महादेवों में की जाती है।

एक कथा के अनुसार ब्रह्मा और विष्णु दोनों सृष्टि निर्माण का श्रेय लेना चाहते थे। उन्हें महाकाल वन में स्थित अनादिकल्पेश्वर महादेव का आदि एवं अंत खोजने की आज्ञा हुई। ब्रह्मा जी आकाश में एवं विष्णु भगवान पाताल लोक में आदि एवं अंत खोजने के लिए निकले। पाताल लोक में अंत न पाकर विष्णु भगवान वापस आ गए। ब्रह्मा जी को भी आकाश में अंत नहीं मिला, लेकिन उन्होंने अंत मिलने संबंधी झूठ बोला तथा गाय एवं केवड़ा के फूल से झूठी गवाही भी दिलाई। झूठी गवाही से महादेव कुपित हुए एवं उन्होंने ब्रह्माजी तथा गाय को श्राप दिया। साथ ही केवड़े के फूल को अपनी पूजा में निषिद्ध कर दिया।

श्री बाल विजय मस्त हनुमान- अनादिकल्पेश्वर मंदिर के सामने यह एक चैतन्य मंदिर है जहां बाल हनुमान की सुन्दर प्रतिमा स्थापित है।

वृद्धकालेश्वर महाकाल- वृद्धकालेश्वर महाकाल के बारे में कहा जाता है कि वर्तमान ज्योतिर्लिंग से पूर्व वृद्धकालेश्वर ही पूजे जाते थे, पर इस तथ्य को निश्चयात्मक रूप से नहीं कहा जा सकता।

सप्तऋषि मंदिर- मंदिर परिसर में पीछे सप्तऋषि मंदिर स्थित है जहां पर मानव जाति के आदि पुरुषों के रूप में मान्य सप्तऋषि विराजित हैं। ऋषि पंचमी के दिन महिलाएं एवं रक्षाबंधन के दिन ब्राह्मण अपने पूर्वजों के रूप में सप्तऋषियों का पूजन करते हैं।

कोटितीर्थ कुण्ड- मंदिर परिसर में स्थित कोटितीर्थ कुण्ड का जल अत्यंत पवित्र माना जाता है। कोटि तीर्थ कुण्ड में भारत भूमि की सभी पवित्र नदियों एवं सरोवरों के जल का वास माना गया है। इसी कुण्ड के जल से नित्य महाकाल का अभिषेक होता है। महाभारत आदि प्राचीन ग्रंथों में कोटितीर्थ कुंड का उल्लेख मिलता है।

कोटेश्वर महादेव- कोटेश्वर महादेव कोटितीर्थ कुण्ड के अधिष्ठाता हैं।

नागवंध- यह परमारकालीन (11 शताब्दी) शिलालेख है जो महाकाल मंदिर के पीछे स्थित है। इस शिलालेख में भूतभावन भगवान महाकाल की प्रशस्ति की गई है।

इसके अलावा विट्ठल पंडरीनाथ मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, प्रवेश द्वार के गणेश, ऋषि-सिद्धि विनायक मंदिर, मारुतिनंदन मंदिर, दक्षिणी मराठों का मंदिर, गोविंदेश्वर महादेव, सूर्यमुखी हनुमान, लक्ष्मी प्रदाता मोढ़ गणेश मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर आदि भी परिसर में स्थित हैं। मंदिर परिसर में ही भस्म तैयार करने का कक्ष है, जहां महाकाल की भस्म आरती हेतु गाय के गोबर के कंडों से भस्म तैयार की जाती है।

महाकाल मंदिर परिसर शैव, शाक्त एवं वैष्णव परंपराओं का भव्य समन्वय स्थल है, जहां नवगृह एवं सप्तऋषि भी अपनी दिव्यता के साथ उपस्थित हैं। दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग होने से तांत्रिक परंपरा का महत्वपूर्ण स्थान तो यह है ही। कहा जा सकता है कि धर्मावलंबियों के लिए महाकाल मंदिर परिसर साक्षात देवलोक हैं।

-अरविन्द श्रीधर - विनायक फीचर्स

सावन में करे शिव आराधना,दूर होगें सारे कष्ट!

हजारों सालों से विज्ञान 'शिव' के अस्तित्व को समझने का प्रयास कर रहा है। जब भौतिकता का मोह खत्म हो जाए और ऐसी स्थिति आए कि ज्ञानेंद्रियां भी बेकाम हो जाएं, उस स्थिति में शून्य आकार लेता है, और जब शून्य भी अस्तित्वहीन हो जाए तो वहां शिव का प्राकट्य होता है। शिव यानी शून्य से परे। जब कोई व्यक्ति भौतिक जीवन को त्याग कर सच्चे मन से मनन करे तो शिव की प्राप्ति होती है। उन्हीं एकाकार और अलौकिक शिव देवों के देव महादेव का प्रिय महीना सावन का है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ। अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में सावन मास का विशेष महत्व है। सावन में भगवान शिव की अर-ाधना की जाती है। सावन के सभी सोमवार का अपना महत्व होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार पांचवा महीना सावन कहलाता है। इस दौरान कुल 4 सोमवार पड़ेंगे। मान्यता है कि सावन मास में भोलेनाथ की अराधना करने से सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। कुंवारी कन्याएं इस दौरान सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए सावन में पूजा-अर्चना करती हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सावन का महीना और चारों और हरियाली। भारतीय वातावरण में इससे अच्छा कोई और मौसम नहीं बताया गया है। जुलाई में आने वाले इस मौसम में, ना बहुत अधिक गर्मी होती है और ना ही बहुत ज्यादा सर्दी। वातावरण को अगर एक बार को भूला भी दिया जाए, किन्तु अपने आध्यात्मिक पहलू के कारण सावन के महीने का हिन्दू धर्म में विशेष महत्त्व बताया गया है। सावन का महीना पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित रहता है। इस माह में विधि पूर्वक शिवजी की आराधना करने से, मनुष्य को शुभ फल भी प्राप्त होते हैं। इस माह में भगवान शिव के 'रुद्राभिषेक' का विशेष महत्त्व है। इसलिए इस माह में खासतौर पर सोमवार के दिन 'रुद्राभिषेक' करने से शिव भगवान की कृपा प्राप्त की जा सकती है। अभिषेक कराने के बाद बेलपत्र, शमीपत्र, कुशा तथा दूब आदि से शिवजी को प्रसन्न करते हैं और अंत में भांग, धतूरा तथा श्रीफल भोलेनाथ को भोग के रूप में समर्पित किया जाता है।

सावन में 5 सोमवार

सावन में 5 सोमवार व्रत रहेंगे। इसके अलावा कई विशेष शुभ योग भी आएंगे। ऐसी मान्यता है कि इस माह में किए गए सोमवार के व्रत का फल बहुत जल्दी मिलता है।

सावन सोमवार की तिथियां

22 जुलाई सोमवार- श्रावण पहला सोमवार
29 जुलाई सोमवार- श्रावण दूसरा सोमवार
05 अगस्त सोमवार- श्रावण तीसरा सोमवार
12 अगस्त सोमवार- श्रावण चौथा सोमवार
19 अगस्त सोमवार - श्रावण पांचवा सोमवार

शिव को मिली थी जल से शीतलता

जब शिव विष को धारण कर रहे थे उस समय माता पार्वती ने उनके गले को दबाए रखा, जिससे विष का प्रभाव केवल गले में हुआ और शेष शरीर इसके प्रभाव से अछूता रहा। विष के प्रभाव से महादेव का कंठ नीला हो गया। इसलिए उनको 'नीलकंठ' कहा जाता है। विष के प्रभाव से महादेव को असहनीय गर्मी को सहन करना पड़ा। कैलाशपति को विष की गर्मी से छुटकारा दिलवाने के लिए इंद्र ने वर्षा करवाई थी। शिव ने सावन के महीने में विषपान किया था। इसलिए इस महीने उत्तम वृष्टि के योग बनते हैं और शिव की गर्मी को शांत करने के लिए भक्त शिवलिंग पर शीतल जल चढ़ाते हैं।

पूजा-विधि

सावन महीने में सुबह जल्दी उठकर नहाएं और साफ कपड़े पहनें। इसके बाद ऊं नमः शिवाय मंत्र बोलते हुए गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। शिवलिंग पर जल-दूध चढ़ाएं। फिर फूल, बिल्वपत्र, धतूरा और अन्य चीजें चढ़ाकर आरती करें। इसके बाद नैवैद्य लगाएं। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का ही भोग लगाया जाता है। पूजा-आरती के बाद शिव मंत्र का जाप भी करना चाहिए।

सावन मास का महत्व

सावन मास भगवान शिव को समर्पित है। मान्यता है कि इन दिनों में भक्तिभाव से शिव आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब कालकूट नाम का जहर निकला तो देव और दानव दोनों उससे भयभीत हो गए और कोई भी उसको लेने के लिए तैयार नहीं था। इसके साथ इस विष से चारों और हाहाकार मच गया था। दसों दिशाएं इस विष से जलने लगी थी। देव, दानव, ऋषि-मुनि सभी इसकी गरमी से जलने लगे। इसलिए सभी महादेव के पास गए और उनसे इस सृष्टि को बचाने की प्रार्थना की। भोलेनाथ विष को ग्रहण करने के लिए तैयार हो गए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

घर में छोटा सा ही शिवलिंग रखना चाहिए

देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां घर में नहीं रखनी चाहिए, लेकिन शिवलिंग रख सकते हैं, क्योंकि शिवलिंग को निराकार स्वरूप माना गया है। इस कारण इसे खंडित नहीं माना जाता है। टूटा शिवलिंग भी पूजनीय होता है। ध्यान रखें घर में ज्यादा बड़ा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। घर में छोटा शिवलिंग रखना शुभ रहता है। हमारे अंगूठे के पहले पोर से बड़े आकार का शिवलिंग घर में रखने से बचना चाहिए। शिवजी के साथ ही गणेशजी, माता पार्वती, नंदी की भी मूर्तियां जरूर रखें। पूजा की शुरुआत गणेश पूजन से करना चाहिए।

इन बातों का रखें ख्याल

शास्त्रों के अनुसार सावन माह में भक्तों को बैंगन खाने से परहेज करना चाहिए क्योंकि कई लोग इस सब्जी को अशुद्ध मानते हैं। इसके अलावा इस दौरान व्रत रखने वाले लोगों को दूध का सेवन भी नहीं करना चाहिए। इसके पीछे धार्मिक मान्यता ये है कि दूध से भोले बाबा का अभिषेक किया जाता है इसलिए इसका सेवन वर्जित है। इस महीने में भक्तों को मास-मदिरा तथा प्याज-लहसुन के सेवन से भी परहेज करना चाहिए।

सावन सोमवार से प्रसन्न हो जाते हैं शिव भगवान

सावन महीने के प्रत्येक सोमवार को शिव की पूजा करनी चाहिए। इस दिन व्रत रखने और भगवान शिव के ध्यान से विशेष लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यह व्रत भगवान शिव की प्रसन्नता के लिए किये जाते हैं। व्रत में भगवान शिव का पूजन करके एक समय ही भोजन किया जाता है। साथ ही साथ गले में गौरी-शंकर रूद्राक्ष धारण करना भी शुभ रहता है। भोले बाबा सभी देवो में सबसे सरल और भोले माने गए हैं। इन्हें हिंदू धर्म में बड़ी श्रद्धा के साथ पूजा जाता है। माना जाता है कि सावन में शिव जी का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर और कुवारें लड़कों को मनचाही वधु की प्राप्ति होती है। यदि आपने भी भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिये सावन सोमवार का व्रत रखा है तो बताए गए शुभ मुहूर्त में जल चढ़ाएं पूरा श्रावण मास जप,तप और ध्यान के लिए उत्तम होता है, लेकिन इसमें सोमवार का विशेष महत्व है। सोमवार का दिन चन्द्र ग्रह का दिन होता है और चन्द्रमा के नियंत्रक भगवान शिव हैं। अतः इस दिन पूजा करने से न केवल चन्द्रमा बल्कि भगवान शिव की कृपा भी मिल जाती है। कोई भी व्यक्ति जिसको स्वास्थ्य की समस्या हो, विवाह की मुश्किल हो या दरिद्रता छाई हो।अगर सावन के हर सोमवार को विधि पूर्वक भगवान शिव की आराधना करता है तो तमाम समस्याओं से मुक्ति पा जाता है। सोमवार और शिव जी के सम्बन्ध के कारण ही मां पार्वती ने सोलह सोमवार का उपवास रखा था।सावन का सोमवार विवाह और संतान की समस्याओं के लिए अचूक माना जाता है। भगवान शिव की पूजा के लिए और खास तौर से वैवाहिक जीवन के लिए सोमवार की पूजा की जाती है। अगर कुंडली में विवाह का योग न हो या विवाह होने में अडचने आ रही हों तो संकल्प लेकर सावन के सोमवार का व्रत किया जाना चाहिए।

सिंपल सूट पहन सादगी भरे अंदाज में दिखी निकिता दत्ता

कबीर सिंह फेम निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तहलका मचा देता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें उनकी कातिल अदाएं देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं और साथ ही उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस निकिता दत्ता बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस में से एक हैं।

उन्होंने फिल्म कबीर सिंह से लोगों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बनाई है।अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनके सादगी भरे अंदाज ने फैंस के बीच महफिल लूट ली है।निकिता दत्ता ने अपनी लेटेस्ट फोटोज को क्लिक करवाते हुए येलो कलर का शरारा सूट पहना हुआ है, जोकि उन पर काफी ज्यादा जंच रहा है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर बवाल मचा देता है।

खुले बाल को स्टाइल कर के, कानों में इयररिंग्स पहन कर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देते फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं।एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों भले ही फिल्मों में नहीं दिखाई दे रही हो लेकिन आए दिन अपनी फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं।निकिता दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनक फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

नाग अश्विन ने प्रिंस और नरेश अगस्त्य की काली का टीजर जारी किया

युवा नायक प्रिंस और नरेश अगस्त्य अभिनीत फिल्म काली का टीजर ब्लॉकबस्टर निर्देशक नाग अश्विन द्वारा जारी किया गया है। प्रसिद्ध कहानीकार के. राघवेंद्र रेड्डी के मार्गदर्शन में रुद्र क्रिएशन द्वारा निर्मित और शिवा सेशु द्वारा निर्देशित काली एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन के दौर से गुजर रही है और जल्द ही एक भव्य नाट्य रिलीज़ के लिए तैयार है।नाग अश्विन ने टीजर की प्रशंसा करते हुए इसे दिलचस्प और प्रभावशाली बताया और निर्देशक शिवा सेशु द्वारा तेलुगु दर्शकों के लिए एक नई अवधारणा पेश करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने काली की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ दीं।फिल्म के प्रस्तुतकर्ता के. राघवेंद्र रेड्डी ने टीजर रिलीज करने पर अपनी खुशी जाहिर की और इस बात पर जोर दिया कि काली एक दिलचस्प मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जो काली के चरित्र पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है और जल्द ही दर्शकों के सामने फिल्म लाने का वादा किया। निर्माता लीला गौतम वर्मा ने नाग अश्विन को उनके व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टीजर लॉन्च करने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया। लेखक और निर्देशक शिवा सेशु ने काली को पौराणिक कथाओं और मनोवैज्ञानिक थ्रिलर शैलियों के तत्वों को मिलाकर एक नई कहानी वाली फिल्म बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि काली दर्शकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी और उन्होंने एक भव्य नाट्य विमोचन की योजना की घोषणा की। काली के टीजर लॉन्च कार्यक्रम में क्रिएटिव प्रोड्यूसर राधाकृष्ण तथिनेनी, धरणी कुमार टीआर, कार्यकारी निर्माता फणींद्र और अन्य लोग शामिल हुए। काली के टीजर में, शिवराम (प्रिंस द्वारा अभिनीत) स्वार्थी दुनिया से मोहभंग के कारण आत्महत्या के बारे में सोचता है। हालांकि, जैसे ही वह खुद को फांसी लगाने की तैयारी करता है, एक अजनबी (नरेश अगस्त्य) उसके दरवाजे पर आता है और शिवराम के जीवन के बारे में अंतरंग विवरण बताता है। शिवराम इस बात से हैरान रह जाता है कि अजनबी उसके बारे में इतना कुछ कैसे जानता है, खासकर उन घटनाओं के बारे में जो केवल उसे और उसकी पत्नी को ही पता हैं। टीजर दिलचस्प सवालों के साथ समाप्त होता है: शिवराम, जो पहले खुशहाल शादीशुदा था, ने आत्महत्या के बारे में क्यों सोचा? यह अजनबी कौन है, और वह शिवराम के बारे में सब कुछ कैसे जानता है? इसके अलावा, ऐसा क्यों लगता है कि उसके पास शिवराम जैसा दिखने वाला शव है?कलाकारों में प्रिंस, नरेश अगस्त्य, नेहा कृष्णन, गौतमराजू, गुंडू सुदर्शन, केदार शंकर, मणि चंदना, मधुमणि, आदि शामिल हैं।

पहली बार तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां की भूमिका निभा रहीं हैं अपर्णा दीक्षित

एक्ट्रेस अपर्णा दीक्षित पहली बार पर्दे पर टीवी शो तुलसी हमारी बड़ी सयानी में मां का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इसी तरह की परिपक्व प्रेम कहानी की तलाश में थीं।अपर्णा ने कहा कि वह इस शो में पहले निभाई गई भूमिका से काफी अलग नजर आएंगी। प्यार की लुका छुपी और वो तो है अलबेला जैसे शो में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा, मैं पहली बार स्क्रीन पर मां का किरदार निभा रही हूं। यह एक ऐसा शो है, जिसकी शुरुआत से ही मैं इसमें मां की भूमिका निभा रही हूं। मैंने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि इसकी कहानी आशावादी और सम्मोहक है।उन्होंने कहा, मैंने खुद से कहा कि मैं यह शो करूंगी, क्योंकि इसमें एक अलग तरह का फ्लेवर है। अब तक मैंने जिन टीवी शो में काम किया है, उनमें से ज्यादातर प्रेम कहानियां थीं। यह भी एक प्रेम कहानी है, लेकिन यह एक बहुत ही गहरी और परिपक्व कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे बुरा समय और भाग्य आपस में जुड़ते हैं। आगे कहा, बुरे समय में साथी अक्सर हार मान लेते हैं लेकिन इस कहानी में खूबसूरती से दिखाया गया है कि कैसे एक पति अपनी पत्नी का ऐसे समय पर समर्थन करना जारी रखता है। वह उसके साथ खड़ा रहता है, उसे ठीक होने में मदद करता है और उसे अपनी बेटी से फिर से मिलाता है। यह एक ऐसे पति की कहानी है जो अपने संघर्षों के बावजूद अपनी पत्नी का उसके सबसे बुरे समय में साथ देता है।चरित्र को निभाते समय सामने आई चुनौतियों के बारे में अपर्णा ने कहा, मैं कुछ अलग करना चाहती थी और यह कहानी बिल्कुल वैसी ही है। यह जटिल भावनाओं के साथ मां-बेटी के रिश्ते को दिखाती है। मुझे लगता है कि लोग इसे पसंद करेंगे क्योंकि यह भावनात्मक और संवेदनशील दोनों तरह का शो है।उन्होंने कहा, एक मां और उसके बच्चे के बीच का रिश्ता बेहद संवेदनशील और मार्मिक होता है। एक भावुक व्यक्ति के रूप में इस किरदार को निभाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मैं इस भूमिका को लेकर बहुत खुश हूं। मैंने पहले कभी टीवी पर एक मां की भूमिका नहीं निभाई।एक्ट्रेस ने कहा, मैंने पहले भी कई तरह की प्रेम कहानियों में काम किया है। लेकिन यह भूमिका मेरे लिए बहुत नई और चुनौतीपूर्ण है, जिसमें एक मां और बेटी के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है।तुलसी हमारी बड़ी सयानी दंगल टीवी पर प्रसारित होता है।

सूर्या कल होगी रिलीज

सूर्या इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कंगुवा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म में सूर्या के साथ बॉबी देओल और दिशा पाटनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया, जिसे देखकर प्रशंसकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। वहीं, अब इसके पहले गाने फायर सॉन्ग की रिलीज पर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माता ने इसे बेहद खास दिन पर रिलीज करने की अपनी योजना का खुलासा कर दिया है। निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यह घोषणा की कि तमिल काल के एक्शन तमाशा कंगुवा का पहला एकल 23 जुलाई, 2024 को रिलीज होगा। इस गाने का शीर्षक फायर सॉन्ग है। गाने का एक दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा है, अपनी आत्माओं को प्रज्वलित करें और एक शानदार उत्सव के लिए खुद को तैयार करें। कंगुवा का फायर सॉन्ग 23 जुलाई को रिलीज होने के लिए तैयार है।जारी किए गए पोस्टर में सूर्या को कंगुवा के रूप में दिखाया गया है। वह एक जलते हुए प्रवेश द्वार के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। नए अपडेट ने उन प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है जो फिल्म पर नए अपडेट का इंतजार कर रहे थे। निर्माताओं ने फायर सॉन्ग को रिलीज करने के लिए 23 जुलाई का दिन चुना है। जानकारी हो कि उसी दिन सूर्या का जन्मदिन भी होता है। कंगुवा पहले अप्रैल 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, लोकसभा चुनाव के कारण इसकी रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया। निर्माता अब 10 अक्तूबर को 3डी और आईमैक्स फॉर्मेट में इसकी भव्य रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। कंगुवा का निर्देशन सिरुथाई शिवा ने किया है। इस फिल्म में सूर्या कंगुवा उर्फ कंगा की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं बॉबी देओल फिल्म में उधिरन के रूप में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 भाषाओं में रिलीज होने वाली है। कंगुवा एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन फिल्म है, जिसे कथित तौर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक के भारी बजट में तैयार किया गया है। वहीं, कंगुवा की रिलीज से पहले ही ज्ञानवेल राजा ने प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि कंगुवा का सीक्वल बनेगा और इसका निर्माण जल्द ही शुरू होगा। उनके अनुसार, कंगुवा के दूसरे भाग का प्रोडक्शन साल 2026 में शुरू होगा। फिलहाल, कंगुवा पार्ट 2 के बारे में बहुत कम जानकारी है। प्रोजेक्ट को लीक से बचाने के लिए निर्माता अतिरिक्त सतर्क रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर सीएम योगी ने किया गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

गोरखपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजन का भी पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। साथ ही गुरु पूर्णिमा पर गुरुजन को समर्पित रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की और गोवंश की सेवा कर उन्हें गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान तड़के ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

यूं तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गोरखनाथ, मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया।

आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद अर्पित किया। पूजा-अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत सामूहिक महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और आस्था का उल्लास देखते ही बनता है। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ द्वारा विशेष अनुष्ठान पूर्ण किए जाने के साथ गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ समेत सभी नाथ योगियों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को नाथपंथ की परंपरा के अनुसार उन्हें तिलक लगाया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के पवित्र पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में भगवान भोलेनाथ का विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक पूर्ण होने पर उन्होंने देवाधिदेव महादेव शिव शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन की कामना की।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह मंदिर की गोशाला भी गए। यहां उन्होंने गोवंश को उनके नाम से पुकारा और उनके पास आने पर खूब दुलारा। अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। योगी का दुलार पाकर गोवंश भाव विह्वल नजर आए। साथ ही सुबह मंदिर प्रांगण में टहलने के दौरान बच्चों को भी दुलार किया। सीएम ने बच्चों को चॉकलेट भी दिया और उनके माता-पिता का हाल चाल भी जाना।

ड्रोन के जरिए रिहंद डैम की मैपिंग और सर्वे कराएगी योगी सरकार

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार जल्द ही सोनभद्र के पिपरी स्थित रिहंद डैम की क्रैक्स मैपिंग और आइडेंटिफिकेशन सर्वे कराने जा रही है। बांध के अबव वॉटर व अंडर वॉटर क्रैक्स के आंकलन और चिन्हांकन की प्रक्रिया को रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (आरएवी) व ड्रोन (अंडर वॉटर यूएवी) के जरिए पूरा किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन लिमिटेड के अंतर्गत उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड द्वारा एजेंसी निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस पूरी प्रक्रिया द्वारा रिवर बेड के 35 हजीर स्क्वेयर मीटर की वीडियोग्राफी कराई जाएगी और 2डी व 3डी डाटा कैप्चरिंग तकनीक के जरिए आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। अपस्ट्रीम सर्फेस को मैप करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी और इसी के आधार पर डैम की स्थिति को लेकर एक डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया को एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के उपरांत 3 महीने की समयावधि में पूरा किया जाएगा तथा इस मद में 76.50 लाख रुपए का व्यय किया जाएगा।

अपनी अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि बिहार व मध्य प्रदेश के पर्यटकों में प्रसिद्ध रिहंद डैम में क्रैक्स आइडेंटिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए जिस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा उसे स्टेट ऑफ द आर्ट फैसिलिटी की संज्ञा दी जाती है। रिहंद बांध की अपस्ट्रीम दीवार पर पानी के ऊपर और पानी के नीचे वीडियोग्राफी आयोजित कर इसके माप (लंबाई, चौड़ाई और गहराई), निर्माण सामग्री के नुकसान और गिरावट जैसे मानकों की पहचान की जा सके। निरीक्षण किया जाने वाला क्षेत्र जलाशय तल तक पानी के स्तर से नीचे (लगभग 35,000 वर्ग मीटर क्षेत्र) और पानी के ऊपर (लगभग 10,000 वर्ग मीटर क्षेत्र) है। यह निरीक्षण कार्य आरओवी (रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल) का उपयोग करके किया जाएगा, जिसमें डाटा कैप्चरिंग उपकरण, कम रोशनी वाले एचडी कैमरे, डेप्थ सेंसर, अल्टीमीटर, पानी के अंदर के लिए लेजर और यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) के 2डी, 3डी डाटा कैप्चरिंग की जाएगी।

सर्वे द्वारा जुटाए गए डाटा में से सॉफ्टवेयर का उपयोग करके दोषों को चिह्नित किया जाएगा और दोषों के विवरण को निर्धारित करने के लिए पानी के ऊपर के लिए माप की रिपोर्ट की जाएगी। बांध के मुख पर मार्किंग ग्रिड के संदर्भ में बांध के शीर्ष पर प्रत्येक फ्रेम और डिस्प्ले स्क्रीन की पोजिशनिंग/जियोटैगिंग की जाएगी। निरीक्षण के बाद रॉ डाटा का विजुअल एनालिसिस प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें गहराई के अंकन के साथ प्रत्येक फ्रेम की जियो टैगिंग कर दरारों, गड्ढों, क्षति, निर्माण सामग्री की गिरावट आदि सहित किसी भी दृश्यमान चिंताजनक बिंदुओं की पहचान की जाएगी। इसके बाद डीडेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी जिसे सॉफ्ट कॉपी के साथ ही पेन-ड्राइव में संसाधित एचडी वीडियो प्रस्तुत करने के साथ एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा

सपा नेता अब्दुल नईम के अवैध मैरिज हॉल पर चला बुलडोजर

मैनपुरी, 21 जुलाई (एजेंसियां)। करहल नगर पंचायत के अध्यक्ष सपा नेता चौधरी अब्दुल नईम के मैरिज हॉल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद ध्वस्त कर दिया गया। यह मैरिज हॉल सरकारी तालाब को कब्जा कर बनाया गया था। 2022 में अखिलेश यादव करहल विधानसभा से ही विधायक बने थे, लेकिन कन्नौज से सांसद सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने ये सीट छोड़ दी है, यहां अब उपचुनाव होगा।

ध्वस्त किए गए आयजा मैरिज हॉल का निर्माण चौधरी अब्दुल नईम ने अपनी बीवी फरजाना बेगम के नाम पर करवाया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान पीएसी की 4 कंपनियां और साथ-साथ जिले की पुलिस फोर्स को लगाया गया था। कई पुलिस इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी और एसडीएम इस दौरान मौजूद थे। रविवार को सुबह 10 बजे कार्रवाई शुरू की गई। तालाब की जमीन को घेर कर बनाए गए मैरिज हॉल को भूमिसात कर दिया गया।

इस मामले में संजीव यादव ने शिकायती पत्र सौंपा था, जो नगर पंचायत अध्यक्ष रहे हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि नोटरी स्टाम्प पर चौधरी अब्दुल नईम ने कई लोगों को प्लॉट बेचा है। उन्होंने खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इसकी शिकायत की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जिलाधिकारी को इस मामले की जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया था। पुलिस ने कार्रवाई से पहले मैरिज हॉल की तरफ जाने वाले रास्तों पर पहरा बिठा दिया था। इस मैरिज हॉल से 300 मीटर की दूरी तक किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। आसपास की छतों पर भी किसी को तमाशबीन बनने की अनुमति नहीं थी। मैरिज होम का मेन गेट, 8 फीट ऊंची बाउंड्री और बाथरूम को ध्वस्त किया गया। इसके बाद ऊपरी कमरों को तोड़ा गया। सामान पहले ही निकलवा दिया गया था। इस मामले में दिसंबर 2022 में ही शिकायत दर्ज कराई गई थी। एक सप्ताह पहले तहसीलदार की तरफ से नोटिस जारी किया गया। 0.283 हेक्टेयर जमीन घेर कर कब्जाया गया था, जो ढाई करोड़ रुपए की है। न्यायालय में सपा नेता अब्दुल नईम की

बरेली के गोपेश्वरनाथ मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां तोड़ीं

बरेली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सावन माह शुरू होने से पहले फिर बरेली का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। संदिग्ध युवक ने बाबा गोपेश्वरनाथ मंदिर में घुसकर देवी-देवताओं की मूर्तियां तोड़ दीं। विरोध पर उसने पुजारी व उनकी पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। लोगों ने मौके से पकड़े गए अकरम नामक युवक को पीटकर पुलिस के हवाले कर दिया। हमलावर उत्तराखंड के खटीमा का निवासी बताया गया है। अफसरों ने भीड़ को समझा-बुझाकर शांत किया और आनन-फानन में मंदिर की क्षतिग्रस्त मूर्तियां बदलवाने का काम शुरू करा दिया है। घटना के सिलसिले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिन्दू संगठनों ने इसके पीछे गहरी साजिश की आशंका जताई है।

बरेली के थाना इज्जतनगर क्षेत्र में डेलापीर मंडी स्थित बाबा गोपेश्वरनाथ मंदिर में काफी लोग पूजा-अर्चना करते हैं। कल सोमवार से पवित्र सावन माह शुरू हो रहा है। उससे पहले ही हर तरफ आस्था का माहौल दिखाई दे रहा है। अचानक मंडी के मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां क्षतिग्रस्त किए जाने की खबर जैसे ही शहर में फैली, लोग गुस्से में नजर आने लगे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि सुबह के समय मंदिर के पुजारी वहां पहुंचे तो एक युवक हाथ में ईट लिए मूर्तियों को तोड़ रहा था। पुजारी विरोध किया तो हमलावर ने उन पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। पुजारी किसी तरह हमले से बच सके। पुजारी की पत्नी पर भी हमला किया गया। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग जुट गए और हमलावर को दबोच लिया।

पकड़े जाने पर हमलावर यह कहते हुए सुना गया कि वह हिंदुओं का दुश्मन है। पता होते ही भाजपा, विहिप, हिन्दू जागरण मंच, बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पकड़े गए शख्स को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अकरम बताया है। वह खटीमा, उत्तराखंड का रहने वाला है। उसके पास से विदेशी मुद्रा भी मिली है। पुलिस ने दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। भीड़ के हत्थे चढ़े व्यक्ति को चोटें आ गईं। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। हिन्दू संगठनों ने घटना के पीछे गहरी साजिश होने की आशंका जताई है। एसएसपी अनुराग आर्य ने मीडिया को बताया कि एसओजी ने पकड़े गए युवक से पूछताछ की है। वह खुद को डिप्रेशन का मरीज बता रहा है। किसी डॉक्टर से इलाज कराने की भी उसने बात कही है। मामले की पुष्ट करने के लिए उसके रिश्तेदारों को बरेली बुलवाया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी देखी है, जिसमें वह युवक मंदिर में अकेले जाते दिखा है। पूरे मामले की गहराई से छानबीन कराई जा रही है।

छात्रावासों के कायाकल्प के लिए सरकार ने जारी किया बजट

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। छात्रावासों में छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलें और वो इसका लाभ उठाकर अपने करियर में मुकाम हासिल कर सकें, इसके लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएम योगी के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग की ओर से फतेहपुर में संचालित राजकीय कॉलेजों में अनुसूचित जाति छात्रावासों में सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए विभाग ने 243.77 लाख रुपए जारी किया है। जारी धनराशि से छात्रावासों की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा, ताकि वहां रहने वाले विद्यार्थियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवार के बच्चों तक तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा का लाभ पहुंच सके। इसके लिए योग्य शिक्षकों की नियुक्ति के साथ छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं भी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जनपद फतेहपुर में संचालित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, महिला डिग्री कालेज, फतेहपुर में छात्रावास मुख्य भवन के मरम्मत का कार्य, आन्तरिक जलमल कार्य, वाह्य जलमल कार्य, स्थल विकास, इलेक्ट्रिक कार्य, बोरिंग का कार्य, बाउंड्रीवाल गेट सहित, सीसी रोड़ एवं कैम्पस में लाइटिंग का कार्य कराने के लिए 124.41 लाख रुपए प्रदान किया गया है।

अयोध्या, मथुरा और काशी में धरातल पर उतरी 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। भगवान राम की नगरी अयोध्या, श्रीकृष्ण का जन्मस्थान मथुरा और भगवान शिव का धाम काशी (वाराणसी) देश की आस्था के साथ-साथ अब निवेश के बड़े गंतव्य का भी प्रतीक बन गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसी वर्ष फरवरी माह में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से इन धार्मिक स्थलों में जिन निवेश की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, 5 माह के अंदर उनमें से 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि जीबीसी 4.0 के दौरान इन तीनों धार्मिक स्थलों के लिए पीएम मोदी ने करीब 50 हजार करोड़ रुपए की 11 हजार परियोजनाओं का शुभारंभ किया था। इनमें से योगी सरकार 5 माह के अंदर अब तक 6578 करोड़ रुपए की 277 परियोजनाओं को धरातल पर उतरने में सफल रही है। यह शुभारंभ हुईं कुल परियोजनाओं का 13 प्रतिशत से ज्यादा है।

अयोध्या, काशी और मथुरा, ये तीनों स्थल न सिर्फ उत्तर प्रदेश में बल्कि देश भर में हिंदु समाज के आस्था के सबसे बड़े केंद्र के रूप में देखे जाते हैं। ऐसे में योगी सरकार यहां पर्यटन से लेकर नागरिक सुविधाओं में बड़े पैमाने पर इजाफा कर रही है। इसी क्रम में यहां व्यापक स्तर पर विकास परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है, जिसके लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने योगी सरकार के साथ एमओयू किया है। 5 माह पूर्व फरवरी में पीएम मोदी ने इन परियोजनाओं का शुभारंभ किया और 5 माह में ही इन तीनों स्थलों पर 6578 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मूर्त रूप ले चुकी हैं, जबकि शेष परियोजनाएं भी तेजी से प्रगति कर रही हैं और जल्द ही ये भी साकार होंगी जिससे बड़े पैमाने पर यहां युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा और वे दूसरे जनपदों या राज्यों में नहीं भटकेंगे। इन तीनों ही स्थलों पर खासतौर पर टूरिस्ट्स फैसिलिटी सेंटर, वेलनेस सेंटर और होटल्स की शुरुआत हो रही है, जिसमें व्यापक स्तर पर लोगों को रोजगार के साधन भी उपलब्ध होंगे।

भगवान राम की नगरी अयोध्या की बात करें तो योगी सरकार ने यहां बड़े पैमाने पर विकास किया है। 22 जनवरी 2024 को यहां भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले और बाद में यहां लगातार विकास कार्य प्रगति पर है।

चौड़ी चौड़ी सड़कें, ब्रिज, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन समेत इंफ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण बदलावों ने निवेशकों को अयोध्या में अपनी परियोजनाएं शुरू करने के लिए आकर्षित किया है। जीबीसी 4.0 के दौरान यहां 13,421 करोड़ की 376 परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, जिसमें से अब तक 993 करोड़ रुपए की 88 परियोजनाओं ने मूर्त रूप ले लिया है। बाकी परियोजनाओं का भी इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन जल्द शुरू होने की संभावना है। अयोध्या में खासतौर पर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर ने निवेश में अपनी रुचि दिखाई थी, जिनमें अभिनंदन लोढ़ा हाउस, पीकेएच वेंचर्स लि.,पक्का लिमिटेड, द इनोवेटर्स डिजिटल एड्स प्राइवेट लिमिटेड और क्रेसकेंडो इंटीरियर्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मथुरा की बात करें तो योगी सरकार के लिए यह भी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है, जहां लाखों पर्यटकों की आवाजाही रहती है। जीबीसी 4.0 में यहां 16,948 करोड़ रुपए की 428 परियोजनाओं को पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी और 5 माह में यहां 3837 करोड़ की 120 परियोजनाओं को मूर्त रूप दे दिया गया है। जीबीसी के दौरान के आंकड़ों को देखें तो मथुरा में शीर्ष 5 प्रोजेक्ट्स से ही 11 हजार से अधिक नौकरियां मिलने की संभावना जताई गई थी। इसके अनुसार, एयर लिक्विड नॉर्थ इंडिया प्रा. लि., द बेनिसन, केशव पब्लिकेशन प्रा. लि., आईएफपी पेट्रो प्रोडक्ट्स और अवदी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने बड़ी परियोजनाएं शुरू करने के लिए सरकार से हाथ मिलाया है।

इसी तरह, बाबा विश्वनाथ की धरती वाराणसी का विकास भी योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण इस जनपद का विकास और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसे देखते हुए यहां कई बड़ी कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है। जीबीसी 4.0 में वाराणसी के लिए 19,295 करोड़ रुपए की 279 परियोजनाओं का श्रीगणेश हुआ था। 5 माह में वाराणसी में 1748 करोड़ रुपए की 69 परियोजनाएं ने कार्य शुरू कर दिया है और जल्द ही शेष परियोजनाएं भी धरातल पर उतरती नजर आएंगी जिनसे हजारों लोगों को लाभ होगा। यहां भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), रोमा बिल्डर्स और प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, अंश निर्माण प्राइवेट लिमिटेड और जेएस रेजिडेंसी प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां अपनी परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रही हैं।

नीरज चोपड़ा की चोट पर आया बड़ा अपडेट, कोच बार्टोनिट्ज ने दी जानकारी

सिडनी, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से इसमे दमदार प्रदर्शन करने की उम्मीद है। ओलंपिक से ठीक पहले नीरज की चोट से चिंता बढ़ा दी थी, लेकिन अब उनके जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने इस बारे में बड़ा अपडेट दिया है। बार्टोनिट्ज ने नीरज की फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि अब टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को किसी तरह की परेशानी नहीं है और अब वह कड़ी तैयारियों में जुट गए हैं।

जांघ में दर्द के कारण गोल्डन स्पाइक से हटे थे नीरज – नीरज ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की थी। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया और कहा कि यह प्रतियोगिता उनके कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी। लेकिन फिटनेस देखी जाए तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय नीरज 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश के सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जिससे अभी इसे शुरू होने में दो हफ्ते हैं।

चोट की कोई समस्या नहीं – बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से नीरज से जुड़े हैं। बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा। ओलंपिक में भाला फेंक की स्पर्धा शुरू होने अभी दो सप्ताह का समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा थ्रोइंग सत्र कर रहे हैं। हम सुबह में स्प्रिंटिंग, जंपिंग, थ्रोइंग या वेटलिफ्टिंग के सत्र रखते हैं। सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है। बार्टोनिट्ज ने कहा कि नीरज का तरीका टोक्यो ओलंपिक से पहले अपनाए गए तरीके जैसा ही है जिसमें वह टूर्नामेंट के बजाय ट्रेनिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और वह अपने ग्रोइन पर दबाव कम करने के लिए अपनी ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूती देने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सामान्यत: भाला फेंकना तेजी से भागते हुए अच्छी तरह रुककर भाला फेंकने (ब्लॉकिंग) पर निर्भर करता है। भागते हुए आप जितनी अधिक ऊर्जा से आएंगे, उतना ही बेहतर होगा।

पदक की संभावना पर नहीं की भविष्यवाणी – इस सत्र में शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों में से किसी ने भी असाधारण प्रदर्शन नहीं किया है और बार्टोनिट्ज ने हमेशा की तरह कहा कि वह नीरज की पदक की संभावनाओं की भविष्यवाणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ओलंपिक में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और काफी दबाव होता है जिससे कुछ भी हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

टीम सेलेक्शन को लेकर सवालों से जूझेंगे गंभीर

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे के लिए टीम चुनते समय सेलेक्टर्स की ओर से कई बड़े फैसले किए गए, जिस पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अपनी अलग-अलग राय रख रहे हैं। इस दौरे के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल की शुरुआत होगी। हालांकि, वो भी इस टीम चयन को लेकर सवालों के घेरे में हैं। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय चयनकर्ताओं ने कुछ हैरान करने वाले फैसले लिए। टीम इंडिया का सेलेक्शन इन दिनों काफी चर्चाओं में है। चाहे हार्दिक पांड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कप्तान और शुभमन गिल को उपकप्तान बनाने की बात हो या फिर इन फॉर्म अभिषेक शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को ड्रॉप करने की, ऐसे कई सवाल हैं जो फैंस समेत कई पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के मन में उठ रहे हैं। अब हर एक सवाल का जवाब गौतम गंभीर ही देंगे, क्योंकि यह बतौर कोच उनका टीम इंडिया के साथ डेब्यू होने से जुड़ा है। गौतम गंभीर भारतीय टीम के नए मुख्य कोच नियुक्त होने के बाद पहली बार मीडिया को संबोधित करने के लिए तैयार हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। इसके बाद टीम श्रीलंका के लिए रवाना होगी। गंभीर का पहला असाइनमेंट श्रीलंका दौरा है जिसमें 27 जुलाई से तीन टी20 और इतने ही वनडे मैच शामिल हैं। टी20 में सूर्यकुमार यादव टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि वनडे में रोहित शर्मा कमान संभालेंगे। कप्तानी में फेरबदल हो या खिलाड़ियों की अदला-बदली, इन सभी फैसलों को लेकर फैंस दो पक्षों में बंट चुके हैं। इंटरनेट पर फैंस इस टीम के चयन को लेकर दो पक्षों में बंटे हुए हैं। जबकि कई बड़े क्रिकेट एक्सपर्ट्स का दावा है कि गौतम गंभीर टीम के मुख्य कोच तो बने हैं लेकिन वो आते ही इतने बड़े फैसले अकेले नहीं ले सकते। इसमें मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और वनडे-टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा का भी हाथ है। हालांकि सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग की बातें अभी सामने नहीं आई हैं। अब उम्मीद है कि कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन सभी सवालों के जवाब फैंस को मिलेंगे। हार्दिक पांड्या का नाम कप्तानी की रेस से बाहर होने का सबसे बड़ा कारण उनकी चोट और फिटनेस है। गंभीर कप्तान के रूप में लॉन्ग टर्म पर अधिक फोकस कर रहे होंगे। इसलिए शुभमन गिल का नाम अब अन्य दावेदारों से काफी आगे है। गंभीर कार्यकाल की इस पहली बैठक के बाद ही टीम इंडिया की तस्वीर काफी हद कर बदल गई है। इसमें सबसे बड़ा उलटफेर कप्तानी को लेकर हुआ है। एक बात तो साफ है कि अब आने वाले दिनों में टीम में उन्हीं खिलाड़ियों को जगह मिलेगी, जो खुद को साबित करने का माद्दा रखते हों।

गायकवाड़ को बाहर करने पर बद्रीनाथ चयनकर्ताओं पर बरसे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने इस महीने की शुरुआत में जिम्बाब्वे के खिलाफ

सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद श्रीलंका सीरीज से रुतुराज गायकवाड़ को बाहर किए जाने और रिंकू सिंह को वनडे सीरीज से बाहर किए जाने पर चयनकर्ताओं पर तीखा हमला बोला है। चयनकर्ताओं ने श्रीलंका के आगामी सफेद गेंद दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की और गायकवाड़ को टी20 या वनडे के लिए नहीं चुना गया, जबकि रिंकू ने टी20 में अपना स्थान बरकरार रखा। गायकवाड़ के बाहर होने के बाद, बद्रीनाथ ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें सुझाव दिया गया कि क्रिकेटरों को भारतीय टीम में स्थान सुरक्षित करने के लिए असाधारण प्रदर्शन से कहीं अधिक की आवश्यकता हो सकती है।

पैरा-शटलर सुकांत कदम का फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास से परिवार के सदस्यों के वीजा अनुरोधों पर पुनर्विचार करने का आग्रह

नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक से पहले, भारत के स्टार पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम ने मुंबई में फ्रांस

के महावाणिज्य दूतावास द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद फ्रांस से अपने बड़े भाई और चाचा के वीजा अनुरोध को मंजूरी देने का आग्रह किया है। कदम ने उल्लेख किया कि सभी आवश्यक दस्तावेज होने के बावजूद उनके परिचितों के वीजा अनुरोध अस्वीकार कर दिए गए थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शिखर टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करते समय एथलीटों के लिए परिवार के सदस्यों का समर्थन महत्वपूर्ण है। एक्स, पूर्व में ट्विटर पर कदम की पोस्ट पढ़ी: दिल दहला देने वाली खबर: मेरे बड़े भाई और चाचा के वीजा को श्रफ्रांसबॉम्बे ने अस्वीकार कर दिया, उन्होंने कार्यक्रम के लिए पहले से ही कन्फर्म टिकट बुक कर लिए थे।

महिला एशिया कप

भारत ने यूएई को 78 रनों से हराया

दांबुला, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और ऋचा घोष नाबाद (64) रनों की आतिशी पारियों उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने रविवार को महिला एशिया कप के पांचवें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रनों से हराते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की है।

202 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम सात विकेटपर 123 रन ही बना सकी और 78 रन से मुकाबला हार गई। यूएई की ओर से कविशा एगोडेगे ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए दो विकेट लिये और 32 गेंदों में 40 रनों की नाबाद पारी भी खेली। इसके अलावा कप्तान ईशा ओझा ने 36 गेंदों में 38 रन बनाये। खुशी शर्मा 10 रन बनाकर आउट हुई। पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने दो विकेट लिये। रेणुका सिंह, तनुजा कंवर, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारतीय टीम ने यूएई को जीत के लिए 202 रनों का लक्ष्य दिया था। यूएई की कप्तान ईशा ओझा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की जोड़ी ने तेज शुरुआत की। तीसरे ओवर में कविशा एगोडगे ने स्मृति मंधाना (नौ गेंदों में 13 रन) को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। पांचवें ओवर में शेफाली वर्मा 18 गेंदों में 37 रनों की तूफानी पारी खेलने के बाद पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मोर्चा संभाला। दयालन हेमलता (2) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (14) रन बनाकर आउट हुई। हरमनप्रीत कौर और ऋचा घोष ने 75 रनों की आतिशी साझेदारी कर टीम के स्कोर को दो सौ रन के करीब पहुंचा दिया। 20वें ओवर में हरमनप्रीत कौर रनआउट हो गई। उन्होंने 47 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाये। यह हरमनप्रीत के टी-20 करियर का 12वां अर्धशतक है। उन्होंने यूएई महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला और उस मैच में ही अर्धशतक बनाया।

इसी के साथ वह टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन (3,415) बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। ऋचा घोष ने 29 गेंदों में 12 चौके और एक छक्का लगाते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली। यह ऋचा का अंतरराष्ट्रीय करियर का यह पहला अर्धशतक है। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यूएई की ओर से कविशा एगोडगे ने दो विकेट लिये। समायरा धरनीधरका और हीना होतचंदानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बाईचुंग ने तकनीकी समिति से इस्तीफा देने की बात कही, एआईएफएफ पर पैनल को नजरअंदाज करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के महान फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने शनिवार को राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति में पैनल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति से कहा है कि वह तकनीकी समिति की सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। इंडियन सुपर लीग की टीम एफसी गोवा के कोच स्पेन के मनोलो मार्केज को एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने भारत का मुख्य कोच नियुक्त किया। वह क्रोएशिया के इगोर स्टिमक की जगह लेंगे, जिन्हें 17 जून को बर्खास्त कर दिया गया था। पूर्व खिलाड़ी के रूप में कार्यकारी समिति के सह चयनित सदस्य भूटिया बैठक में शामिल हुए। उन्होंने दावा किया कि सामान्य तौर पर तकनीकी समिति राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच की सिफारिश करती है। मौजूदा तकनीकी पैनल के अध्यक्ष दिग्गज आईएम विजयन हैं। भूटिया ने पीटीआई से कहा, मैं पहले (2013 से 2017 तक) एआईएफएफ तकनीकी समिति का अध्यक्ष रह चुका हूं और स्टीफन कोंस्टेंटाइन के मामले में कोच नियुक्तियों में शामिल रहा हूं। तकनीकी समिति का काम आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की छंटनी करना और कोच बनने के लिए उपयुक्त व्यक्ति की सिफारिश करना है। लेकिन इस बार स्टिमक के उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए तकनीकी समिति की एक भी बैठक नहीं हुई। उन्होंने कहा, कितने उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, किसे छांटा गया है, इस पर चर्चा करने के लिए तकनीकी समिति की एक भी बैठक नहीं हुई। इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ। पहले भी इस प्रक्रिया का पालन किया गया था, लेकिन इस बार नहीं। भूटिया ने कहा, अगर आप मुख्य कोच की नियुक्ति में तकनीकी समिति को दरकिनार करने जा रहे हैं तो हम इसके लिए क्यों हैं। मैंने कार्यकारी समिति की बैठक में कहा था कि चूंकि तकनीकी समिति शामिल नहीं थी इसलिए तकनीकी समिति का कोई महत्व नहीं था। तो हम किस लिये हैं। मैंने कहा कि मैं तकनीकी समिति की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। भूटिया ने कहा कि एआईएफएफ के उपाध्यक्ष एनए हारिस के नेतृत्व में एक विशेष समिति स्टिमक के उत्तराधिकारी की तलाश कर रही थी और वह इसके पूरी तरह खिलाफ थे।

पेरिस ओलंपिक से पहले फॉर्म में लौटे राफेल नडाल, नॉर्डिया ओपन के फाइनल में बनाई जगह

बस्ताड (स्वीडन), 21 जुलाई (एजेंसियां)।

नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन इसकी घोषणा की थी। राफेल नडाल नॉर्डिया ओपन में डुजे अजदुकोविच को यहां 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर 2022 फ्रेंच ओपन के बाद अपने पहले फाइनल में पहुंच गए। नडाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में इससे पहले 36वीं रैंकिंग पर काबिज मारियानो नवोन को चार घंटे तक चले मुकाबले में 6-7, 7-5, 7-5 से हराया था।

उन्होंने अजदुकोविच के खिलाफ भी पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। नडाल ने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे हैं। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विंबलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं। ओलंपिक में नडाल-अल्काराज की जोड़ी डबल्स में खेलेगी नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन इसकी घोषणा की थी कि नडाल-अल्काराज ओलंपिक में डबल्स में खेलेंगे। अल्काराज को नडाल का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। नडाल उनके बचपन के हीरो रहे हैं। नडाल न सिर्फ 22 ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं बल्कि 2008 के बीजिंग ओलंपिक में उन्होंने सिंगल्स वर्ग का स्वर्ण और 2016 के रियो ओलंपिक में मार्क लोपेज के साथ मिलकर डबल्स का स्वर्ण जीता था। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने इस साल पेरिस में ही फ्रेंच ओपन का एकल वर्ग का खिताब जीता था। इसके बाद विंबलडन का खिताब भी अपने नाम किया था। अब वह नडाल के साथ पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पर निशाना साधने की कोशिश करेंगे। दोनों की जोड़ी युगल में खतरनाक साबित हो सकती है।

टेनिस में 28 साल का सूखा खत्म करना चाहेंगे बोपन्ना और सुमित

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

1996 का ओलंपिक ऐतिहासिक रूप से भारतीय टेनिस के लिए यादगार था। तमाम चुनौतियों के बावजूद, 23 साल की उम्र में लिएंडर पेस ने कांस्य पदक जीता, जबकि एटीपी टूर की विश्व रैंकिंग में वे कोई बड़ी ताकत नहीं थे। हालांकि, इसके बाद अब तक ओलंपिक के मंच पर भारत को टेनिस में कोई पदक नहीं मिला।

पेरिस 2024 ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। ओलंपिक गेम्स 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। भारत को इस बार खिलाड़ियों से टोक्यो से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। खास तौर, पर भारत टेनिस में एक बार फिर ऐतिहासिक प्रदर्शन की उम्मीद लगाए हुए है।

लिएंडर पेस ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय टेनिस खिलाड़ी थे। 2024 की बात करें तो टेनिस खिलाड़ियों का मुख्य उद्देश्य इस खेल में 28 साल से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करना होगा। हालांकि, यह राह भारत के लिए इतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि इस खेल में यूरोपीय देशों का दबदबा है।

तीन सदस्यीय दल पेरिस ओलंपिक में टेनिस में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना, जिन्होंने 2012 (लंदन) और 2016 (रियो) में दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वो एन श्रीराम बालाजी के साथ पुरुष युगल में भाग लेंगे, जबकि टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी सुमित नागल पुरुष एकल में पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

44 वर्षीय बोपन्ना ने पिछले साल नवंबर से युगल रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाए रखते हुए भारत के लिए कोटा हासिल किया। वह पेरिस में भारतीय दल के सबसे उम्रदराज एथलीट भी हैं। सुमित नागल ने पिछले महीने एकल रैंकिंग में 18 पायदान की बढ़त लेते हुए कट-ऑफ में जगह बनाई, जो विश्व रैंकिंग के माध्यम से कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में अंतिम स्थान पर हैं।

सुमित के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें लगातार दूसरी बार ओलंपिक एकल प्रतियोगिता में जगह दिलाई। भारतीय खिलाड़ी ने टोक्यो ओलंपिक के शुरुआती दौर में डेनिस इस्तोमिन को हराया, लेकिन दूसरे दौर में वह पूर्व विश्व नंबर 1 दानिल मेदवेदेव से हार गए थे और उन्हें बाहर होना पड़ा था।

कोर्ट पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ी के पास पेरिस में अपनी छाप छोड़ने का अच्छा मौका है। पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्धाओं में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे। पेरिस 2024 में पांच अलग-अलग स्पर्धाएं होंगी: पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल, मिश्रित युगल

2024 ओलंपिक टेनिस स्पर्धाओं के सभी ड्रॉ 25 जुलाई को निकाले जाएंगे। 2024 पेरिस ओलंपिक में टेनिस मैच कहां होंगे सभी टेनिस मैच रोलां गैरो में खेले जाएंगे, जो फ्रेंच ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का घर है। रोलां गैरो में 12 मैच कोर्ट होंगे, जिनमें विश्व प्रसिद्ध कोर्ट फिलिप चैट्रियर और कोर्ट सुज़ैन लेंग्लेन शामिल हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए टेनिस कार्यक्रम:

- पुरुष एकल: 27 जुलाई से 4 अगस्त
- पुरुष युगल: 27 जुलाई से 3 अगस्त
- महिला एकल: 27 जुलाई से 3 अगस्त
- महिला युगल: 27 जुलाई से 4 अगस्त
- मिश्रित युगल: 29 जुलाई से 2 अगस्त

आगामी पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से महिला टेनिस स्पर्धा में कोई खिलाड़ी भाग नहीं लेगा, क्योंकि सानिया मिर्जा के संन्यास लेने के बाद महिला टेनिस में भारत को कोई मजबूत क्षमता वाली खिलाड़ी नहीं मिली।

पेस और अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल, यह उपलब्धि पाने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। युगल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी लिएंडर पेस और टेनिस प्रसारक अभिनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए। यह दोनों दिग्गज ब्रिटिश टेनिस पत्रकार और लेखक रिचर्ड इवांस के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंतत: ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कप्तान पिता का अनुसरण किया। पेस बोले- मेरे लिए सम्मान की बात पेस ने कहा, इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं। अमृतराज ने जीते कई खिताब 70 वर्षीय अमृतराज ने 1970 में डेब्यू किया था और 1993 में संन्यास ले लिया था। इस दौरान उन्होंने 15 एटीपी एकल खिताब और 399 मैच जीते और एकल में सर्वश्रेष्ठ 18वीं रैंकिंग भी हासिल की। उन्होंने भारत को 1974 और 1987 में डेविस कप फाइनल में पहुंचाने में मदद की थी।अमृतराज ने कहा, मैं इस अविश्वसनीय और विशिष्ट समूह में शामिल होने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस समूह ने इस खेल को गौरव दिलाया है। अभिनय भी कर चुके अमृतराज अपने खेल के दिनों के बाद अमृतराज ने मानवीय कारणों में मदद की। साथ ही भारत में एटीपी और डब्ल्यूटीए कार्यक्रमों का समर्थन किया और जेम्स बॉन्ड और स्टार ट्रेक फिल्म सीरीज में अभिनय किया। अमृतराज ने कहा, यह सिर्फ मेरे, मेरे परिवार, मेरे माता-पिता के लिए ही नहीं, बल्कि मेरे सभी साथी भारतीयों और मेरे देश के लिए जो पूरी दुनिया में रहते हैं, के लिए एक सम्मान है। पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

पेस करियर ग्रैंड स्लैम भी जीत चुके

पेस ने पुरुष और मिश्रित युगल दोनों में करियर ग्रैंड स्लैम जीते। उन्होंने 2012 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर पुरुषों में और 2016 फ्रेंच ओपन पर कब्जा करके मिश्रित में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर 1996 अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उनका एकमात्र एटीपी एकल खिताब 1998 में न्यूपोर्ट घास पर उसी स्थान पर आया था जहां उन्हें शामिल किया गया था। पेस ने पिता की कही बातों को किया याद पेस ने कहा, जैसा कि मेरे पिता ने हमेशा मुझसे कहा कि अगर आप खुद पर भरोसा करते हैं, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप सिर्फ पुरस्कार राशि और ट्रॉफी जीतने के लिए ही नहीं बल्कि आप दुनिया को प्रेरित करने के लिए ऐसा करते हैं। सात ओलंपिक में देशवासियों के लिए खेलना, उन सभी डेविस कप में राष्ट्रगान के लिए खड़े होना और यह साबित करना कि हम एशियाई ग्रैंडस्लैम जीत सकते हैं और अपने क्षेत्र में नंबर एक भी बन सकते हैं मेरे लिए सम्मान की बात थी।

संपादकीय

कम हो राजनीतिक कड़वाहट

राजनीतिक कड़वाहट कितना भयंकर रूप धारण कर सकती है, उसका नवीनतम उदाहरण है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला। अमेरिका में कम्युनिस्ट धड़े ने डॉनल्ड ट्रंप को लेकर इतना अधिक नकारात्मक वातावरण बना दिया है कि बात राजनीतिक सहमति-असहमति से कहीं अधिक आगे बढ़कर नफरत की हद तक बढ़ गई है। उसी का परिणाम है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के दौरान एक व्यक्ति ने उन पर राइफल से गोली चला दी। ईश्वर की कृपा रही कि डॉनल्ड ट्रंप की जान बच गई। अमेरिका में हुए इस हमले के बाद से भारत में भी एक बहस खड़ी हो गई है। दरअसल, पिछले 10 वर्ष में कांग्रेस और उसकी पीठ पर सवाल कम्युनिस्टों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के प्रति हद दर्जे का नकारात्मक विमर्श खड़ा करने का काम किया है। जेएनयू, जाधवपुर एवं हैदराबाद विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन, शाहीनबाग के प्रदर्शन, दिल्ली दंगे, तथाकथित किसान आंदोलन जैसे कई प्रसंगों में नकारात्मक विमर्श के कारण उत्पन्न नफरत खुलकर दिखायी दी है। जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय विचार के संगठनों की कब्र खोदने से लेकर भारत के टुकड़े-टुकड़े जैसे अतिवादी एवं हिंसक विचार अभिव्यक्त हुए। सार्वजनिक सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी की बोटी-बोटी काटने के आह्वान किए गए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा भाषण करनेवालों को कांग्रेस ने अपना नेता बनाया और उन्हें चुनाव में टिकट दिया। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने भी भारत के प्रधानमंत्री मोदी को लेकर अत्यधिक अतिवादी बयान दिए हैं। यहाँ तक कहा गया कि 'युवा प्रधानमंत्री मोदी को डंडे से मारेंगे'। इसी नफरती वातावरण के प्रभाव में आकर जब एक व्यक्ति ने काशी में प्रधानमंत्री मोदी की ओर चप्पल उछाली तब भी कांग्रेस के नेताओं की ओर से उस घटना पर प्रसन्नता जाहिर की गई। अपने प्रतिद्वंद्वी राजनेता एवं विचार के प्रति यदि इस प्रकार की घृणा, नफरत और द्वेष का वातावरण बनाया जाएगा, तब उसका प्रभाव लोगों पर भी पड़ता है। संपूर्ण देश में कांग्रेस का एक बड़ा जनाधार है। पार्टी के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या है। जब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व प्रतिद्वंद्वी नेता एवं पार्टी के विरुद्ध असहिष्णुता के विचार को बढ़ावा देता है, तब समर्पित कार्यकर्ता भी उसी लाइन पर चलता है। कहना होगा कि कार्यकर्ता और अधिक गहरायी से उस विचार का अनुसरण करता है। राजनीतक नफरत का परिणाम अमेरिका ने कई बार भोगा है। अमेरिका में चार राष्ट्रपति और एक राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी हमलों में जान गंवा चुके हैं। पिछले चार-पांच दशकों की बात करें तो रोनाल्ड रीगन, बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू बुश जैसे चर्चित राष्ट्रपति हमलों का निशाना बन चुके हैं। भारत ने भी अपने प्रधानमंत्रियों को खोया है। हालांकि उसका कारण राजनीतिक कड़वाहट कम अपितु अन्य मुद्दे अधिक रहे हैं। भारत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को हमलों में खोया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु का प्रमुख कारण भी राजनीतिक एवं वैचारिक नफरत को ही माना जाता है। बहरहाल, अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप पर हुए हमले और वहाँ बने नकारात्मक राजनीतिक वातावरण से भारत को सबक लेना चाहिए। राजनीतिक कड़वाहट को कम करने के लिए भारत के सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं को गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। हमें अपने लोकतंत्र को 'बुलेट तंत्र' में नहीं अपितु 'बैलेट तंत्र' के रूप में ही विकसित करना है।

> अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला। अमेरिका में कम्युनिस्ट धड़े ने डॉनल्ड ट्रंप को लेकर इतना अधिक नकारात्मक वातावरण बना दिया है कि बात राजनीतिक सहमति–असहमति से कहीं अधिक आगे बढ़कर नफरत की हद तक बढ़ गई है। उसी का परिणाम है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के दौरान एक व्यक्ति ने उन पर राइफल से गोली चला दी। ईश्वर की कृपा रही कि डॉनल्ड ट्रंप की जान बच गई। अमेरिका में हुए इस हमले के बाद से भारत में भी एक बहस खड़ी हो गई है। दरअसल, पिछले 10 वर्ष में कांग्रेस और उसकी पीठ पर सवाल कम्युनिस्टों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के प्रति हद दर्जे का नकारात्मक विमर्श खड़ा करने का काम किया है। जेएनयू, जाधवपुर एवं हैदराबाद विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन, शाहीनबाग के प्रदर्शन, दिल्ली दंगे, तथाकथित किसान आंदोलन जैसे कई प्रसंगों में नकारात्मक विमर्श के कारण उत्पन्न नफरत खुलकर दिखायी दी है। जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय विचार के संगठनों की कब्र खोदने से लेकर भारत के टुकड़े–टुकड़े जैसे अतिवादी एवं हिंसक विचार अभिव्यक्त हुए। सार्वजनिक सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी की बोटी–बोटी काटने के आह्वान किए गए। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा भाषण करनेवालों को कांग्रेस ने अपना नेता बनाया और उन्हें चुनाव में टिकट दिया। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने भी भारत के प्रधानमंत्री मोदी को लेकर अत्यधिक अतिवादी बयान दिए हैं।

उच्चतम न्यायालय ने तब शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को धारा 125 के अंतर्गत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था

मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता अधिकार पर न्यायालय का फैसला ऐतिहासिक

अवधेश कुमार

> महिलाओं के गुजारे भत्ते के संदर्भ में दिए फैसले पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित कई मुस्लिम संस्थाओं और व्यक्तियों की प्रतिक्रिया ठीक वैसी ही है जैसे एक साथ तीन तलाक संबंधी फैसला पर थी। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता मांग सकती हैं। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 तथा अब भारतीय न्याय संहिता धारा 144 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने का प्रावधान है जो सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा मुस्लिम महिलाओं के गुजारे भत्ते के संदर्भ में दिए फैसले पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सहित कई मुस्लिम संस्थाओं और व्यक्तियों की प्रतिक्रिया ठीक वैसी ही है जैसे एक साथ तीन तलाक संबंधी फैसला पर थी। तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता मांग सकती हैं। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 तथा अब भारतीय न्याय संहिता धारा 144 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने का प्रावधान है जो सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है। निश्चित रूप से इस फैसले ने 1985 में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए शाहबानो मामले के फैसले की स्मृतियां ताजा कर दी है जब इसी तरह के फैसले के विरुद्ध देश भर में मुस्लिम संस्थाओं और संगठनों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। सबका एक ही स्वर था कि न्यायालय हमारे मजहबी मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। हमारे परिवार, शादी विवाह, तलाक, संपत्ति आदि मामले शरिया कानून के अनुसार चलेंगे और उसमें न्यायालय का हस्तक्षेप हमें स्वीकार नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने तब शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को धारा 125 के अंतर्गत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। उसके बाद राजीव गांधी सरकार ने सन 1986 में मुस्लिम महिला तलाक पर (अधिकारों का संरक्षण) कानून पारित कर इस फैसले को पलट दिया। उसमें इद्दत की अवधि, जो 90 दिन की होती है, के अलावा पतियों को गुजारा भत्ता देने की कानूनी अनिवार्यता से मुक्त कर दिया गया था। अब इन संगठनों और संस्थाओं की आक्रामकता में काफी कमी है, भाव लगभग वही है। क्या यह मान लिया जाए कि ये जो प्रतिक्रिया दे रहे हैं वही सही है? बिल्कुल नहीं। वर्तमान फैसला 1986 के उसे कानून को भी कटघरे में खड़ा करने वाला है। वैसे वर्तमान फैसले में न्यायालय ने उसे कानून की भी व्याख्या की है। इस फैसले में 2019 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा एक साथ तीन तलाक रोकने के लिए बनाए कानून मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत दिए गए गैर कानूनी तलाक की पीड़िता के गुजारा भत्ते के बारे में भी

व्यवस्था दी गई है। वास्तव में इस कानून के पीछे भी धारणा यही थी कि मुस्लिम महिलाएं मजहब की आड़ में शोषित और पीड़ित न हों। न्यायालय की यह टिप्पणी ध्यान देने योग्य है कि गुजारा भत्ता खैरात नहीं है बल्कि महिलाओं का अधिकार है। वास्तव में इस फैसले से मुस्लिम विवाहित महिला विशेष कर तलाकशुदा मुस्लिम महिला के गुजारा भत्ता प्राप्त करने के कानूनी अधिकार पर इस फैसले से स्थिति स्पष्ट हो गई है। हालांकि न्यायालय ने इस संबंध में कोई पहला फैसला नहीं दिया है। मुस्लिम महिला को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने के अधिकार पर पहले भी मुहर लगाई थी। इस फैसले में धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता प्राप्त करने और शाहबानो फैसले के बाद आए 1986 के कानून पर तुलनात्मक विचार किया गया है जो पहले नहीं हुआ था। तो इसका कानूनी दृष्टि से महत्व यह है कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के धारा 125 में गुजारा भत्ता प्राप्त करने को लेकर मौजूद कानूनी भ्रम खत्म हो गया है। मुस्लिम पुरुष इसी धारा की आड़ लेकर अपना बचाव करते थे। वर्तमान मामले में तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद ने भी इसी धारा की आड़ लेकर अपनी तलाकशुदा पत्नी को गुजारा भत्ता देने से बचने की कानूनी रणनीति अपनाई थी। वैसे 2001 में डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले में भी उच्चतम न्यायालय ने 1986 के कानून की व्याख्या करते हुए कहा था कि महिलाओं के अधिकार इद्दत की अवधि के आगे भी रहते हैं। उस फैसले के बाद ही अधिनियम में लागू की गई रोक एक तरह से अप्रभावी हो गई। ध्यान रखिए डेनियल लतीफी ने ही उच्चतम न्यायालय में शाहबानो के पक्ष में वकालत किया था। उच्चतम न्यायालय ने शाहबानो मामले में 1985 के फैसले में कहा था कि धारा 125 में मुस्लिम महिला भी पति से भरण पोषण पाने की हकदार है। जब 2017 के सायराबानो मामलों में उच्चतम न्यायालय ने एक साथ तीन तलाक को असंवैधानिक और अवैध करार दे दिया था तो अब महिलाओं के विरुद्ध फैसला आने का कोई प्रश्न नहीं था। 2009 में भी उच्चतम न्यायालय ने मौलाना अब्दुल कादिर मदनी मामले में कहा था कि रीलिजन का पालन करने के अधिकार में दूसरों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने का अधिकार शामिल नहीं है। लैंगिक समानता के परिप्रेक्ष्य में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि पर्सनल लॉ संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप होना चाहिए। 2014 के शमीम बानो बनाम अशरफ खान मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि मुस्लिम महिला तलाक के बाद भी अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है और मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष इसके लिए आवेदन कर सकती है। अब किसी महिला को तलाक के बाद मुस्लिम पति से गुजारा भत्ता लेने के लिए न्यायालय के समक्ष न इतने चक्कर काटने पड़ेंगे और न उन्हें इस तरह शरिया कानून से लेकर कानूनों की लंबी चौड़ी व्याख्या करनी होगी। 1986 के कानून के रहते हुए भी मुस्लिम महिला को अब समस्या नहीं आएगी। 2019 के तीन तलाक विरोधी कानून तथा वर्तमान फैसला आगे से ऐसे सभी मामलों में न्यायिक फैसले का आधार बनेगा। यह मामला तेलंगाना से जुड़ा हुआ था। उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2023 को मुस्लिम महिला को धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। मोहम्मद अब्दुल समद ने उसे फैसले के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी। हालांकि अभी अब्दुल समद के पास बड़ी पीठ में जाने का रास्ता बचा हुआ है किंतु वहां भी अलग कुछ होगा यह मानने का कोई कारण नहीं है। न्यायालय ने इसमें पहले के कई कानून और फैसलों की नए सिरे से व्याख्या कर दी है।

दृष्टि कोण

नस्लभेद व रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक नेल्सन मंडेला

आज दक्षिण अफ्रीका में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को जेल की सजा के विरोध में हिसा और अशांति का माहौल है। इस अशांति का लाभ उठाकर वुछ उपद्रवियों ने भारतीयों को निशाना बनाया है। दक्षिण अफ्रीका में करीब 14 लाख भारतीय रहते हैं। उनका योगदान देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण भी है। ऐसे में नेल्सन मंडेला के देश में हम उनके विचारों के अनुवूल शांति की कामना करते हैं। नेल्सन मंडेला की जयंती पर विशेष नेल्सन मंडेला अरुण वुमार वैहरबा असमानता व भेदभाव ने दुनिया की बड़ी आबादी के आगे बढ़ने के अवसरों को अवरुद्ध किया है। वहीं से समानता व न्याय के लिए आंदोलन भी हुए हैं। कितनी ही ऐसी शख्सियतें हुईं हैं, जिन्होंने भेदभाव व बुराइयों के विरुद्ध अथक संघर्ष किया। दक्षिण अफ्रीका के पहले राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला भी ऐसे ही प्रेरक व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने नस्लभेद व रंगभेद के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष किया। उन्हें व्रूर सत्ता का दमन सहना पड़ा। कई सालों तक उन्होंने कठोर कारावास के दौरान अनेक प्रकार की यातनाएं सही। जेल की सजा काटते हुए ही वे दुनियाभर में मानवाधिकार व रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध हुए। आजादी के बाद वे चुनावों में दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने। देश के पुर्ननिमाण में अपना योगदान दिया। नेल्सन रोहिल्हाला मंडेला का जन्म 18 जुलाईं, 1918 को इस्टर्न केप के म्वेजो में गेडला हेनरी म्फाकेनिस्वा और उनकी तीसरी पत्नी नेक्यूफी नोसकेनी के घर हुआ था। वे अपने पिता की वुल 13 संतानों में तीसरे नंबर पर थे। मंडेला के पिता हेनरी म्वेजो कस्बे के जनजातीय सरदार थे। स्थानीय भाषा में सरदार के बेटे को मंडेला कहा जाता था, जिससे उन्हें अपना उपनाम मिला। पिता ने मंडेला को रोहिल्हाला नाम दिया। जिसका अर्थ होता है-पेड़ की डालियों को तोड़ने वाला प्यारा और शैतान बच्चा। 12 साल की उम्र में मंडेला के पिता चल बसे। मंडेला को बचपन में ही रंगभेद का सामना करना पड़ा। स्वूल में भी उन्हें काला रंग होने के कारण भेदभावकारी नियमों की पालना करने के लिए कहा जाता था। सड़क पर चलते हुए सीना तान कर चलने तक पर पाबंदी थी। यदि कोईं काला व्यक्ति ऐसा करता था तो उन्हें जेल में भेजा जा सकता था। ऐसी स्थितियों में मंडेला सोचने को विवश हुए और उनके अंदर व्रांतिकारी जन्म लेने लगा, जो भेदभाव, शोषण व दमन पर आधारित व्यवस्था को बदल देना चाहता है। स्वूली शिक्षा के बाद हेल्डटाउन में मंडेला की आगामी शिक्षा हुईं। यहां एक ऐसा कॉलेज था जोकि काले लोगों के लिए ही बनाया गया था। यहीं पर मंडेला की मुलाकात ऑलिवर टांबो से हुईं और दोनों ने मिलकर रंगभेद के विरुद्ध व्रांतिकारी गतिविधियों की शुरुआत कर दी। कॉलेज प्रशासन को इस बात का पता चल गया तो दोनों को कॉलेज से निकाल दिया गया और परिसर में उनके प्रवेश करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। इस स्थिति में मंडेला अपने घर आ गए। उनके व्रांतिकारी विचारों को देखकर घर वाले भी परेशान हो गए। नजदीकी लोगों ने पारिवारिक जिम्मेदारियों के बोझ तले लाकर उन्हें सुधारने की कोशिश की। एक अच्छी सी लडकी देखकर शादी की तैयारियां शुरू हो गईं। लेकिन मंडेला ने अपने निजी जीवन पर सार्वजनिक जीवन को तरजीह दी। वे भाग कर जोहांसबर्ग आ गए। जोहांसबर्ग में उन्होंने एक खादान में चौकीदार की नौकरी की। वे अलेक्सेंडरा नाम की एक छोटी सी बस्ती में रहने लगे। बाद में उनकी मां भी उनके साथ आ गईं। यहां पर वॉल्टर सिसुलू और वॉल्टर एल्बरटाइन के विचारों से मंडेला खासे प्रभावित हुए। हर तरह के भेदभाव के विरुद्ध स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व के विचारों से जुड़ते हुए राजनीतिक सरर्गीमियां भी बढ़ने लगी। मंडेला ने एक कानूनी फर्म में क्लर्व की नौकरी शुरू कर दी। अपने संघर्षो के दौरान ही वे पढ़ भी रहे थे। उन्होंने वकालत की शिक्षा पूरी की। 1944 में वे अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस में शामिल हो गए और कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे रंगभेद के विरुद्ध सांगठनिक आंदोलन से जुड़ गए। इस पाटा के अपने साथियों के साथ मिलकर उन्होंने अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस यूथ लीग की स्थापना की। 1947 में वे यूथ लीग के सचिव चुने गए। वे व्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़ गए थे। अल्जीरिया में जाकर उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे रंगभेद विरोधी सरकार को अपने देश उखाड़ पेंकना चाहते थे। 1961 में उन्होंने नेशनल कांग्रेस उम्खोतों वे सिजवे नाम से सशस्त्र शाखा की शुरुआत की और वे इसके कमांडर इन चीफ थे। उन्होंने अंग्रेजी गोरों लोगों के नस्लवाद और रंगभेद की नीतियों को समाप्त करने और लोगों को संगठित करने के लिए देशभर में यात्राएं की। अश्वेतों के साथ भेदभाव करने वाले कानूनों को बदलने के लिए उन्होंने आवाज बुलंद की। वे सरकार के विरुद्ध हथियार उठाने के लिए लोगों को तैयार कर रहे थे। 12 जुलाईं, 1962 को इन्हीं संघर्षो के कारण उन्हें आजीवन कारावास की सजा दे दी गईं। रॉबेन द्वीप की जेल में उन्होंने 27 साल बिताए। यहां पर उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी जाती थी। जेल की सजा के दौरान उन्हें काफी वुछ पढ़ने का मौका मिला। वे गांधी जी के विचारों से खासे प्रभावित हुए। गांधी जी के सत्य और अहिसा के विचारों को उन्होंने अपना लिया। 11 फरवरी, 1990 में उनकी रिहाईं हुईं। जेल में रहते हुए ही वे मानवाधिकार की मुखर आवाज के रूप में पूरी दुनिया में पहचाने जाने लगे थे। जेल से रिहाईं के बाद उन्होंने समझौते और संधि की नीति अपनाईं और एक लोकतांत्रिक व बहुजातीय अफ्रीका की नींव रखी।

कुछ अलग

आस्था जगत के नाथ और पालनहार भगवान जगन्नाथ

उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर से भारत के चारों धाम में से एक धाम जगन्नाथ पुरी पास ही पड़ता है। हिदू धर्म के आदि गुरु शंकराचार्य ने प्राचीन जंबूद्वीप (भारत) में चारों कोनों में चार धर्मपीठ स्थापित किए थे। जो कालांतर में हिदुओं के प्रमुख धरमिक स्थल एवं तीर्थ स्थान बन गए। उन्हीं में से एक जगन्नाथपुरी है। बहुत बड़ा ताज्जुब का यह विषय है कि उड़ीसा में वुछ वर्ष पूर्व नवम्बर माह में आग एवं भीषण चावाती तूफान में पुरी क्या किसी भी स्थान के मंदिरों को रत्ती भर भी नुकसान नहीं पहुँचा था। जबकि बड़े बड़े विशाल वृक्ष एवं बिल्डगे धाराशायी हो गये। पर किसी भी मंदिर को वुछ भी नुकसान नहीं हुआ। यहाँ तक कि उनके गुंबज पर फहरा रहे झंडे का भी तूफान वुछ नहीं कर सका। सोचने की यह बात है कि जहाँ सैकड़ों मनुष्य काल कवलित हो गये, अरबों रुपयों का नुकसान हो गया। पचासों गाँव तूफान एवं बाढ़ में डूबकर बर्बाद हो गए पर इन मंदिरों को वुछ भी नुकसान नहीं हुआ। यह दैवीय चमत्कार नहीं है तो क्या हो सकता है। पुरी के सुप्रसिद्ध मंदिर श्री जगन्नाथ मंदिर की ऊंचाईं 214 फीट 8 इंच है। इसे तूफान न तो डगमगा सका और न ही तेज वर्षा और समुद्र के पानी से यह जल प्लावित हो सका। धरमिक विश्वास है कि जिस दिन समुद्र का पानी श्री जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेगा, उसी दिन पलय हो जायेगा। पुरी पहुँचने के बाद सबसे अधिक आतुरता जगन्नाथ पुरी मंदिर को देखने की होती है। यह मंदिर नगर के मध्य में बना है। जो काले पत्थरों को तराश कर बनाया गया है। मंदिर में प्रमुख प्रतिमा जगन्नाथ जी की है। इसके साथ साथ बलभद्र और सुभद्रा की मरूतियां भी प्रतिष्ठ हैं। इन प्रतिमाओं की विशेषता यह है कि ये प्रतिमायें चंदन की लकड़ी से बनी हैं, पर इन्हें हीरे-जवाहरात और बहुमूल्य रत्नों में सजाया गया है। जगन्नाथ की मरूति के भीतर एक अस्थि मंजूषा बताईं जाती है, जिसे प्रति बारह वर्ष में बदलकर नयी मरूति में प्रतिष्ठित कर दिया जाता है। कहा जाता है कि ये अस्थि अवशेष भगवान श्रीवृष्ण के हैं, कितु भारतीय हिन्दू इतिहास में अस्थि संरक्षण की ऐसी कोईं अन्य उदाहरण देखने को नहीं मिलती है। बौद्ध मत में जरुर अस्थि आदि विशिष्ट अंगों के संरक्षण की परंपरा मिलती है। शायद इसी कारण पात्य विद्वान इन मरूतियों पर बौद्ध प्रभाव मानते हैं। और तीनों मरूतियों को बौद्धों के त्रिरत्नों, बुद्ध, संघ और धर्म का प्रतीक बताते हैं। ऐतिहासिक प्रमाणों से प्रमाणित होता है कि जहाँ आज यह विशाल मंदिर बना है, वहाँ पहले एक बौद्ध स्तूप था ऐतिहासिक दृष्टि से मंदिर का जो भी इतिहास हो, पर आज शैलिक दृष्टि से यह मंदिर अत्यंत आकर्षक और महत्वपूर्ण है। जगन्नाथ जी का मंदिर बेहद विशाल है और दो परकोटों के भीतर है। इसमें चारों ओर चार महाद्वार हैं। पूरब का सिह द्वार सबसे सुंदर है। जिसके दोनों ओर दो सिह मरूतियाँ सजीव सी लगती है। सिह मरूतियों के सामने काले पत्थर का सुंदर गरुड़ स्तम्भ है, जिस पर कोणार्व से लाकर स्थापित किया हुआ उच्च अरुणा स्तम्भ है। इसकी प्रदक्षिणा तथा सिहद्वार को प्रणाम करके द्वार में प्रवेश करने पर दाहिनी ओर भगवान जगन्नाथ जी के श्री विग्रह दिखाईं पड़ने लगते हैं। मंदिर के दक्षिण में अरब द्वार उत्तर में हाथी द्वार और पामि में बाघ द्वार है। द्वारों का यह नामकरण उनके निकट स्थित जानवरों की मरूतियों के नाम पर किया गया है। मुख्य मंदिर के अंदर पामि की ओर एक रत्न वेदी पर सुदर्शनचक शोभायमान है।

देश दुनिया से

उप्र जनसंख्या नियंत्रण विधेयक 2021 एक साहसिक व सराहनीय कदम

> हर आलोचक पिछले 10–15 वर्षो की आवश्यक वस्तुओं की तुलना आज की चीजों की कीमत से कर रहा है और यह सही भी है कि आज पेट्रोल के दाम 100 रुपए से ऊपर और सरसों के तेल समेत सभी खाद्य तेल 200 रुपए से ऊपर पहुंच गया है। हर आम–खास को यही चिन्ता सता रही है कि एक ओर कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियां ठप हैं और बढ़ती हुईं महंगाईं हमारा जीना दूभर किए जा रही है। इस समस्या के लिए सरकार या प्राशासन को कोसने के बजाय हमें इस समस्या की जड़ में जाने की आवश्यकता है। वह है देश में जनसंख्या का विस्फोट और हमारी जनसंख्या इसी तरह बढ़ती रही तो हम एक दशक के पात इस मामले में चीन को भी पीछे छोड़ देंगे।

पिछले वुछ दिनों से बढ़ती हुईं महंगाईं, वस्तुओं की कमी, पेट्रोल की बढ़ती हुईं कीमतों पर सरकार को लगातार घेरने की कोशिश की जा रही है। हर आलोचक पिछले 10-15 वर्षो की आवश्यक वस्तुओं की तुलना आज की चीजों की कीमत से कर रहा है और यह सही भी है कि आज पेट्रोल के दाम 100 रुपए से ऊपर और सरसों के तेल समेत सभी खाद्य तेल 200 रुपए से ऊपर पहुंच गया है। हर आम-खास को यही चिन्ता सता रही है कि एक ओर कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियां ठप हैं और बढ़ती हुईं महंगाईं हमारा जीना दूभर किए जा रही है। इस समस्या के लिए सरकार या प्राशासन को कोसने के बजाय हमें इस समस्या की जड़ में जाने की आवश्यकता है। वह है देश में जनसंख्या का विस्फोट और हमारी जनसंख्या इसी तरह बढ़ती रही तो हम एक दशक के पात इस मामले में चीन को भी पीछे छोड़ देंगे। कभी-कभी हमारे बड़े बुजुर्ग प्रायः यह कहते रहते हैं कि हमारे जमाने में चीजें बड़ी सस्ती होती थीं परन्तु विगत वुछ दशकों में हमारी जनसंख्या 130 करोड़ से ऊपर हो चुकी है। बढ़ती हुईं जनसंख्या की आवश्यकता की आपूर्ति हमारे प्रावृतिक संसाधनों का दोहन करके भी पूरी नहीं की जा सकती। अब तो हम ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए भी जद्दोजहद कर रहे हैं। जमीन के नीचे का जलस्तर दिनोंदिन नीचे जा रहा है और गर्मियां आते ही नलवूपों और पानी पीने के हैंडपंप सूख जाते हैं। इन सब समस्याओं से निजात पाने का एक ही रास्ता है जनसंख्या पर नियंत्रण, अगर यह नहीं किया गया तो स्थिति निाति तौर पर हाथ से निकल जाएगी। अब तो सरकार के पास एक ही विकल्प है कि जनसंख्या नियंत्रण परन्तु 70 के दशक से ही आबादी की वृद्धि पर सरकार को यह समझ में आ गया था और इसलिए सरकार द्वारा परिवार नियोजन कार्यंव्राम चलाए जाने लगे थे और उस समय हम दो हमारे दो का नारा हर दीवार पर लिखा होता था। उसके पात 1975 में आपातकाल के दौरान श्री संजय गांधी की पहल पर नसबंदी अभियान चलाया गया। यद्यपि यह अच्छी पहल थी परन्तु वुछ स्वाथा लोगों द्वारा श्री संजय गांधी और उनके सहयोगियों को खुश करने के उद्देश्य से छोटे बच्चों और बुजुर्गो की जबरदस्ती नसबंदी ने इस अभियान के उद्देश्य को ही समाप्त कर दिया। उसके बाद जो भी सरकारें आईं उन्होंने परिवार नियोजन के चलाने का प्रायास किया। संसद में इस विषय पर कईं बार चर्चाएं हुईं परन्तु सरकार इन कार्यंव्रामों की जानकारी और इसके लाभ को पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों में नहीं पहुंचा पाईं जिसका परिणाम यह हुआ कि ग्रामीण भारत के अशिक्षित क्षेत्रों के लोग बच्चों को ईंश्वर की देन मानकर दर्जनों बच्चे पैदा करते रहे और कहीं-कहीं तो बेटी की आस में कईं बेटियां पैदा होती रहीं, यह सब अशिक्षा और अंधविश्वास के कारण ही होता रहा। एक बार सन 1989 में श्री विश्वनाथ प्राताप सिह जी की सरकार के समय जनसंख्या नियंत्रण पर चर्चा चल रही थी इस पर किसी विपक्षी ने तंज किया कि सरकार में दर्जनों मंत्री ऐसे हैं जिनके छह-छह बच्चे हैं और इस सरकार के समर्थन वाले दलों में कईं ऐसे सांसद हैं जिनके नौ से अधिक बच्चे हैं। ऐसे में हम अशिक्षित और गरीब जनता को परिवार नियोजन और सीमित परिवार के लाभ के विषय में वैसे समझा सकते हैं। इन परिस्थितियों में उप्रा की योगी जी की सरकार का उप्रा जनसंख्या नियंत्रण विधेयक का पैसला जनसंख्या नियंत्रण में काफी परिणामदायक हो सकता है। उप्र सरकार का जनसंख्या नियंत्रण (स्थिरीकरण और कल्याण) विधेयक 2021 का पैसला स्वागत योग्य है। यदि दो बच्चों से ज्यादा बच्चे होने पर स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ने पर प्रातिबंध लगाया जा सकता है तो इसे विधानसभा और लोकसभा पर भी लागू किया जाना चाहिए। लेकिन हमारे नेता अच्छी तरह से जानते हैं कि यदि इसे विधानसभा चुनावों पर लागू कर दिया जाए तो 50 प्रातिशत विधायक चुनाव लड़ने के अयोग्य हो जाएंगे और यही दो बच्चों की नीति पर सरकारी सुविधाओं को आधार बनाया जाए तो हमारे 186 सांसद इस दायरे में आ सकते हैं। इसलिए दो बच्चों की नीति पर जो भी नियम बनाए जाएं उस पर कोईं अपवाद नहीं होना चाहिए। वुछ लोग अपनी धार्मिक मान्यताओं और पर्सनल लॉ की आड़ में जनसंख्या नियंत्रण कानून का विरोध कर सकते हैं पर ऐसे में वेंद्र सरकार को इस विषय में आगे आना चाहिए और विवाह, तलाक आदि मामलों में हिन्दुस्तान में रहने वाले सभी धर्मो के अनुयायियों के लिए कॉमन सिविल कोड लाना चाहिए जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न न्यायालय भी सामान नागरिक संहिता की बात कर चुके हैं क्योंकि सभी नागरिकों के लिए सामान नागरिक संहिता न सिर्प बच्चों और महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण सुनिाित करेगी और देश में बढ़ती हुईं जनसंख्या पर नियंत्रण भी करेगी बल्कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य और सबको समुचित रोजगार दे सवेंगे।

आप का नजरिया

सब स्वीकार करें भोजशाला का सच

राजा भोज द्वारा निर्मित धार की भोजशाला पर लंबे समय से विवाद की स्थितियां बनी हुई हैं। अकसर यह विवाद सांप्रदायिक तनाव का स्वरूप ले लेता है। इसलिए आवश्यक है कि भोजशाला को लेकर स्थिति स्पष्ट हो। हिन्दुओं के लिए यह स्थान माँ सरस्वती का मंदिर है। वहीं, मुस्लिम इस स्थान को कमाल मौलाना से जोड़कर देखते हैं। हालांकि, प्रमाण इसी बात की गवाही देते हैं कि यह हिन्दुओं का पवित्र स्थान है। जैसा कि अन्य स्थानों पर आक्रांताओं ने हिन्दुओं का अपमान करने की दृष्टि से मंदिरों को तोड़कर उसके ही अवशेषों से तथाकथित मस्जिदें बना दी थीं, वैसा ही घटनाक्रम भोजशाला में हुआ जान पड़ता है। केंद्रीय पुरातत्व विभाग ने भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक पद्धति से सर्वेक्षण करके, 2000 पन्नों की एक विस्तृत रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंप दी है। तीन महीने से अधिक समय तक चले वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान ही बहुत सारे प्रमाण देश के सामने आ चुके हैं, जो बताते हैं कि भोजशाला का निर्माण राजा भोज ने कराया था और यह एक प्राचीन हिन्दू मंदिर है। सर्वेक्षण के दौरान 94 पौराणिक मूर्तियां मिली हैं। खंभों पर हिन्दू देवताओं की आकृतियां दिखायी देती हैं। खुदाई में हिन्दू भगवान गणेश, ब्रह्मा, नरसिंह और भैरव सहित अन्य देवताओं की मूर्तियां मिली हैं। इसके साथ ही पौराणिक काल के सिक्के भी सर्वे के दौरान मिले हैं। कुल मिलाकर 1700 से अधिक अवशेष और ठोस प्रमाण मिले हैं, जो भोजशाला पर हिन्दुओं के दावे को मजबूत करते हैं। किसी मस्जिद या दरगाह में से हिन्दू देवी-देवताओं के अवशेष क्यों निकलेंगे भला? ये अवशेष तो भोजशाला की हिन्दू कहानी को ही सुना रहे हैं। इतने सब प्रमाण सामने आने के बाद होना तो यह चाहिए कि मुस्लिम समुदाय भोजशाला पर अपना जबरन का दावा छोड़ दे। यदि मुस्लिम समुदाय प्रमाणों के सामने आने के बाद भी जोर-जबरदस्ती करता हुआ दिखायी देगा तो उससे यही संदेश जाएगा कि आज भी भारत का मुसलमान आक्रांताओं के साथ अपने संबंध जोड़ता है। सांप्रदायिक सद्भाव की दिशा में मुस्लिम समुदाय को भी उदारता एवं समझदारी दिखानी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि काशी से लेकर अयोध्या तक मुस्लिम समाज ने कभी भी उदारता का प्रदर्शन नहीं किया। हैरानी है कि खुला सच होने के बाद भी मुस्लिम समुदाय उसे स्वीकार क्यों नहीं करता है? कोई सामान्य व्यक्ति भी भोजशाला को प्रथम दृष्टया देखकर बता सकता है कि यह एक हिन्दू मंदिर है लेकिन इस सामान्य बात को मुस्लिम समुदाय स्वीकार करने को तैयार नहीं है। केंद्रीय पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट में विस्तार से भोजशाला से प्राप्त प्रमाणों का उल्लेख है। इसलिए अनुमान है कि न्यायालय का निर्णय हिन्दुओं के पक्ष में ही आएगा। यह अंदाजा मुस्लिम पक्षकारों को भी है इसलिए उसकी ओर से मामले को सर्वोच्च न्यायालय तक लेकर जाने के संकेत दिए जा रहे हैं। मुस्लिम पक्षकारों को यह बात ध्यान रखना चाहिए कि ऐसा करके मामले को कुछ दिन और खींचा जा सकता है लेकिन सत्य को नहीं बदला जा सकता है। सच को जितनी जल्दी स्वीकार कर लिया जाए, उतना ही अच्छा है।

शाओमी ने स्मार्टफोन बाजार में जमाई अपनी धाक, फिर बना नंबर 1, तीसरे नंबर पर सैमसंग

नई दिल्ली,21 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय स्मार्टफोन बाजार में चीन के मोबाइल ब्रांड शाओमी ने पुन: अपनी धाक जमा ली है। छह तिमाहियों बाद इस ब्रांड ने फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया है। शाओमी ने जून तिमाही में कोरिया की कंपनी सैमसंग को पीछे छोड़ दिया। सैमसंग अब वीवो के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई है। शाओमी की शिपमेंट में सालाना आधार पर सबसे ज्यादा 24प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जून तिमाही में शाओमी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 18प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 15प्रतिशत थी। वीवो दूसरे स्थान पर रहा। चार फीसदी की सालाना ग्रोथ के साथ उसकी बाजार हिस्सेदारी 18प्रतिशत पर बनी रही। तीसरे स्थान पर काबिज सैमसंग की शिपमेंट में 8प्रतिशत की गिरावट आई और उसकी बाजार हिस्सेदारी 17प्रतिशत रही। रियलमी और ओप्पो क्रमश: 12प्रतिशत और 11प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। केनालिस के आंकड़ों के मुताबिक, जून तिमाही में कुल मोबाइल शिपमेंट में सालाना आधार पर मामूली 1प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 36.4 मिलियन यूनिट रही। रिसर्च फर्म का अनुमान है कि आगामी त्योहारी सीजन और पूरे साल के दौरान शिपमेंट में 5प्रतिशत से कुछ अधिक की ग्रोथ हो सकती है। दूसरी तिमाही में शिपमेंट में सपाट ग्रोथ रही। आम चुनाव, कमजोर मौसमी मांग और देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण ऐसा हुआ।

टॉप पांच में से चार चीनी कंपनियों ने जून तिमाही में संयुक्त रूप से 59प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जो एक साल पहले 55 प्रतिशत थी। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, चीनी स्मार्टफोन ब्रांड्स शाओमी , वीवो, ओप्पो, रियलमी, ट्रांसन और मोटोरोला की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी जून तिमाही में बढ़कर 75प्रतिशत से अधिक हो गई। पिछले साल सितंबर तिमाही में यह 61प्रतिशत के निचले स्तर पर थी। जानकारों का कहना है कि शाओमी का फिर से टॉप पर आना और दूसरे चीनी ब्रांड्स का मजबूत प्रदर्शन इस प्रमाण है कि उनकी लोकप्रियता बरकरार है। चीन के मोबाइल कंपनियों पर टैक्स की चोरी समेत कई तरह की हेराफेरी के आरोप हैं। ईडी और कई दूसरी एंजेंसियां उनकी जांच कर रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

यात्रियों को पूरा किराया और वाउचर देगा एयर इंडिया, तकनीकी खराबी के बाद रूस में लैंड हुआ था विमान

नई दिल्ली । एयर इंडिया की तरफ से जारी पत्र में उल्लेख किया गया है, सैन फ्रांसिस्को की यात्रा के दौरान आपको हुई असुविधा के लिए कृपया हमारी ईमानदारी से क्षमा-याचना स्वीकार करें। हम पूरी तरह से समझते हैं कि पिछले 24 घंटे कठिन थे और इस दौरान हम आपके धैर्य के लिए कृतज्ञ हैं। आपकी सुरक्षा हमारे लिए हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और हमारे पायलटों ने क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे रूस पर एहतियाती लैंडिंग करने का निर्णय लिया। एयर इंडिया को ऐसे यात्रा अनुभव के लिए पछतावा है एयरलाइन ने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता यात्रियों को जल्द से जल्द सैन फ्रांसिस्को पहुंचाना था और इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों के सहयोग से राहत उड़ान भेजी। एयर इंडिया की तरफ से पत्र में लिखा गया, हालांकि हम आपके द्वारा झेले गए अनुभव को मिटा नहीं सकते, लेकिन अपने पछतावे को व्यक्त करने के लिए, हम आपकी यात्रा का पूरा किराया वापस कर देंगे और आपको एयर इंडिया पर भविष्य की यात्रा के लिए एक वाउचर प्रदान करेंगे। तकनीकी खराबी के बाद रूस में लैंड हुआ था विमान बता दें कि एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट के नई दिल्ली से उड़ान भरने के लगभग 30 घंटे बाद, यह तकनीकी कारणों से रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट होने के बाद अमेरिकी शहर के हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरी। नई दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट को 18 जुलाई को तकनीकी कारणों से रूस के अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट किया गया था। एयर इंडिया के पास क्रास्नोयार्स्क में नहीं है स्टाफ वहीं अपने अंतिम अपडेट में, एयर इंडिया ने घोषणा की कि फ्लाइट, जिसे अब अपडेट किया गया है, सैन फ्रांसिस्को में सुरक्षित रूप से पहुंच गई।

हिमाचल प्रदेश में सेब सीजन ने पकड़ी रफ्तार, हिमाचल की मंडी में भारी मात्रा में आने लगे रॉयल और अर्ली किस्म के सेब

शिमला । हिमाचल प्रदेश की मंडी में बागवान भारी मात्रा में सेब व अन्य फल लेकर मंडियों में पहुंच रहे हैं। राजधानी शिमला के ढली स्थित फल मंडी में करसोग और ऊपरी शिमला ठियोग, मतियाना, चौपाल इत्यादि क्षेत्रों से टाइडमेन सेब, सपर, गाला, जेड 1 व रॉयल सहित अर्ली किस्म का सेब पहुंचा। मंडी में फ़सल के अच्छे दाम मिलने से इन दिनों बाग़वानों के चेहरों पर रौनक देखने को मिल रही है। हालांकि महाराष्ट्र सहित देश के कई हिस्सों में बारिश ने मचाई तबाई का असर भी सेब को छोड़कर, अन्य फलों के दामों पर देखने को मिल रहा है। सेब सीजन अभी अपने शुरुआती दौर में है लेकिन जिन फसलों का सीजन अपने अंतिम दौर में उनके भावों में गिरावट आ गई है। हिमाचल के एक बागवान का कहना है कि सेब को तोड़ने में जल्दबाजी ना करें। बल्कि सेब को अच्छी तरह तैयार होने दे। तभी सेब के दाम अच्छे मिलते है। कई बागवान जल्दी के चक्कर में अपना नुकसान करवा देते है।

वैश्विक रुख और आम बजट से तय होगी शेयर बाजार की चाल, रुपए का उतार-चढ़ाव तथा कच्चे तेल का भाव भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल आम बजट, कंपनियों के तिमाही परिणामों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव तथा ब्रेंट कच्चे तेल के भाव भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार के लिए अगला सबसे महत्वपूर्ण कारक 23 जुलाई को पेश होने वाला आम बजट है। बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों के जारी रहने की उम्मीद है। कई अन्य कारक भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे। इनमें कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे, घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़े और व्यापक रूप से वैश्विक बाजार का रुख शामिल है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों (एफआईआई और डीआईआई) की गतिविधियां और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियों जैसे बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टुब्रो, डीएलएफ, टेक महिंद्रा और नेस्ले अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक बाजार विश्लेषक ने कहा कि बाजार की दिशा आगामी बजट से तय होगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही तिमाही नतीजों का सत्र रफ्तार पकड़ने जा रह है, जिससे बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। सभी की नजरें एचडीएफसी बैंक के शेयर पर रहेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संसद सत्र में...

इसलिए संसद में हंगामा होता है और सत्र ठीक से नहीं चल पाता। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने सर्वदलीय बैठक को लेकर कहा कि ये औपचारिकताएं हैं, हर सत्र से पहले ऐसी बैठकें बुलाई जाती हैं। बजट सत्र पर सभी दलों ने अपने सुझाव दिए हैं। कई दलों ने अपने-अपने राज्यों के मुद्दे उठाए हैं। मैंने जो सुझाव दिया है वो ये है कि सत्र बिना किसी रुकावट के सुचारु रूप से चलना चाहिए, जो कि अब एक परंपरा बन गई है कि व्यवधान पैदा किया जाता है और अराजकता फैलाई जाती है। सभी मामलों पर चर्चा और बहस होनी चाहिए, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से। डिप्टी स्पीकर के पद को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। मुझे लगता है कि सरकार को इस मुद्दे पर एक अलग बैठक बुलानी चाहिए जिसमें सरकार और विपक्ष एक साथ बैठकर चर्चा करें।

बैठक में चिराग पासवान और कांग्रेस से प्रमोद तिवारी और गौरव गोगोई भी शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आंध्र प्रदेश राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की है। कांग्रेस नेता ने बताया कि टीडीपी नेता इस मामले पर चुप रहे। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष पद की मांग की और साथ ही नीट का मुद्दा भी उठाया। जयराम रमेश ने दावा किया कि जदयू ने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। सत्तारूढ़ एनडीए में एक प्रमुख सहयोगी जेडीयू ने हाल ही में बिहार के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा या पैकेज की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। राजद सांसद ने संसद में विपक्षी सांसदों को भी बोलने की मंजूरी देने की अपील की। बीजू जनता दल ने भी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग रखी। बीजद ने सरकार को याद दिलाया कि भाजपा ने 2014 के घोषणा पत्र में ओड़ीशा को विशेष राज्य का दर्जा देने का ऐलान किया था।सर्वदलीय बैठक में विपक्षी सदस्यों की बातचीत से यह स्पष्ट हुआ कि संसद के कल से शुरू हो रहे सत्र में कई मुद्दे उठेंगे और उन पर जमकर हंगामा होना तय है। सत्र में उठने वाले मसलों में नीट यूजी पेपर लीक मामला शामिल होगा। हालांकि इस केस की जांच सीबीआई कर रही है और सीबीआई अब तक 12 गिरफ्तारियां कर चुकी है। 7 राज्यों की पुलिस ने भी 45 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एनटीए ने दोबारा रिजल्ट घोषित किया है। लेकिन विपक्ष, पिछले सत्र की तरह इस बार भी इस मुद्दे पर हंगामा कर सकता है। अग्निवीर का मुद्दा भी संसद में विपक्षी शोर का सबब बन सकता है और इस मसले पर विपक्ष सरकार को घेर सकता है। सरकार के सहयोगी दल जेडीयू के प्रवक्ता केसी त्यागी ने भी अग्निवीर पर बदलाव की मांग की है। सरकार ने 12 जुलाई 2024 को अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भर्ती में 10 फीसदी सीटें आरक्षित करने का फैसला किया। हरियाणा और उत्तराखंड में भी अग्निवीरों को राज्य की सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में तेज हुए आतंकवादी हमलों का मसला भी सदन में उठेगा। 2021 के बाद से अकेले जम्मू में 22 आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। इन 3 साल में 47 जवान शहीद हुए और 23 नागरिकों की मौत हुई। सरकार बनने के बाद से जून और जुलाई में जम्मू कश्मीर के राजौरी, डोडा, रियासी और कठुआ में 7 आतंकी हमले हो चुके हैं। इनमें 11 जवान भी शहीद हुए हैं। विपक्ष के पास यह एक बड़ा मुद्दा होगा। राहुल गांधी का अकेला एजेंडा मणिपुर फिर सदन को बाधित कर सकता है।

आज की सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नीट-यूजी का मुद्दा उठाया। साथ ही ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नाम पट्टिका का मुद्दा उठाया। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस के जयराम रमेश और के सुरेश, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, राजद के अभय कुशवाहा, जदयू के संजय झा, आपा के संजय सिंह, सपा नेता रामगोपाल यादव और राकांपा के प्रफुल्ल पटेल आदि नेता बैठक में मौजूद थे।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बैसाखियों पर टिकी है और संविधान, उसके मूल्यों और परंपराओं की हत्या कर रही है। जिस तरह संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, बेरोजगारी और महंगाई सरकार की नीतियों के कारण बढ़ रही है, जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में सेना और सुरक्षाबलों पर हमले हो रहे हैं और यह सरकार इन सबको कायरता के साथ तरह देख रही है, जिस तरह से इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के बलिदान का अनादर किया जा रहा है, ऐसे कई मुद्दे हैं जो लोगों से जुड़े हैं। हम इन सभी मुद्दों को उठाएंगे।

सीपीआई-एम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि संसद को ठीक से काम करना चाहिए और बहस और चर्चा होनी चाहिए, जो पिछले 10 वर्षों से नहीं हो रही है। हम चाहते हैं कि सरकार जमीनी हकीकत को समझे। बेरोजगारी दर अपने चरम पर है, लोग भूख से मर रहे हैं। राज्यों की शक्ति पर हमला हुआ है। बीजद ने ओड़ीशा राज्य के लिए कोयला रॉयल्टी में संशोधन का मसला उठाया। केंद्र से मिलने वाले धन के विलंबित हस्तांतरण और इस दिशा में काम करने की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया गया।

बैठक के बाद बीजद सांसद डॉ. सस्मित पात्रा ने कहा, बीजू जनता दल (बीजेडी) की ओर से हमने सर्वदलीय बैठक में कई मांगें रखी हैं। ओड़ीशा दो दशकों से भी अधिक समय से विशेष राज्य का दर्जा पाने से वंचित है। बिहार और आंध्र प्रदेश के राजनीतिक दलों ने भी अपने-अपने राज्यों के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा है। बीजद ने ओड़ीशा के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा है। दूसरा मुद्दा ओड़ीशा राज्य के लिए कोयला रॉयल्टी में संशोधन न किया जाना है। हमने केंद्र से मिलने वाले धन के घटते हस्तांतरण और इस दिशा में काम करने की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया। साथ ही ओड़ीशा के राज्यपाल के बेटे के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ओड़ीशा राज्य में कानून का पालन नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि ओड़ीशा के राज्यपाल रघुवर दास के बेटे पर राजभवन के कर्मचारी से मारपीट का आरोप है।संसद में सर्वदलीय बैठक के बाद वाईएसआरसीपी सांसद विजय साई रेड्डी ने कहा, सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आठ मुद्दे उठाए हैं। हमने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा मांगा है। राज्य को मिलने वाले करों में भी वृद्धि करने की मांग की गई है। हम विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। दक्षिण तटीय रेलवे जोन के लिए भूमि आवंटित की जानी चाहिए। ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए उचित कानून बनाया जाना चाहिए। वाईएसआरसीपी सांसद ने आंध्र प्रदेश में कानून व्यवस्था के बिगड़ने के आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। वाईएसआरसीपी ने कहा कि टीडीपी राज्य के मुद्दे नहीं उठा रही है और उसने समझौता कर लिया है।समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नाम पट्टिका का मुद्दा उठाया। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, ईडी और सीबीआई का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है, केजरीवाल को जेल में रखा गया है। मैंने ये पूरा मामला उठाया, हमारे दो मंत्रियों को गिरफ्तार करके जेल में रखा गया है, मैंने वो मुद्दा भी उठाया। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के दौरान नाम पट्टिका लगाने का मामला भारत के संविधान के खिलाफ है। ये इस देश के दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों के खिलाफ है।

संसद की ...

यह खर्चा सांसदों को मिलने वाली सैलरी, अलाउंस, संसद सचिवालय पर होने वाले खर्च, सचिवालय स्टाफ की सैलरी और सांसदों की सुविधाओं पर खर्च होता है। यानी जब-जब हंगामे के कारण संसद स्थगित होती है तो यह नुकसान आम जनता का होता है, क्योंकि जनता टैक्स के रूप में लाखों रुपए देती है।

संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। यह 12 अगस्त तक चलेगा। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में तीसरी बार सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला बजट है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को सदन में बजट पेश करेंगी जिसके बाद दोनों सदनों में चर्चा होगी।

सरकारी कर्मचारी...

केंद्र सरकार ने यह आदेश ऐसे समय में जारी किया है, जब कथित तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा में कुछ तनातनी की खबरें आती रही हैं। कुछ लोगों का मानना है कि भाजपा के असहयोगात्मक रुख के कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोकसभा चुनाव में पर्याप्त सहयोग नहीं किया, जिसके कारण भाजपा को बहुमत से दूर रह जाना पड़ा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी कुछ दिन पूर्व ही ऐसी टिप्पणी की थी, जिसे केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना के रूप में देखा गया था। लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता न हासिल करने पर राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के नेता इंद्रेश कुमार ने भी जनता के द्वारा अहंकारी लोगों को सबक सिखा दिए जाने की बात कही गई थी। उनकी यह टिप्पणी भी केंद्र सरकार के खिलाफ मानी गई थी। हालांकि बाद में उन्होंने भी अपने बयान से पल्ला झाड़ लिया था। जिस तरह का इस समय माहौल चल रहा है, लोकसभा चुनावों में मजबूत होकर उभरा विपक्ष इस आदेश को लेकर केंद्र पर हमलावर रुख अपना सकता है। सोमवार 22 जुलाई से ही संसद का सत्र आगे बढ़ाया जाएगा, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष के लिए बजट भी पेश किया जाने वाला है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी राजीव तुली ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के निर्माण में लगा हुआ संगठन है। यह पूरे देश में हर एक जगह पर काम करता है और समाज के किसी भी वर्ग से किसी प्रकार के भेदभाव के बिना इसमें सब के शामिल होने और राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करने की आजादी रहती है। संगठन समाज के सभी वर्गों को केवल भारतीय होने की दृष्टि से देखता है और सब की भलाई के लिए एक समान रूप से कार्यरत रहता है। ऐसे संगठन पर गलत मानसिकता से पूर्व की कांग्रेस सरकारों द्वारा लगाया गया प्रतिबंध बिल्कुल गलत था। यह जनभावनाओं का भी अपमान था। लोगों ने इसे अपने स्तर पर पहले ही अस्वीकार कर दिया था, अब गृह मंत्रालय ने इस तरह का आदेश देकर उन लोगों की मनोभावनाओं का सम्मान किया है, जो सरकारी सेवाओं में रहते हुए भी आरएसएस के साथ जुड़कर राष्ट्र निर्माण की अपनी इच्छा पूरी करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि अब ऐसे लोगों के लिए द्वार खुल गया है।

पांचजन्य के पूर्व संपादक एवं पूर्व सांसद तरुण विजय ने कहा कि पूरी दुनिया में आरएसएस एक राष्ट्र निर्माण करने वाले संगठन के रूप में देखा जाता है। केवल राजनीतिक विद्वेष के कारण पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर आरएसएस पर इस तरह के प्रतिबंध लगाए, जिससे लोगों को आरएसएस में शामिल होने से रोका जा सके। लेकिन इतिहास बताता है कि कांग्रेसी सरकारों की यह सोच कभी कामयाब नहीं हो पाई। लोग सरकारी नौकरी में रहकर भी आरएसएस से जुड़े और देश के लिए काम करते रहे। उन्होंने कहा कि आरएसएस लगातार आगे बढ़ता रहा और देश के साथ-साथ दुनिया के कोने-कोने में फैल गया।

तरुण विजय ने कहा कि कांग्रेसी सरकारों के आदेश की इससे बड़ी आलोचना और क्या हो सकती है कि जनता ने आरएसएस के दो कार्यकर्ताओं को देश का प्रधानमंत्री (अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी) बनाया। इसे आरएसएस की बड़ी सफलता मानी जाती है, लेकिन इसके बाद भी यह आदेश अब तक आधिकारिक रूप से बना हुआ था। इसे खारिज करके केंद्र सरकार ने स्वयं अपना भी मान बढ़ाया है। उन्होंने इस आदेश का स्वागत किया।

कई बार ...

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ 27 सितंबर 1925 को विजयदशमी के दिन आरएसएस की स्थापना की गई थी। लेकिन आजादी मिले एक साल भी नहीं गुजरा था कि उसे प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। गांधी की हत्या को संघ से जोड़कर देखा गया था। 18 महीने तक संघ पर प्रतिबंध लगा रहा। 11 जुलाई 1949 को तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के हस्तक्षेप पर संघ से प्रतिबंध हटा लिया गया।

संघ को दूसरी बार प्रतिबंध का समाना आपातकाल के दौरान करना पड़ा। 1975 में इंदिरा गांधी ने जब आपातकाल लगाया तो आरएसएस के लोगों ने इसका काफी विरोध किया था। इसके चलते बड़ी तादाद में स्वयंसेवकों को जेल भेज दिया गया था। आरएसएस पर 2 साल तक पाबंदी लगी रही। आपातकाल के बाद जब चुनाव की घोषणा हुई तो जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हो गया। 1977 में जनता पार्टी की सत्ता में आई तो संघ पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया।

संघ पर तीसरी बार प्रतिबंध 1992 में लगा। इस पर आरएसएस की पाबंदी की वजह अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहाने में भूमिका थी। इस बार 6 महीने के लिए उसे प्रतिबंध झेलना पड़ा। आरएसएस का दावा है कि उसके एक करोड़ से ज्यादा प्रशिक्षित सदस्य हैं। संघ परिवार में 80 से ज्यादा समविचारी या आनुषांगिक संगठन हैं। दुनिया के करीब 40 देशों में संघ सक्रिय है। मौजूदा समय में संघ की 56 हजार 569 दैनिक शाखाएं लगती हैं। करीब 13 हजार 847 साप्ताहिक मंडली और 9 हजार मासिक शाखाएं भी हैं। संघ में सदस्यों का पंजीकरण नहीं होता। ऐसे में शाखाओं में उपस्थिति के आधार पर अनुमान है कि फिलहाल 50 लाख से ज्यादा स्वयंसेवक नियमित रूप से शाखाओं में आते हैं। देश की हर तहसील और करीब 55 हजार गांवों में संघ की शाखाएं लग रही हैं।

जनसंख्या का बदलाव...

मजूमदार ने कहा कि अगर बायोलॉजिकल तरीके से आबादी बढ़ती तो बच्चे पैदा होते, बड़े होते और देश के नागरिक बनते। इस तरह से अगर डेमोग्राफी में परिवर्तन हुआ होता तो चिंता की बात नहीं रहती। लेकिन, बाहर से लाकर बसाए गए लोग चिंता के विषय हैं। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से डेमोग्राफी चेंज हुई है। इसकी योजना देश के बाहर कहीं से हो रही है। सुकांत मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आजादी के पहले और आजादी के बाद भी तीन जिले मुस्लिम बहुल थे। अब नौ जिले मुस्लिम बहुल हो गए हैं। उन्होंने कहा, ये कहां से हो रहा है? कैसे हो रहा है? इतनी जनसंख्या कैसे बढ़ रही है? प्राकृतिक तरीके से इस तरह से जनसंख्या नहीं बढ़ सकती है। उन्होंने कहा, आप डेटा देख लीजिए, डेटा तो साइंस है, आपको उसको अपनाना पड़ेगा, मतलब डेमोग्राफी चेंज हुई है और पूरी योजनाबद्ध तरीके से हुई है। और इसकी प्लानिंग यदि देश के बाहर से कहीं से हो रही है और भविष्य में यदि ऐसा कुछ निकला तो मैं आश्चर्य नहीं करूंगा।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रांची में एक सभी को संबोधित करते हुए कहा था कि असम में डेमोग्राफी बदलाव चिंताजनक है। उन्होंने कहा था कि यह विषय उनके लिए राजनीतिक नहीं, बल्कि जीवन और मरण का विषय है। सीएम सरमा ने कहा था कि अगर ऐसा ही रहा तो असम साल 2041 तक मुस्लिम राज्य बन जाएगा। रांची में हिमंत ने कहा था, असम की आबादी का हमने विश्लेषण किया तो पाया कि साल 1951 के राज्य में मुस्लिम आबादी 12 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 40 फीसदी पर पहुंच गई है। हिमंत बिस्व सरमा ने झारखंड में भीषण तेजी से बढ़ रहे जनसंख्या असंतुलन को लेकर भी गहरी चिंता जताई थी और कहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठिए तेजी से बढ़े हैं और वे आदिवासी युवतियों को फंसा कर लव जेहाद और लैंड जेहाद कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद से असम और बंगाल की जनसंख्या में भारी बदलाव हुआ है। इन दोनों राज्यों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बहुत बढ़ गई है। यह बदलाव खास तौर पर 1961 से 1991 के बीच हुआ। साल 1961 से 2011 के बीच में असमिया लोगों की जनसंख्या में बायोलॉजिकल तरीके से गिरावट दर्ज की गई जबकि राज्य की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है।

लव जेहाद और...

कि वे ऐसी सरकार चुनें जो घुसपैठ रोक सके। अगर घुसपैठ नहीं रुकी तो आदिवासियों की जमीन और जंगल दोनों खतरे में पड़ जाएंगे। घुसपैठ का मुद्दा आदिवासियों के लिए एक बड़ा सवाल है। कांग्रेस, हेमंत सोरेन और उनके मंत्री जिन्हें अभी गिरफ्तार किया गया है, ने झारखंड में घुसपैठ करके आदिवासियों के खिलाफ लव जेहाद, जमीन जेहाद और जंगल जेहाद को अंजाम दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के लिए राज्य के सीएम हेमंत सोरेन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे खुद को आदिवासी सीएम बताते हैं, लेकिन आदिवासियों की चिंता करने के बदले लैंड और लव जेहाद के जरिए उनकी जमीन लूटने वाले घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं। झारखंड में आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है। यह अत्यंत चिंता की बात है।

गृहमंत्री अमित शाह ने जनसभा में कहा, मोदी जी के नेतृत्व में आज देश का चहुंमुखी विकास हो रहा है, लेकिन हेमंत सोरेन सरकार की नाकामी के कारण झारखंड इस विकास यात्रा में पीछे छूट गया है। झारखंड की जनता ने इस बार प्रदेश में बदलाव का कमल खिलाने का संकल्प लिया है। आने वाले चुनाव में भाजपा के कार्यकर्ता मोदी जी के कार्यों से जन-जन को अवगत कराकर प्रदेश में परिवारवाद, भ्रष्टाचार व जातिवाद मुक्त सरकार बनाने वाले हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ भी अहम बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सभी से चुनाव में जुट जाने के लिए कहा। अमित शाह ने झारखंड प्रदेश कोर ग्रुप की बैठक में पदाधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि झारखंड को हेमंत सोरेन की सरकार ने केवल ठगने का काम किया है। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं ने यह ठान लिया है कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनाकर प्रदेशवासियों को उनका अधिकार दिलाएंगे और झारखंड को देश में नंबर 1 राज्य बनाएंगे।

भाजपा के इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्व सरमा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, झारखंड भाजपा के प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। केंद्रीय गृहमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि विस्तृत सम्मेलन में झारखंड के हर बूथ से कार्यकर्ता आए हैं। मैं आप सभी का मनपूर्वक अभिनंदन करता हूं, आपकी ताकत से ही झारखंड में भाजपा 9 सीटें जीती है।

कांग्रेस और जेएमएम पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा, झारखंड हमेशा से नक्सलवाद से पीड़ित राज्य था, लेकिन मोदी जी ने बिहार और झारखंड से नक्सलवाद को समाप्त किया है। इंडी अलायंस वाले कहते हैं कि हमने विकास किया है। हेमंत सोरेन जी, केंद्र में 10 साल कांग्रेस ने शासन किया और 10 साल भाजपा ने, आप हिसाब लेकर आइए, मैं तो भाजपा का हिसाब लेकर आया हूं। मैं झारखंड को आज बताने आया हूं कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाली सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। कांग्रेस के एक सांसद के घर से 300 करोड़ रुपए मिलते हैं। एक मंत्री के पीए के घर से 30 करोड़ मिलते हैं। कांग्रेस पार्टी जवाब दे कि यह पैसा किसका है? कांग्रेस ऐसे भ्रष्टाचारियों को लेकर चलती है और जेएमएम भी उनके साथ है।

नेमप्लेट लगाने...

नेमप्लेट लगाने का आदेश सबसे पहले मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा मार्गों पर पड़ने वाली दुकानों, भोजनालयों और ठेलों के लिए जारी किया गया था। बाद मे विरोध होने लगा तो राज्य सरकार ने इसे पूरे प्रदेश में लागू कर दिया। 22 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा से पहले वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के दुकानदारों को भी नेमप्लेट लगाने के लिए कहा गया है। उत्तराखंड के हरिद्वार और मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी यह नियम लागू कर दिया गया है। इतना ही नहीं, बिहार के बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर में स्थित दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानों के आगे नाम प्लेट लगा लिया है। उनका कहना है कि इससे उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं है। कई दुकानदारों का कहना है कि वे ऐसा पिछले 20 वर्षों से करते आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के इस निर्देश का विपक्ष दल विरोध कर रहे हैं। वे यूपी सरकार के इस आदेश को सांप्रदायिक बता रहे है और भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, भाजपा का कहना है कि हिंदुओं को भी अपनी आस्था की शुद्धता बनाए रखने का वैसे ही पूरा हक है, जैसे अन्य धर्मों के लोगों को है। कई विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। जबकि इस आदेश को पूरे देश में लागू करने की मांग उठ रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 22 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

आचार्य श्रीकांत महाराज के सान्निध्य में

शिष्यों द्वारा भव्य रूप से मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार, दि. 21 जुलाई को महेश्वरी भवन में परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्रीकांत जी महाराज पीयूष के सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया ।

इस अवसर सर्व प्रथम जगद्गुरु श्री चंद्र भगवान का अभिषेक पूजन किया गया। तत्पश्चात विद्वान ब्रहमणों द्वारा मंत्रोचार के साथ गुरुदेव का पाद पूजन सभी भक्तों एवं शिष्यों द्वारा किया और गुरुदेव भगवान की महाआरती कर सभी भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। आशीर्वाद स्वरूप सभी भक्तों को उज्जैन से लाये गये नर्मदेस्वर शिवलिंग सभी भक्तों को प्रदान किए गए। कार्यक्रम की इसी शृंखला में भजन गायक निलेश शर्मा द्वारा भजन प्रस्तुती दी गयी।

इस अवसर पर देश विदेश से भक्त पधारे जिसमें– गोपाल पांडेय, पंडित राजेश शर्मा, पंडित शिव शर्मा , आनंद वर्मा, सचिन सक्सेना, आदित्य लाह–ोटी,विनीत लाहोटी, अभिलाष शर्मा, अभिषेक शर्मा, रवी शर्मा,आनंद शर्मा, मुकेश भाटी, सुरेंद्र सिंह, लड्डू सिंह, कल्याण जयसवाल, जर्मनी से अक्षत भारद्वाज , उर्वशी भारद्वाज महाराष्ट्र से अश्विनी चौहान, श्री निवास चौहान, काजल सक्सेना , संजीव सक्सेना ,सम्पत तिदिमे ,अक्षरा तिदिमे ,स्वरा तिदिमे,धनश्री अहमदाबाद से दीपेश राव, दिल्ली से अरुण पाठक वृंदावन से नयन लावनियाँ महिला उत्थान फ़ाउंडेसन की अध्यक्षा दिव्या पाण्डेय एवम अन्य लोग उप–स्थित रहे । पूर्ण सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष गोपाल पांडेय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन पुराना पुल हैदराबाद पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव में पूरे तेलंगाना के शिष्यगढ़ सम्मिलित हुए। मां के दूध का कर्ज गौशाला श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन पुराना पुल हैदराबाद में परम गुरुदेव महंत योगी प्रशांत दास जी महाराज के पावन सानिध्य में गौ माता का पूजन और गौ माता लक्ष्मी का जलवा पूजन किया गया। साथ ही साथ 56 भोग का कार्यक्रम रखा गया। उसी के साथ भजनों का आनंद भी लिया गया। सभी गौ भक्तों के लिए भंडारा भी रखा गया। जिसमें नृत्य संगीत आदि कार्यक्रम हुए जिसमें सभी महिलाओं ने बहुत ही जोश के साथ भाग लिया। मुख्य रूप से चंचल और उनकी सभी टीम के मेंबर्स सम्मिलित थे।

महिलाओं ने भी बहुत उत्साह दिखाया जिसमें सरिता, नीतू, दीपाली, बरखा, प्रीति, गौरी, रजनी, बबीता, मोनिका, रेखा, राधिका, अंजू, अन्नू, नीतू और बिंदु आदि महिलाओं ने भाग लिया।

दादाजी योगा ग्रुप ने धूमधाम से मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दादाजी योगा ग्रुप के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा पर्व धूम–धाम से मनाया गया। कुत्बीगुड़ा स्थित किसना ग्रैंडुअर में मनाये गये गुरु पूर्णिमा पर्व पर नगरद्वय के वरिष्ठतम दम्पत्ति, योगाचार्य 102 वर्षीय रतनलाल जाजू और श्रीमती शांता देवी जाजू को सम्मानित किया गया।

साधकों ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया। अवसर पर रतनलाल जाजू के साथ योग शिक्षक रमाकांत अग्रवाल और श्याम मोदानी भी उपस्थित रहे।

साधकों में– रूप किरण और परिवार, प्रतिभा मालपानी, लीला मोदानी, सरोज, भारती, प्रदीप जाजू, अरुणा जाजू, डॉ सुषमा मंत्री, हिमांगी आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाया। श्रीमती चित्रा और कविता ने दादाजी योग ग्रुप की सेवाओं की भूरि–भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने दादाजी दम्पत्ति से प्रसाद ग्रहण किया। गौरतलब है कि दादाजी योगा ग्रुप की ओर से योग कक्षाएं प्रतिदिन नि:शुल्क संचालित किये जाते हैं।

58वां श्री गोपाल काला महोत्सव आयोजित

हैदराबाद , 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भावसार क्षत्रिय चैरिटेबल ट्रस्ट जियागुड़ा के तत्वावधान में विट्ठल रुकमाई देवालय प्रांगण में 58वां श्री गोपाल काला महोत्सव का आयोजन रविवार, दि. 22 जुलाई को किया गया।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें प्रातः 8.00 बजे से हवन पूजा हवन पूजा, प्रातः 11.00 बजे शोभा यात्रा, 11.30 बजे दही हांडी और दोपहर 1.00 बजे से महाप्रसादी एवं सायं 5.00 बजे महाआरती का आयोजन किया गया।एक दही हांडी मंदिर की ओर से केशव स्वामी के मठ तक लेकर जाया गया तथा उसे फोडकर सभी में प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात केशव स्वामी से मंदिर आकर श्री विट्ठल रुकमाई जी की आरती सायं 5.00 बजे की गई। इस वर्ष का आकर्षण फूल पार्टी, भजन, कीर्तन एवं महाप्रसादी का रहा। कार्यक्रम में शहर के सुप्रसिद्ध समाज सेवी गोपाल बल्दवा, वीएचपी नेता रमेश भाई, वेंकट राव महेंद्रकर, आंनद सुतारे, भावसार क्षत्रिय समाज महिला मंडल तेलंगाना अध्यक्ष विजय लक्ष्मी सुतारे, संगीता पाताले, शीतल नीमकर, कविता बासुतकर, ज्योति चुटके, कमल गदाले ने भाग लिया एवं पूजा–अर्चना की एवं प्रसादी ग्रहण किया। कार्यक्रम में ट्रस्टी अध्यक्ष डॉ. प्रशांत नीमकर, उपाध्यक्ष जयहिंद राव पासुकर, महासचिव वसंत बासुतकर, सचिव मनोहर चोरकर, कोषाध्यक्ष बाबू राव तापसे व अनेक भावसार सदस्यों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने अपनी पत्नी के साथ रविवार को बोनालू के अवसर पर उज्जैनी महाकाली मंदिर का दौरा किया और मां महाकाली के दर्शन कर उन्हें बोनम अर्पित किया।

महाकाली यात्रा और बोनालू उत्सव में उमड़े श्रद्धालु

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद में रविवार को शुरू हुई वार्षिक महाकाली यात्रा और बोनालू उत्सव के अवसर पर एक सदी से भी अधिक पुराने श्री महाकाली मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े।

शहर के विभिन्न हिस्सों से पारंपरिक परिधानों में सजी हजारों महिलाएं अपने सिर पर बोनम (दूध और गुड़ के साथ पकाया गया चावल) से भरे पीतल और मिट्टी के बर्तन लेकर आईं। वे बोनम चढ़ाने और मंदिर में देवी महाकाली की विशेष पूजा करने के लिए कतार में खड़ी नजर आईं। पुलिस ने श्रद्धाल–ओं के लिए छह कतारें बनाने सहित व्यापक व्यवस्था की है।

कतारों में से दो विशेष रूप से महिलाओं के लिए है और मंदिर के आसपास की कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंध लगाए गए। स्वयंसेवक और पुलिस कर्मियों को मंदिर के पास भक्तों को निर्देशित और उनकी मदद करते देखा गया। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने तड़के सरकार की ओर से देवी को पहला बोनम भेंट किया। रेशमी कपड़े भी भेंट किए गए।

बाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी रेशमी कपड़े भेंट कर देवी महाकाली की पूजा–अर्चना की। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंदिर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और टीमें तैनात की गई हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उज्जैनी महाकाली मंदिर में दो दिवसीय उत्सव में लगभग नौ लाख श्रद्धालु शामिल होंगे।

अनंत है गुरु की महिमा : पं. दिनेश शास्त्री

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्रवण कुमार कथा में विशेष कार्यक्रम के रूप में गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें पंडित दिनेश शास्त्री द्वारा माता–पिता पूजन कराया गया। सभी भक्तों ने अपने माता पिता की पूजा की तत्पश्चात सुंदर काण्ड पाठ किया गया।

गुरुपूर्णिमा पर दिनेश शास्त्री जी ने कहा कि अनंत है गुरु की महिमा। उन्होंने कहा कि गुरुपूर्णिमा के दिन गुरु का दर्शन, गुरु का पूजन वर्षभर की पूर्णिमाएँ मनाने का पुण्य देता है । दूसरे पुण्य के फल तो सुख देकर नष्ट हो जाते हैं लेकिन गुरु का दर्शन और गुरु का पूजन अनंत फल को देनेवाला है ।

पौराणिक काल से ही गुरु ज्ञान के प्रसार के साथ–साथ समाज के विकास का बीड़ा उठाते रहे हैं। गुरु शब्द दो अक्षरों से मिलकर बना है– 'गु' का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान) एवं 'रु' का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी

अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं। हमारे जीवन के प्रथम गुरु हमारे माता–पिता होते हैं। जो हमारा पालन–पोषण करते हैं, सांसारिक दुनिया में हमें प्रथम बार बोलना, चलना तथा शुरुवाती आवश्यकताओं को सिखाते हैं। अतः माता–पिता का स्थान सर्वोपरि है। भावी जीवन का निर्माण गुरू द्वारा ही होता है।

शास्त्रों में गुरु का महत्त्व बहुत ऊँचा है। गुरु की कृपा के बिना भगवान् की प्राप्ति असंभव है। गुरु के मन में सदैव ही यह विचार होता है कि उसका शिष्य सर्वश्रेष्ठ हो और उसके गुणों की सर्वसमाज में पूजा हो।

आज के आधुनिक युग में भी गुरु की महत्ता में जरा भी कमी नहीं आयी है। एक बेहतर भविष्य के निर्माण हेतु आज भी गुरु का विशेष योगदान आवश्यक होता है। गुरु के प्रति श्रद्धा व समर्पण दर्शित करने हेतु 'गुरु पूर्णिमा' का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन गुरु का पूजन करने से गुरु की दीक्षा का पूरा फल उनके शिष्यों को मिलता है। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध समाजसेवी गोपाल बल्दवा का स्वागत एवं सम्मान किया गया। पंडित शास्त्री जी ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की 39वीं मीटिंग आयोजित की गई। यह मीटिंग हर रविवार को समाज कार्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 1-30 तक निरंतर होती है। इसके अतिरिक्त कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल के निवास बंजारा हिल्स में प्रतिदिन 11 बजे से सायं 5 बजे तक होती है जिसमे कोई भी अभिभावक उनसे 9396222880 पर संपर्क कर समय लेकर अपने बालक-बालिकाओं के बायोडेटा दे सकते हैं तथा उनका संज्ञान ले सकते हैं। हमारी मैरेज डेटा कमेटी सभी अग्रबंधुओं से विशेषकर सभी शाखाओं के पदाधिकारियों से आग्रह करती है कि वे अपनी अपनी शाखाओं में मुहिम चलायें की विवाह योग्य बालक-बालिकाओं के बायोडेटा समाज में उपलब्ध करवाएँ तथा उसका पूरा लाभ प्राप्त करें।

कमेटी विशेषकर सभी महिला शाखाओं से आग्रह करती है कि इस कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करें। कमेटी सभी शाखाओं के सदस्यों को विनम्र आग्रह करती है कि इस निःशुल्क सेवा का पूर्ण लाभ प्राप्त करें। सदस्य अपने सुझाव से भी कमेटी का मार्गदर्शन करें। समाज के इस सत्र में अगस्त 2023 से अभी तक 122 रिश्ते नक्की हुए हैं। कमेटी की अगली बैठक रविवार 28 जुलाई को समाज के कार्यालय में आयोजित की जाएगी। बैठक में अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सतीश कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, अशोक कुमार दादरीवाले, समाज द्वारा निःशुल्क एक्यूपंक्चर डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा के अतिरिक्त समाज के बालक -बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित रहे।

द.भा. अग्रवाल समाज की बैठक और नूतन टीम का चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की बैठक और नूतन टीम का चुनाव होटल सिटाडेल में संपन्न हुआ। डॉ श्रीकृष्ण मित्तल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया । उन्होंने श्री श्याम चौधरी को महा सचिव, अरुण सुल्तानिया को कोषाध्यक्ष, सीताराम अग्रवाल चेन्नई को प्रथम उपाध्यक्ष, एमडी अग्रवाल गोवा द्वितीय उपाध्यक्ष, सुभाष अग्रवाल हैदराबाद चेयरमैन, मंगल चंद अग्रवाल आईपीपी, भूतपूर्व अध्यक्ष हरिशंकर भावसिंहका, सज्जन रूंगटा, रामनिवास गुप्ता, संतोष पटवारी

और बिपिनराम अग्रवाल मार्गदर्शक, सतीश मित्तल जैन बैंगलोर, सलाहकार, महेश अग्रवाल हैदराबाद गौसेवा समिति संयोजक, बनवारीलाल गोएनका बेल्लारी और पंकज आर्य मैसूर सह सचिव तथा सभी संबद्ध समाजों के अध्यक्ष तथा सचिव पदेन कार्यसमिति सदस्य की घोषणा की।

डॉ. मित्तल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में विवाह, शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक कार्यों के अलावा स्किल डेवलपमेंट, अग्रवाल बच्चों को नोकरी और अग्रवाल संस्थाओं में उनकी नियुक्ति पर कार्य करने की घोषणा की। महासचिव श्याम चौधरी ने अग्रवाल परिवारों की सहयातार्थ एक ट्रस्ट का सुझाव दिया उपरोक्त सभी घोषणाओं को सर्वसम्मति से पारित किया गया। धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन तेलंगाना की ओर से रविवार सुबह आराधना सिंह सोलंकी का स्वागत किया गया, जिसमे राजपूत समाज के सभी भाइयों ने भाग लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष ठाकुर गणेश सिंह, ठाकुर राजन सिंह, ठाकुर रणजीत सिंह बीजेपी लीडर, ठाकुर रघुनंदन सिंह ट्रस्टी, ठाकुर बजरंग सिंह, विश्वजीत सिंह राजपूत, ठाकुर राजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री जी. किसन रेड्डी को पुष्पगुच्छ और शॉल से स्वागत करते हुए रघुनंदन यादव, विंध्यांचल ब्राम्हण संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, विजय आनन्द यादव, हितेश यादव, प्रियांशु पाण्डेय व अन्य।

गणेश मन्दिर चादरघाट में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में आचार्य सत्यप्रकाश महराज के नेतृत्व में गुरु दीक्षा एवं सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया। अवसर पर भजन गायक सतीश त्रिपाठी, देवेन्द्र शर्मा, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, सचिव नीरज तिवारी, ओम प्रकाश तिवारी, महेश गोतम, घनश्याम द्विवेदी, राजन शुक्ला, मानेंद्र शुक्ला, सोनू मिश्रा, वेद प्रकाश तिवारी, रमेश मोदानी, भरत अग्रवाल, राम डालियां, बजरंग डोकानिया, महावीर प्रसाद डूकानिया, भगवती अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

चारमीनार चैप्टर ऑफ आईसीएएस का गुरु पूर्णिमा महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चारमीनार चैप्टर ऑफ आईसीएएस का गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम राजर्सनी युवा समाज सभागृह, कसारहट्टा में बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम भगवान श्री गणेश, माँ सरस्वती, ऋषि पाराशर एवं समस्त देवी-देवताओं का पूजन किया गया। तत्पश्चात डॉ. सुभाष चंद्र पांडेय ने अपने गुरुओं का पूजन किया और शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों ने शिक्षकों का, गुरुओं का पूजन किया। अवसर पर पधारे हुए अतिगिणों एवं आईसीएएस के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। सभी ने अपने वक्तव्य में डॉ. सुभारू चंद्र पांडेय की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उनके पुरुषार्थ एवं चारमीनार चैप्टर की उज्जवल भविष्य की कामना की। पांडेय जी ने अपने वक्तव्य में सनातन धर्म के संरक्षण ज्योतीष के महत्व एवं ज्योतिष के नाम पर लूट मचाने वालों से सावधान रहने के लिए कहा एवं उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किये। कार्यक्रम में चारमीनार चैप्टर के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

मंच का संचालन मनोज कुमार शर्मा ने किया। सभी के अनुरोध पर पांडेय जी ने अपनी मधुर वाणी में भजनों की प्रस्तुति दी। सभा का समापन चैप्टर की मंत्री प्रेमलता सिंह पटेल के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

आर्य कन्या विद्यालय प्राइमरी सेक्शन की प्रधान संचालिका राज्य श्रीलक्ष्मी सेवानिवृत्त

हैदराबाद , 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

1923 को स्थापित आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल में कार्यरत प्राइमरी सेक्शन की प्रधान संचालिक श्रीमती राज्यश्रीलक्ष्मी अपने 35 वर्षों के बाद सेवानिवृत्ति हो गई। इसी उपलक्ष्य में आर्य कन्या विद्यालय में उनके दीर्घ सेवा काल के अमूल्य योगदान पर विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सेवानिवृत्ति हुए अध्यापकों ने वर्षा के मौसम और लगातार हो रही बारिश में भी दूर-दूर से पधार कर भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रातः काल पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री जी के संचालन में यज्ञ किया गया और श्रीमती राज्यश्रीलक्ष्मी के भविष्य के लिए

आशीर्वचन दिया।

समारोह में वरुधिनी, माधुरी, गीता, चंद्रकला, विद्यावती, सुनीति, प्रेम वर्मा, इंदिरा, गुना ज्योति, पदम सिंह, प्रमिला, नागेश्वरी, शकुंतला, पदमा, उमा, सुधा, सरिता, प्रदीप जाजू, भक्त राम, प्रताप रूद्र, लक्ष्मी, फुलम्मा, सिद्धाया, अनीता, राजेंद्र, चित्रा, मालिनी, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, सुधा ठाकुर, शोभा देशपांडे, प्रशांति, श्रुतिकांत भारती, रामचंद्र राजू और राज्यश्रीलक्ष्मी के परिजनों में भाई बीएस तरुण संदीप आयंगार, सुपुत्री के. पद्मावती, नवासी के. सृजना, नवासे के. श्रीवास्ता, के. श्रीहर्षा तथा स्कूल के विद्यार्थीयों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य अध्यापिका उमा ने किया और शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात सभी को भोजन कराया गया।

श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू महोत्सव का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू महोत्सव श्री श्री श्री दरबार मैसम्मा व महाँकाली मैसम्मा देवालय ट्रस्ट बोर्ड और बोनालू उत्सव समिति के चेयरमैन श्री टी. अमर सिंह की अध्यक्षता में भव्य शुभारंभ हुआ है। श्री तुलजा भवानी मंदिर भांजावाड़ी और श्री दरबार मैसम्मा कारवान में प्रातः 11-30 बजे से श्री दरबार मैसम्मा कारवान बोनालू महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न होने के लिए माता जी के घटम की विधिवत पूजा-अर्चना, महिलाओं द्वारा माता जी की गोद भराई का कार्यक्रम, श्री तुलजा भवानी मंदिर और श्री दरबार मैसम्मा कारवान में बकरों की बली के कार्यक्रम संपन्न हुए। श्री तुलजा माता भवानी मंदिर से श्री दरबार मैसम्मा मंदिर तक घटम यात्रा निकाली गयी। प्रतिदिन घटम यात्रा का कार्यक्रम संपन्न होगा, जिसमें माता जी के घटम को उठाकर भक्त कारवान क्षेत्र के घर-घर तक ले जाएँगे और भक्तजन माता जी के दर्शन कर पानी के छाँके डालकर माता जी

के कृपा पात्र बनेंगे। श्री दरबार मैसम्मा मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री टी. गोविंद सिंह ने बताया कि इस वर्ष 2024 का श्री दरबार मैसम्मा कारवान सामूहिक बोनालू महोत्सव जो 21 से 29 जुलाई तक संपन्न होगा, उसे हर्षोल्लास वातावरण में भक्तिभावना और श्रद्धापूर्वक भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। बोनालू तेलंगाना का प्रमुख त्यौहार है जो सावन के महीने में मनाया जाता है। इस महीने में माताओं की उपासना की जाती है। श्री टी. अमर सिंह ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बोनालू महोत्सव को शांतिपर्वूक अमन-शांति के साथ मनाने का सभी भक्तों से निवेदन किया है।

जहां गुरु-गुरुणी की मेहर वहाँ लीला लेहर : साध्वीरत्न देवेंद्रप्रभा म.सा

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महान चमत्कारी कलिकाल सर्वज्ञ पूज्य श्री जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य श्री पुष्करमुनिजी म.सा,श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ.श्री शिवमुनिजी म.सा , महाश्रमण पूज्य श्री जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया श्री शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया श्री चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी श्री धर्मज्योतिजी म.सा , नवदीक्षित साध्वी श्री प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे है।

यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में संघ के गौतम कोठारी ने बताया कि चातुर्मास के दित्तीय दिवस का शुभारंभ पावन प्रसंग गुरु पूर्णिमा के साथ हुवा.पुष्कर-शील-चन्दन दरबार में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अनिल भंसाली, आध्या-अनिशा कोठारी एवं श्रमण संघीय महिला मंडल फीलखाना द्वारा गुरु के प्रति अपने भाव गीतिका के माध्यम से दिया।

पूज्य साध्वी प्रियांशश्रीजी म.सा ने अपने उदबोधन में कहा कि कर्म राजा सिर्फ इतना ही केहता है कि अपने गुरु-गुरुणी को गुरु के रूप में अपना लेना चाहिए। जितनी अपनी हैसीयत है जितना हम कर सकते है हमारे गुरु उतना ही हमे करने के योग समझते हुवे करने के लिए कहेंगे।

साध्वी धर्मज्योति म.सा ने अपनी अमृतमय जिनवाणी के माध्यम से गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु के गुणगान करते हुवे कहा कि:

तेरे बिना गुरुवर हमारा न कोई...
निशदिन तेरा ही ध्यान लगाऊ...
तेरी महिमा सब को सुनाऊ...
तेरे जैसा लाड़ लड़ाया ना कोई रे...

पूज्य महासतीजी ने बताया कि एक चौराहा

के ऊपर दो व्यक्ति खड़े है। एक मनुष्य वहाँ से गुज़र हुवे सोचता है कि किसको मानु और किसको नमन करूँ. शास्त्र हमारा महान है। हमे चिंतन करना है कि हमारे सामने भी दो लोग है एक है अरिहन्त भगवंत और दूसरे है सिद्ध भगवंत। उपकारों के माध्यम से पहले सिद्ध भगवंत है पर हम पहले अरिहन्त भगवंत को मानते है। साध्वीरत्न देवेंद्रप्रभा म.सा ने अपना उदबोधन में कहा कि गुरु भक्त को भिन्न-भिन्न मंत्रो की आवश्यकता नही होती. गुरु के नाम मे हज़ारो मंत्रो से ज़्यादा शक्ति होती है। हमें यह सोचना है कि एक राज्य पर राज करने वाले पर सिर्फ एक ही छत होती है परंतु हमारे तीर्थंकर प्रभु जो सारे जगत पर राज करते है उनके उप्पर तीन तीन छत होती है। तीर्थंकर त्रिलोकीनाथ है, तीन राज्य तीन लोक के नाथ है जिन्होंने जीव को भावी आत्मा बनने के तीन मार्ग बताए है और वो है सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन व सम्यक चरित्र. जो भी प्राणी यह तीनों मार्ग को अपनाकर अपने जीवन मे धर्म करता वो इस संसार में लोकप्रिय बन जाता है. सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन व सम्यक चरित्र हमारे जन्म-मरण के चक्कर में जीवन को तोडने वाले मार्ग है. आगे बताया कि माता-पिता उपकारी है, उन्होंने तीन दान दिए- जन्मदान,जीवनदान और संस्कारदान पर गुरु माह-उपकारी है उन्होंने हमें ऐसे तीन दान दिये वो है समझदान,सद्गुणदान और समाधिदान।

धर्म सभा का संचालन करते हुवे संघ के मंत्री दिलीप गादिया ने धर्म सभा मे पधारे सभी का स्वागत किया और गुरु गुणगान करते हुए बताया कि गुरु पूर्णिमा का पावन प्रसंग पर श्री जैन महिला मंडल.मलकपेट द्वारा गुरु भक्ति प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कई लोगो ने भाग लिया। आगे बताया कि आगमी 23 जुलाई से 18 अगस्त तक गौतमस्वामी लब्धि एकान्तर तप जिसमे एक उपास-एक पारणा की कड़ी रहेगी।

सभी तेले-बेले तप के पारणे के व्यवस्था सोमवार को प्रातः श्री संघ के भोजनशाला में रहेंगे।सम्पूर्ण चातुर्मास में एखासन व आयंबिल का लाभ श्रीमान तेजराजजी गौतमचन्दजी अजयजी संजयजी श्रीमाल कोठारी परिवार मलकपेट वालों ने लिया।

कार्यक्रम के पश्चात नेमीचन्द प्रवीणजी कमलजी मोहितजी मोक्षजी सिद्धिजी सिंघवी परिवार दिलसुखनगर वालों की ओर से गौतमप्रसादी लाभ लिया और लाभार्थी परिवार का शॉल, छल्ला, माला व चुंदड़ी से स्वागत गिरिराज सिंघी, गौतमचन्द कोठारी, ज्ञानचन्द कोचेटा, संगीता कोठारी, ज्ञानाबाई कोठारी द्वारा किया गया।

धर्म सभा में त्रयनगर के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 250-300 धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित होकर और संघ की शोभा बढ़ाई।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यसमिति समिति की बैठक का आयोजन रविवार को सिटाडेल होटल्स एंड कन्वेंशंस गगन पहाड़ रोड शमशाबाद हैदराबाद में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष बाग़डोरिया रहे जिनकी गरिमामय उपस्थिति में संगठन के राष्ट्रीय चेयरमेन प्रदीप मित्तल के नेतृत्व में एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. आर. एन. गुप्ता, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सियाराम अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री गिरीश मित्तल, राष्ट्रीय महामंत्रीराजेश भारुका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. राम बाबू सिंघल, राष्ट्रीय चेयरमैन राजेश गुप्ता, मुख्य संयोजक डॉ. अजय अग्रवाल, रिटायर्ड आईएएस विनोद अग्रवाल, एडीजी सीपीडब्ल्यूडी डॉ. शिशिर बंसल, दक्षिण भारत के गणमान्य अग्रबंधुओं में हैदराबाद से दुर्गा प्रसाद नरेठा, नरेश कुमार चौधरी, मनीष अग्रवाल, कपूरचंद अग्रवाल, सुरेश कुमार सिंघल सहित भारी संख्या में सम्मानित अग्रबन्धु मौजूद रहे। बैठक के दौरान आयोजित प्रथम सत्र एवं द्वितीय सत्र में भविष्य की सामुदायिक विकास परियोजनाओं के बारे में, संगठन के वित्तीय बजट आबंटन पर, अपने क्षेत्रों में अग्रणी प्रतिष्ठित वक्ताओं एवं समाज के उच्च पदो पर पदस्थ अधिकारियों का सम्मान करने एवं संगठन में अधिक से अधिक लोग जुड़ें इस हेतु सदस्यता अभियान चलाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में सभी प्रदेशों के प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए। सम्मान समारोह में अपने-अपने क्षेत्रों में अग्रणी एवं दिग्गज दो दर्जन से अधिक अग्रबंधुओं को सम्मानित किया गया।

एआईआरएफ और एनएफआईआर ने जारी किया संयुक्त बयान, कहा-

गैर-रेलवे यूनियनों-संगठनों द्वारा भारतीय रेलवे पर की गई टिप्पणियां निंदनीय और भ्रामक

सराहना करने के बजाय रेल कर्मचारियों का मनोबल गिराने वाली टिप्पणियां दुखद

हैदराबाद/नई दिल्ली, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन (एआईआरएफ) और नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर) ने कुछ संगठनों की ओर से रेलवे को लेकर की गयी टिप्पणियों को भ्रामक करार दिया है और कहा है कि इससे रेलवे के बारे में भ्रम और अविश्वास की गुंजाइश पैदा हो गई है।एआईआरएफ और एनएफआईआर ने रविवार को संयुक्त बयान जारी कर कहा कि कुछ संगठनों की ओर से भारतीय रेलवे को लेकर एक वक्तव्य जारी किया गया है, जिससे रेलवे के बारे में भ्रम और अविश्वास की गुंजाइश पैदा हो गई है। बयन में कहा कि रेलवे के सभी कर्मचारी ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए अपनी क्षमता के अनुसार दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं। यह बात साल दर साल ट्रेन दुर्घटनाओं में कमी से स्पष्ट होती है। बयान में कहा गया कि भले ही दुर्घटना का प्रथम दृष्टया कारण बता दिया गया हो, लेकिन रेलवे में होने वाली हर दुर्घटना के बाद हमेशा नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) या बहु-विषयक टीम द्वारा दुर्घटना के कारण का पता लगाने और उपचारात्मक उपाय सुझाने के लिए विस्तृत जांच की जाती है, जिसके आधार पर कार्रवाई की जाती है। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों महासंघ (एआईआरएफ और एनएफआईआर) सुरक्षा मानकों को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी देते रहे हैं। कुशल और मेहनती रेलवे कर्मचारी देश के लोगों को परिवहन का सबसे सस्ता साधन उपलब्ध कराते हैं। हम गर्व से कहते हैं कि हम यात्रियों की सुरक्षा और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए काम करना जारी रखते हैं। हालांकि यह दुखद है कि रेलवे कर्मचारियों की कड़ी मेहनत की सराहना करने के बजाय, रेलवे कर्मचारियों का मनोबल गिराने वाली टिप्पणियां की जा रही हैं। बयान में कहा गया कि बेशक, काम की कठोरता को कम करने के लिए कर्मचारियों की कार्य स्थितियों में सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है। हम चीजों को और बेहतर बनाने के लिए सभी स्तरों पर नियमित बैठकें और बातचीत कर रहे हैं। दोनों फेडरेशनों की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हाल के वर्षों में 05 लाख से अधिक कर्मचारी रेलवे में शामिल हुए हैं। साथ ही हाल ही में 1.5 लाख उम्मीदवारों को नियुक्त करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है और 18,000 से अधिक लोको पायलटों की भर्ती के लिए कार्रवाई शुरू हो गई है। वार्षिक परीक्षा कैलेंडर प्रकाशित करने की लंबे समय से लंबित मांग को स्वीकार कर लिया गया है और जूनियर इंजीनियर, तकनीशियन आदि जैसी श्रेणियां भी भर्ती की पाइपलाइन में हैं। भारतीय रेलवे में प्रशिक्षण की एक अच्छी तरह से स्थापित प्रणाली है। सभी रेलवे कर्मचारी भारतीय रेलवे के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में रिफ्रेशर कोर्स, सुरक्षा पाठ्यक्रम, उपकरण पाठ्यक्रम आदि के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण लेते हैं। जब भी नई तकनीक लागू की जाती है, तो लोको पायलटों को प्रशिक्षण/परामर्श के बाद योग्यता प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। बयान में कहा गया, रेलवे 12 लाख कर्मचारियों वाला एक विशाल संगठन है। इस संगठन की कार्यप्रणाली बाहरी लोगों को आसानी से समझ में नहीं आती। ऐसे जटिल कार्य परिदृश्य में, कार्यप्रणाली को समझे बिना, जाने-अनजाने में की गई प्रतिकूल टिप्पणियां राष्ट्र के समग्र हित में नहीं हो सकती हैं। इसलिए महासंघ व्यक्तियों और संगठनों से राष्ट्र के समग्र हित के लिए रचनात्मक तरीके से सहायता करने की अपील करता है। दोनों फेडरेशनों की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हम गैर-रेलवे यूनियनों/संगठनों आदि द्वारा जारी किए गए बयानों की सराहना नहीं करते हैं, क्योंकि ये बयान आम लोगों के मन में आशंका और डर का माहौल पैदा करेंगे। बयान में कहा गया कि एआईआरएफ और एनएफआईआर रेलवे कर्मचारियों के सच्चे प्रतिनिधि हैं। हम सभी श्रेणियों के रेलवे कर्मचारियों की चिंताओं/मुद्दों को संतोषजनक निवारण सुनिश्चित करने के लिए उठाते हैं। हम रेलवे कर्मचारी एक टीम के रूप में रेलवे के सुरक्षित संचालन और राष्ट्र की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रील के लिए बाइक स्टंट करते समय गिरने से युवक की मौत

हैदराबाद,21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंस्टाग्राम रील्स की सनक ने हैदराबाद के बाहरी इलाके हयात नगर में एक युवक की जान ले ली और एक अन्य को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

राचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय के हयंत नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत पेड्डा अंबरपेट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल पर स्टंट कर रहा एक युवक दुर्घटना का शिकार हो गया। युवक इंस्टाग्राम रील्स के लिए स्पोर्ट्स बाइक पर स्टंट कर रहा था। इस दौरान उसने नियंत्रण खो दिया और दोनों गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिव, जो पीछे की सीट पर सवार था और उसने हेलमेट नहीं पहना था की रविवार को मौत हो गई। बारिश के कारण सड़क गीली थी और आशंका है कि बाइक फिसल गई, जिससे यह हादसा हुआ। हैदराबाद और उसके आसपास व्यस्त सड़कों पर मोटरसाइकिलों पर कई युवा स्टंट करते देखे जाते हैं।

कुछ लोग सिर्फ रोमांच के लिए नहीं बल्कि अधिक लाइक पाने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए स्टंट करते हैं। वे आईटी गलियारे की चौड़ी सड़कों और शहर के चारों ओर राजमार्गों पर जोखिम भरे स्टंट करते हुए अपनी हाई-एंड मोटरसाइकिलों का प्रदर्शन करते हैं।

हाईटेक सिटी, गच्ची बावली और आईटी कॉरिडोर के अन्य हिस्सों में रात के दौरान बाइक स्टंट एक आम दृश्य है। युवा शहर के मध्य में हुसैन सागर के आसपास की सड़कों पर बाइक रेसिंग में भी शामिल होते हैं। नागरिकों का कहना है कि बार-बार चेतावनियों और तीनों पुलिस आयुक्तालयों में पुलिस की सख्ती के बावजूद समस्या बनी हुई है, जिससे अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन के लिए खतरा पैदा हो रहा है और ध्वनि प्रदूषण हो रहा है।

वरंगल रैली के लिए सोनिया, राहुल को आमंत्रित करने सीएम रेवंत दिल्ली पहुंचे

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी रविवार को फसल ऋण माफी के लिए आभार व्यक्त करने के लिए वरंगल में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व को आमंत्रित करने के लिए दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर रवाना हुए।

चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार 2 लाख रुपए तक के फसली ऋण माफ करने की योजना शुरू करने के कुछ दिनों बाद, मुख्यमंत्री इस महीने के अंत में होने वाली बैठक के लिए केंद्रीय नेताओं को आमंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी गए हैं। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। मुख्यमंत्री रविवार को लश्कर बोनालु के अवसर पर सिकंदराबाद के उज्जैनी महांकाली मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुए। सीएम और डिप्टी सीएम दोनों के राहुल गांधी, सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव के.सी. से मिलने की संभावना है। वेणुगोपाल राज्य की ताजा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करेंगे।

रेवंत रेड्डी और विक्रमार्क केंद्रीय नेतृत्व को भारत

राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने, कृषि ऋण माफी योजना के कार्यान्वयन और विधानसभा चुनावों के दौरान दी गई अन्य गारंटी के बारे में जानकारी देंगे। मार्च से अब तक बीआरएस के कम से कम 10 विधायक कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। इससे 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस पार्टी की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। चूंकि विधानसभा सत्र का बजट सत्र 23 जुलाई से शुरू हो रहा है, इसलिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों 22 जुलाई को हैदराबाद लौट आएंगे।

18 जुलाई को फसल ऋण माफी योजना शुरू करते समय, मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि वह उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ सोनिया गांधी और राहुल गांधी का आभार व्यक्त करने के लिए दिल्ली जाएंगे और उन्हें वारंगल में एक धन्यवाद सार्वजनिक बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे। आर्ट्स कॉलेज जहां पार्टी ने कर्जमाफी का वादा किया था। राहुल गांधी ने 6 मई, 2022 को वारंगल में एक सार्वजनिक बैठक में किसानों की घोषणा में 2 लाख रुपये की कृषि ऋण माफी योजना की घोषणा की। उन्होंने याद दिलाया कि सोनिया गांधी ने 17 सितंबर, 2023 को छह वादे किए थे और इसमें कृषि ऋण माफी भी शामिल थी। रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ करने की योजना शुरू करके तेलंगाना एक रोल मॉडल बन गया है।

राज्य सरकार 2 लाख रुपये तक के फसली ऋण माफ करने के लिए अगस्त के अंत तक 31,000 करोड़ रुपये जारी करेगी। रेवंत रेड्डी ने 18 जुलाई को पहली किस्त में 1 लाख रुपये तक के कृषि ऋण को चुकाने के लिए 6,098 करोड़ रुपये जारी किए। दूसरी किस्त में 1.50 लाख रुपये तक का कर्ज माफ किया जाएगा और तीसरे चरण में अगस्त अंत से पहले 2 लाख रुपये तक का कर्ज माफ किया जाएगा।

व्यक्ति ने पत्नी एवं बेटी की हत्या के बाद की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के हैदराबाद में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दस माह की बेटी की हत्या करने के बाद रविवार तड़के कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान रिक्शा चालक गणेश के रूप में की गई है। वह बोवेनपल्ली में अपनी पत्नी स्वप्ना और अपने तीन बच्चों के साथ रहता था एवं पत्नी से अक्सर प्रजनन शक्ति संबंधी मुद्दों पर झगड़ा करता था।

उन्होंने बताया कि आज तड़के गणेश ने कथित तौर पर अपनी पत्नी स्वप्ना और उनकी सबसे छोटी बेटी नक्षत्र की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद बेगमपेट के पास चलती ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सूचना मिलने पर मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है।

तेलंगाना में अगले 24 घंटों में भारी बारिश के आसार

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के विभिन्न जिलों में अलग- अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार को यह जानकारी दी। यहां एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान राज्य के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ आंधी आने का अनुमान है।

तेलंगाना में कई स्थानों पर अगले सात दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया गया है। तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के जगतियाल, निज़ामाबाद, निर्मल में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश हुई और जयशंकर भूपालपल्ली, निज़ामाबाद, मुलुगु में कई स्थानों पर हनुमाकोंडा, करीमनगर, कुमारम भीम में कुछ स्थानों पर और आदिलाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, जगतियाल, कामारेड्डी, मंचेरियल और निर्मल जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हुई। इसी अवधि के दौरान तेलंगाना में अधिकांश स्थानों पर बारिश हुई।

टीएसडीसीए ने जन औषधि केंद्र पर जब्त कीं प्रतिबंधित दवाएं

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीएसडीसीए), तेलंगाना ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के परिसर में स्थित जन औषधि केंद्र से प्रतिबंधित दवा ओफ़्लॉक्सासिन और ऑर्निडाज़ोल सस्पेंशन के स्टॉक का पता लगाया और जब्त किया। छापेमारी के दौरान डीसीए ड्रग इंस्पेक्टरों ने लोक-बीटा फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे, महाराष्ट्र द्वारा निर्मित ओफ़्लॉक्सासिन और ऑर्निडाज़ोल सस्पेंशन (50 मिलीग्राम / 125 मिलीग्राम) के स्टॉक का पता लगाया।

टीएसडीसीए ने कहा कि भारत सरकार ने 2018 में व्यापक सार्वजनिक हित में दवा संयोजन ओफ़्लॉक्सासिन और ऑर्निडाज़ोल सस्पेंशन पर प्रतिबंध लगा दिया। यह संयोजन पहले बैक्टीरिया और परजीवियों के कारण होने वाले संक्रमण के इलाज के लिए उपलब्ध था। टीएसडीसीए के डीजी वीबी

कमलसन रेड्डी ने बताया कि यह निषेध इस निश्चित खुराक संयोजन से मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न संभावित जोखिमों के कारण लागू किया गया था, जिसमें चिकित्सीय औचित्य की कमी पाई गई थी। भारत सरकार ने 7 सितंबर, 2018 को देश में इस दवा संयोजन के मानव उपयोग के लिए बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया था। डीसीए ने कहा, आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रतिबंधित औषधियों का निर्माण एवं बिक्री एक गंभीर अपराध है। इस समस्या से निपटने के लिए, बाजार में प्रतिबंधित दवाओं के प्रसार का पता लगाने के लिए औचक जांच तेज की जा रही है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेताओं ने राहुल, रेड्डी के चित्रों का किया क्षीर अभिषेक

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) के अध्यक्ष मोहम्मद वलीउल्लाह समीर के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने रविवार को चारमीनार के पास कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के चित्रों का क्षीर अभिषेक (दूध से अभिषेक) किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यह अभिषेक फसल ऋण माफ करने को लेकर आभार व्यक्त करने के लिए किया। चारमीनार के प्रभारी मुजीबुल्लाह शरीफ, बहादुरपुरा प्रभारी पी राजेश, महासचिव सी.एच. श्रीनिवास और सभी प्रखंड और विभागीय अध्यक्षों सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। लगातार बारिश के बावजूद, कांग्रेस नेता श्री गांधी और श्री रेड्डी के चित्रों पर दूध डालने और जनता को मिठाई बांटने के लिए ऐतिहासिक चारमीनार के पास एकत्र हुए।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए श्री समीर ने लगभग 40 लाख किसानों के लिए 31,000 करोड़ रुपये के फसल ऋण माफ करने को राज्य सरकार के कदम का उल्लेख किया और कहा, कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणापत्र में जो वादा किया था, उसे पूरा किया है। फसल ऋण माफ करने की तरह ही कांग्रेस सरकार जनता से किए गए सभी वादे पूरे करेगी।

उन्होंने फसल ऋण माफ करने के लाभों पर जोर देते हुए कहा कि राहत पाने वाले किसानों को अब बैंकों से नए ऋण मिल सकेंगे और 15,000 रुपये सालाना प्रदान करने वाली रायथु भरोसा योजना के माध्यम से उन्हें निवेश सहायता प्राप्त होगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर संपूर्ण उपज खरीदने के कांग्रेस सरकार के आश्वासन से किसानों को लाभ होगा, जिससे समृद्धि आएगी और हैदराबाद तथा अन्य शहरों में कृषि उपज की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे कमी और मुद्रास्फीति को रोका जा सकेगा। उन्होंने फसल ऋण माफ करने को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और हैदराबाद के पुराने शहर सहित लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्री समीर ने मूसी रिवरफ्रंट के विकास के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश की सरकारी घोषणा का उल्लेख किया, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पुराने शहर के निवासियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पुराने शहर में मेट्रो रेल परियोजना कांग्रेस सरकार के तहत एक वास्तविकता बन जाएगी, जिसकी आधारशिला पहले ही रखी जा चुकी है और काम शुरू हो चुका है। कांग्रेस नेता ने सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया और कहा कि इसका लाभ पुराने शहर के गरीबों को मिला है। उन्होंने आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा, 500 रुपये में गैस सिलेंडर और हजारों घरों के लिए 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करने की सरकारी पहल का उल्लेख किया। हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार द्वारा नए राशन कार्ड जारी करने का उल्लेख किया और आश्वासन दिया कि हैदराबाद डीसीसी के नेता इन योजनाओं का लाभ उठाने में लोगों की सहायता करेंगे। उन्होंने नागरिकों से बिचौलियों से बचने और मदद या सहायता के लिए सीधे कांग्रेस नेताओं से संपर्क करने का आग्रह किया।

कृषि मंत्री टी. नागेश्वर राव ने किया पेद्दावगु परियोजना का निरीक्षण

भद्राद्रि कोत्तागुडेम (तेलंगाना), 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के कृषि मंत्री टी. नागेश्वर राव ने रविवार को भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के अश्वरावेटा मंडल में पेद्दावगु सिंचाई परियोजना का निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि भारी बारिश के बाद पेद्दावगु मध्यम सिंचाई परियोजना में गुरुवार रात एक बड़ी दरार आ गयी, जिसके कारण भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के गुम्मादिवल्ली और कोथुरु और आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के कई गांवों में कृषि भूमि के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए। श्री राव ने निरीक्षण के दौरान टूटे हुए क्षेत्रों का आकलन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से बात की और परियोजना के लिए सुरक्षा उपायों तथा मरम्मत कार्यों

को लेकर चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों पर उनकी लापरवाही के लिए गुस्सा जताया।

बाद में मीडिया से बातचीत में उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और किसी भी तरह की जनहानि को रोकने के लिए जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, स्थानीय विधायक और पोलावरम के विधायक के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने सिंचाई अधिकारियों को परियोजना की मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। कृषि अधिकारियों ने फसल क्षति सर्वेक्षण शुरू कर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रभावित किसानों को फसल और संपत्ति के नुकसान के लिए हर संभव सहायता मिले।

मंत्री ने पीड़ितों को आश्वासन दिया कि बाढ़ से हुए नुकसान पर कलेक्टर की अंतिम रिपोर्ट के बाद उन्हें पूरा न्याय मिलेगा। दौरे के दौरान कई पीड़ितों ने न्याय की मांग करते हुए उनके वाहन को घेर लिया। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि वह हर प्रभावित किसान को 100 प्रतिशत मुआवजा दिलाने के लिए अथक प्रयास करेंगे। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल, एसपी बी रोहित राजू, आरडीओ मधुसूदन राव, तहसीलदार वी कृष्ण प्रसाद और कई जिला तथा मंडल स्तर के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.